इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2019/78560

दैनिक विनय उजाला

अलीराजपुर
शनिवार, 17 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष - 5
वर्ष : 06 अंक : 167
कुल पृष्ठ : 12

रोनाल्डो सबसे अधिक कमाने वाले एथलीट...11

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा-

भारतीय सेनाओं ने वीरता के साथ दिया दुश्मनों को करारा जवाब

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को इंदौर में अेपने शौर्य और पराक्रम से वीरता की अप्रतिम गाथा रचने वाले भारत के वीर सैनिकों के सम्मान में अपार जोश और उल्लास के साथ निकली तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

यह तिरंगा यात्रा बड़ा गणपति से प्रारंभ हुई और गोराकुण्ड, खजुरी बाजार होते हुए ऐतिहासिक महत्व के राजबाड़ा पर सम्पन्न हुई। पूरी यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रथ में सवार थे और हर तरफ हाथ हिलाकर उन्होंने नागरिकों का अभिवादन किया। इस यात्रा के माध्यम से पूरा शहर राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया और पूरा आसमान भारत माता की जय तथा वंदेमातरम् के उदघोष से गुंजायमान रहा। यात्रा में बच्चों से लेकर वृद्धों तक हर आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी रही। यात्रा में हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग के लोग इस यात्रा में शामिल हुये और उन्होंने अपने राष्ट्रप्रेम की झलक बिखरते हुए सेना के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। यात्रा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी तथा कविता पाटीदार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मनोज पटेल, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और जिलाध्यक्ष श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी साथ थे।

समाज के हर धर्म, हर जाति, हर वर्ग ने दिखाई अपनी राष्ट्रभक्ति की झलक

हर तरफ हुआ भारत माता की जय और वंदे मातरम् का उद्घोष

नए दौर का शक्तिशाली भारत दिखाई दे रहा

यात्रा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब नए दौर का शक्तिशाली भारत दिखाई दे रहा है। भारत के नए दौर में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी तीनों सेना ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और वीरता से दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना ने दुश्मन को अल्प समय में ऐतिहासिक जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पूरी दुनिया ने हमारी ताकत, एकजुटता और अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग देखा है। आतंकवादियों के मंसूबों को भी नाकाम किया गया है। कोई भी ताकत अब भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से सेना के प्रति सम्मान व्यक्त किया जा रहा है।

उज्जैन... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीदों को श्रद्धांजली अर्पित कर घोड़े पर सवार होकर तिरंगा यात्रा की शुरुआत

भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शुक्रवार को उज्जैन में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहीद पार्क से प्रारंभ हुई भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद पार्क स्थित जय स्तम्भ पर शहीदों को श्रध्दांजली अर्पित कर घोड़े पर सवार होकर तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्र की वेदी पर अपने चिराग न्योछावर करने वाले शहीदों के परिजनों को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे देश कि आन, बान और शान है इसकी मर्यादा का सदैव ध्यान रखें। तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है कि हम सभी भारतीय एक जुट हो कर समय आने पर देश कि रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान कर सकते है। भव्य तिरंगा यात्रा में जनप्रतिनिधि सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने भी बढ़-चढ़ कर सहभागिता की।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित 10 दिनी उत्सव होगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि प्रदेश में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती मनाई जा रही है। यह संयोग है कि 20 मई को तिथि के अनुसार उनकी जयंती है और विवाह की वर्षगांठ भी है। साथ ही उनके ससुर मल्हारराव होलकर की पुण्यतिथि भी है। इसको देखते हुए 20 मई को इंदौर के राजवाड़ा में केबिनेट की बैठक आयोजित की जा रही है। इसी दिन से पूरे प्रदेश में 10 दिनी उत्सव का आयोजन भी शुरू किया जा रहा है। इसका समापन भोपाल में भव्य रूप से 31 मई को किया जाएगा। प्रदेश में 10 दिनी उत्सव के तहत जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोविड की नई लहर का एशिया में खतरा, चीन-थाईलैंड में अलर्ट

हांगकांग, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर में फिर से कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं। हॉन्गकॉन्ग में 3 मई तक कोरोना संक्रमण के 31 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से कुछ लोगों की मौत भी हुई है। मरने वालों का आंकड़ा फिलहाल नहीं बताया गया है। हॉन्गकॉन्ग ने भी यह नहीं बताया कि पहला केस कब आया था। सिर्फ जानकारी दी है। इससे पहले सिंगापुर ने भी कोविड अलर्ट जारी करते हुए इस साल कोरोना के मामलों पर अपना पहला अपडेट जारी किया था। सिंगापुर में अप्रैल के आखिरी हफ्ते कोरोना के केसों की संख्या 11,110 थी, जो मई के पहले हफ्ते बढ़कर 14,200 हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ बढ़ाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी। साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी खर्च किया जाएगा। बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपए का बजट दिया था।

नेताओं का विवादित बयान

दुनिया में पाक को बेनकाब करेंगे भारतीय सांसद

30 सांसद बताएंगे पड़ोसी की करतूत

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब भारत के सांसद दुनियाभर `में पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे। भारत सरकार ने पाकिस्तान की करतूत दुनियाभर के सामने उजागर करने के लिए अगले सप्ताह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को अलग-अलग देशों की यात्रा के लिए भेजने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि कम से कम 30 सांसदों को 10 दिन के लिए अलग-अलग देशों की यात्रा पर भेजा जाएगा। इसे लेकर सरकार ने विपक्ष सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से बात की है। कुछ दलों ने अपने सांसदों को भेजने की मंजूरी भी दे दी है। दरअसल, पाकिस्तान पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लगातार झूठ बोलता रहा है। वह दुनिया को तथ्यों से अलग जाकर एक नैरेटिव सेट करने के लिए मनगढ़ंत कहानी बताता रहा है। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ा समर्थन नहीं मिला है, लेकिन चीन और तुर्किये जैसे देशों के उसके साथ आ जाने से उसे एक सहारा मिल गया है। भारत पाकिस्तान की इस कोशिश को बेनकाब करना चाहता है।

ओवेसी और थरूर होंगे शामिल

भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद अपराजिता सारंगी डेलिगेशन का हिस्सा होंगी। कांग्रेस से शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल होंगे। टीएमसी (एसपी) की सुप्रिया सुले और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का नाम भी सामने आया है।

जयशंकर ने पहली बार तालिबान सरकार से बात की, कहा शुक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार रात अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बातचीत की। जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए मुत्ताकी को शुक्रिया कहा। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया था, जिनमें कहा गया था कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान को टारगेट किया। जयशंकर ने इस बात के लिए भी अफगान सरकार का शुक्रिया किया। यह भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच मंत्री स्तर की पहली बातचीत थी। जयशंकर ने कहा कि भारत और अफगान लोगों के बीच जो पुराना दोस्ताना रिश्ता है, उसे दोहराया गया और भविष्य में इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर बातचीत हुई।

देश मुश्किल दौर में है, आप काल्पनिक विचार लेकर आए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को रोहिंग्याओं के निर्वासन को लेकर याचिका दायर करने वालों को फटकार लगाई। याचिका में कहा गया था कि महिलाओं और बच्चों समेत 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को म्यांमार वापस भेजने के लिए अंडमान सागर में छोड़ दिया गया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब देश मुश्किल दौर से गुजर रहा है तो आप काल्पनिक विचार लेकर आए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता मोहम्मद इस्माइल और अन्य की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई सामग्री की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठाया। साथ ही रोहिंग्याओं के आगे निर्वासन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि अदालत ने इसी तरह की राहत देने से इनकार कर दिया था। पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस से कहा कि जब देश कठिन समय से गुजर रहा है, तो आप इस तरह के काल्पनिक विचार लेकर आते हैं। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सामग्री सोशल मीडिया से ली गई प्रतीत होती है और रोहिंग्याओं को यातना देने तथा उन्हें समुद्र में फेंककर निर्वासित करने के आरोपों को मात्र आरोप बताया गया है। न्यायमूर्ति कांत ने पूछा कि आरोपों को प्रमाणित करने वाली सामग्री कहां है?

शोक बैठक

नेत्रदानी स्व. श्री गगन वर्मा

मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा जी के पुत्र गगन वर्मा का दु:खद निधन दिनांक 15/5/2025 (गुरुवार) हो गया है। जिनकी शोक बैठक 17/05/2025 (शनिवार) शामः 4 से 5 बजे तक रखी गई है।

स्थान

स्मेश हॉल, यशवंत क्लब, टॉप एन टाउन के सामने, रेसकोर्स रोड, इंदौर

शोकाकुल :

ओमप्रकाश वर्मा (पहलवान), फतेह सिंह वर्मा, सज्जन सिंह वर्मा, अर्जुन वर्मा, अजय सिंह वर्मा, हरी सिंह वर्मा, बलवंत वर्मा, अभय वर्मा, पवन वर्मा, रिंकू वर्मा, दीपक वर्मा, उत्कर्ष वर्मा

एवं समस्त वर्मा परिवार

भुज में जवानों का बढ़ाया हौसला, रक्षामंत्री बोले-

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं, यह सिर्फ ट्रेलर, वक्त आने पर बताएंगे पूरी पिक्चर

अहमदाबाद, एजेंसी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये तो बस ट्रेलर है, समय आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे। जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है, बिहेवियर में गड़बड़ी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा- ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया, एक कहावत मशहूर है- दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया। इससे पहले गुरुवार को राजनाथ जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरबेस पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जवानों से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया था।

पाकिस्तान की आर्थिक सहायता टेरर फाइनेंसिंग से कम नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा- मैं मानता हूं कि आज के समय में पाकिस्तान को किसी भी तरह की आर्थिक सहायता टेरर फाइनेंसिंग से कम नहीं है। भारत यही चाहेगा कि IMF पाकिस्तान को अपनी एक बिलियन डॉलर के फंड पर पुनर्विचार करे और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से परहेज करे। भारत नहीं चाहता कि जो फंडिंग हम IMF को करते हैं, वह डायरेक्ट या इनडायरेक्ट किसी भी तरीके से पाकिस्तान या किसी भी देश में टेरर इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने में इस्तेमाल की जाए।

संक्षिप्त समाचार

श्री ई. श्रीनिवास ने रेल सुरक्षा आयुक्त, पश्चिमी सर्किल, मुंबई का कार्यभार ग्रहण किया

मुंबई (विनय उजाला)। भारतीय रेल सिगनल इंजीनियर्स सेवा (IRSSE) के 1994 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री ई. श्रीनिवास ने हाल ही में पश्चिमी सर्किल, मुंबई के रेल सुरक्षा आयुक्त का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री श्रीनिवास को भारतीय रेल में लगभग तीन दशकों का समृद्ध और विविध अनुभव प्राप्त है। आपने बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। आपने INSEAD, सिंगापुर और INSEAD, कुआलालंपुर, मलेशिया में प्रतिष्ठित एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम भी पूरा किया है। श्री श्रीनिवास ने अपना शानदार करियर दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद में सहायक सिगनल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में शुरू किया। पिछले कई वर्षों में आपने विभिन्न क्षेत्रीय रेलों में विविध महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। आपके उल्लेखनीय कार्यों में दक्षिणी सर्किल, बेंगलुरु में रेल सुरक्षा उपायुक्त (तकनीकी) के रूप में आपका कार्यकाल शामिल है, जहां आपने दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और बेंगलुरु, चेन्नई और कोच्चि में मेट्रो रेल प्रणालियों में सिगनलिंग प्रणालियों के सुरक्षा प्रमाणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान कार्यभार संभालने से पहले श्री श्रीनिवास भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (INSEAD) में संयुक्त सचिव के रूप में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। श्री ई. श्रीनिवास अपने व्यावसायिकता, नेतृत्व और रेल परिचालन में सेफ्टी के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सहकर्मियों और अधीनस्थों के बीच अत्यधिक सम्माननीय हैं।

कंचन नदी पुनर्जीवन परियोजना का मंत्री पटेल ने किया अवलोकन

भोपाल, निप्र। छोटी नदियां जब बारहमासी होगी तभी बड़ी नदियों में जल भंडारण बना रहेगा का वक्तव्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कंचन नदी पुनर्जीवन परियोजना के अवलोकन कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि आज मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है कि सिंगरौली जिले की कंचन नदी पुनर्जीवन परियोजना सरकार और समाज के सहयोग से नदी संरक्षण का एक अनूठा उदाहरण बनी है। इससे छोटी बड़ी नदियों में होने वाले संरक्षण कार्यों को एक नई दिशा मिलेगी, जहां नदी का उद्गम होगा वहीं ऊर्जा का श्रोत होता है। अवधूत महायोगी समर्थ दादा ने भी उपस्थित जन समूह को अपना मार्गदर्शन देते हुए कहा कि नदियों का उद्गम स्थल एक महत्वपूर्ण जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहां उद्गम स्थल होता है वह ऊर्जा के स्रोत को दर्शाता है। जहां संगम होता है वह जीवन को दर्शाता है। हमें इन नदियों के उद्गम क्षेत्र के लिए सक्रियता सक्रियता दिखानी होगी महत्वपूर्ण त्योहार में इन क्षेत्रों की पूजा अर्चना कर स्थानीय तकनीक के निर्माण के सहयोग से इन्हें संरक्षित करना होगा। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह,इस अवसर पर सांसद डॉ. श्री राजेश मिश्रा, सिंगरौली विधायक श्री रामनिवास शाह, देवसर विधायक श्री राजेन्द्र मेश्राम, जिला अधिकारीगण अध्यक्ष श्री दिलीप शाह, नगर निगम अध्यक्ष श्री देवेश पांडे, श्री सुंदरलाल शाह अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा संचालित श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई., भोपाल में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह संस्था विशेष रूप से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की संतानों को विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करती है। आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल 222.स्न्नह्यस्र.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ पर 31 मई 2025 तक पंजीयन कर सकते हैं। संस्था में संचालित दो वर्षीय पाठ्यक्रमों में तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन एवं सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट शामिल हैं। वहीं एक वर्षीय पाठ्यक्रमों में फैशन डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाइन एण्ड डेकोरेशन, आईओटी स्मार्ट सिटी एवं वेल्डर ट्रेड संचालित हैं। वेल्डर ट्रेड में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा आठवीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है।

राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश हो रहा है तैयार: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

वर्ष-2028 के राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया प्रस्ताव, राष्ट्रीय खेल आयोजन के लिए तैयारी करें, न रहे कोई कमी

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में आगे लाने के लिए सरकार कटिबद्ध होकर प्रयासरत है। खेल और खिलाड़ियों के विकास में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन कराने केंद्र सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ को प्रस्ताव भेजा गया है। वर्ष-2028 में जनवरी से मार्च के दौरान राष्ट्रीय खेलों का आयोजन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय रहते राष्ट्रीय खेल आयोजन की सभी तैयारियों को अंजाम दें। राष्ट्रीय खेल का मध्यप्रदेश में आयोजन सरकार के लिए गौरव का विषय है। इसकी तैयारियों में कोई कमी न रहे। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल पर्यटन को प्रोत्साहन किया जा रहा है। भोपाल आने वाले लोगों को यहां के छोटे और बड़े तालाब में जल क्रीड़ाओं का प्राकृतिक एवं वास्तविक आनंद प्रदान करने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं और व्यवस्थाएं की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगामी 14 से 19 अक्टूबर 2025 के दौरान एशियन रोईंग चैम्पियनशिप का आयोजन होना है। यह आयोजन भोपाल के खानूगांव स्थित वॉटर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में होगा। इसमें 22 से ज्यादा देशों के लगभग 450 खिलाड़ी, 100 टेक्निकल ऑफिशियल और 12 ज्यूरी मेम्बर्स सहित बड़ी संख्या में वॉटर स्पोर्टस में रूचि रखने वाले भोपाल आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि एशियन रोईंग चैम्पियनशिप के लिये तय आयोजन स्थल खानूगांव वॉटर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर को अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार सर्वसुविधायुक्त बनाया जाए। इससे भोपाल तालाब की ब्रांडिंग के साथ देश में ओलम्पिक-2036 में वॉटर स्पोर्ट्स के आयोजन के लिये भोपाल शहर प्रबल दावेदार भी बनेगा। साथ ही मध्यप्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स, मध्यप्रदेश टूरिज्म एवं स्थानीय व्यापार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 14 से 19 अक्टूबर को होने वाली एशियन रोईंग चैम्पियनशिप की सभी तैयारियां अभी से प्रारंभ कर लें। उन्होंने कहा कि मलखम्भ को बढ़ावा देने के लिये अन्य देशों में इसका डेमो प्रदर्शन किया जाये। खेलो एमपी गेम्स में रस्साकशी, तीरंदाजी- इंडियन स्टाईल, शूटिंग बॉल एवं पिट्ठू जैसे पारम्परिक खेलों का समावेश भी किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेल विभाग के अधिकारी स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर प्रदेश में विभिन्न खेल प्रतिभाओं को निखारें। उन्होंने कहा कि खेलों को स्कूल/कॉलेज के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनायें।

इसके लिये महाविद्यालय स्तर पर अलग से खेल संकाय बनाने के प्रयास किये जायें। उन्होंने कहा कि साहसिक खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये ओंकारेश्वर और पचमढ़ी में ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किये जायें। भोपाल के बड़े और छोटे तालाब की तरह अन्य जल खेल गतिविधियों के लिए जल स्थल चयनित किये जायें। इससे जल पर्यटन और इस क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी लाभ मिलेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मुख्यमंत्री मोहन यादव से पूछे पाँच सवाल : इंदौर से जवाब की माँग

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने आज माँ अहिल्या बाई होल्कर की नगरी इंदौर, जो न्याय और सुशासन का प्रतीक है, से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पाँच गंभीर सवाल पूछे हैं। ये सवाल भारतीय सेना के सम्मान, पुलिस की कार्यप्रणाली, मंत्रियों के विवादित बयानों, और प्रेस की स्वतंत्रता से जुड़े हैं। श्री पटवारी ने माँग की है कि मुख्यमंत्री इन सवालों का जवाब देकर प्रदेश की जनता के साथ न्याय करें। सवाल निम्नलिखित हैं:

1. मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के सेना अपमान पर कार्रवाई क्यों नहीं? कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहकर और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भारतीय सेना को प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक बताकर सेना का अपमान किया। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने विजय शाह के बयान को गटरछाप और सुप्रीम कोर्ट ने इसे शर्मनाक करार दिया। फिर भी, दोनों मंत्रियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या बीजेपी सरकार ऐसे देशद्रोही बयानों को संरक्षण दे रही है?

2. कोर्ट की तल्ख टिप्पणियों के बावजूद आशातीत कार्रवाई क्यों नहीं? सेना के अपमान के मामले में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह के खिलाफ स्नद्बक्रमें छल और निष्पक्षता की कमी को उजागर किया। कोर्ट ने पुलिस और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री बार-बार कोर्ट का हवाला देते हैं, लेकिन जवाबदेही और कार्रवाई में कमी क्यों है?

3. मंत्रियों पर लगाम लगाने में असमर्थता क्यों? विजय शाह, जगदीश देवड़ा, और अन्य मंत्रियों के बार-बार विवादित बयान सरकार की छवि और सेना के सम्मान को ठेस पहुँचा रहे हैं। एक मुख्यमंत्री के रूप में, डॉ. मोहन यादव अपने मंत्रिमंडल पर नियंत्रण क्यों नहीं रख पा रहे हैं? क्या यह नेतृत्व की कमजोरी को दर्शाता है?

4. पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार कब? हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर बार-बार सवाल उठाए हैं, खासकर संवेदनशील मामलों में निष्पक्षता की कमी को लेकर। मुख्यमंत्री स्वयं गृह विभाग संभाल रहे हैं, फिर भी सुधार क्यों नहीं दिख रहा? क्या प्रदेश को पूर्णकालिक और सक्षम गृहमंत्री की आवश्यकता नहीं है?

5. पत्रकारों के साथ बदसलूकी क्यों? भिंड में पत्रकारों पर हमले, भोपाल में कार्रवाई, और स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा माइक हटाने जैसे कृत्य प्रेस की स्वतंत्रता पर सवाल उठाते हैं। क्या मध्यप्रदेश में पत्रकार अब सुरक्षित नहीं हैं? बीजेपी सरकार प्रेस के साथ इस व्यवहार को कब तक उचित ठहराएगी?

कांग्रेस की माँग : जीतू पटवारी ने कहा, इंदौर, माँ अहिल्या की नगरी, न्याय की प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यहाँ से इन सवालों का जवाब देना होगा। भारतीय सेना का अपमान, पुलिस की निष्क्रियता, और प्रेस पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएँगे। हम माँग करते हैं कि विजय शाह और जगदीश देवड़ा को तत्काल बर्खास्त किया जाए, सेना का सम्मान सुरक्षित हो, व्यापक स्तर पर पुलिस सुधार लागू हो, पत्रकारों से दुर्व्यवहार बंद हो। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यमंत्री से अपील करती है कि वे इन मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करें और प्रदेश में न्याय व सुशासन की मिटती परंपरा को वापस लाने के प्रयास करें। जनता जवाब और कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रही है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों से दी लार्वा नियंत्रण की जानकारी

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा वाहक जनित रोगों के प्रसार एवं उनके नियंत्रण के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य संस्थाओं सहित शैक्षणिक संस्थाओं, रहवासी क्षेत्रों, शासकीय एवं निजी संस्थानों में जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जागरूकता रैलियों, शपथ ग्रहण,कार्यशालाओं परामर्श एवं प्रश्नोत्तरी द्वारा डेंगू के लक्षण एवं बचाव के उपायों को बताया गया।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस प्रत्येक वर्ष 16 मई को मनाया जाता है। बारिश के मौसम में साफ पानी के इकठ्ठा होने के कारण डेंगू का लार्वा पनपने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। डेंगू दिवस के माध्यम से मानसून के पूर्व वाहक जनित बीमारियों के बारे नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। डेंगू दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.प्रभाकर तिवारी ने डेंगू जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता रथ के माध्यम से ऑडियो संदेश एवं पंपलेट इत्यादि द्वारा लार्वा को न पनपने देने एवं डेंगू से बचाव की जानकारी दी जा रही है। इस वर्ष यह दिवस देखें, साफ करें, ढकें' डेंगू को हराने के उपाय करें की थीम पर मनाया जा रहा है।

डेंगू नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। जल भराव वाले स्थान चिन्हित कर अब तक लगभग 14000 गंबुसिया मछली डाली जा चुकी हैं। भोपाल के 21 जोन में 44 टीमें द्वारा प्रतिदिन औसतन 2000 घरों का सर्वे किया जा रहा है। इस साल 183522 कंटेनरों का सर्वे कर 3581 में लार्वा नष्ट किया जा चुका है। साल 2024 में स्वास्थ्य विभाग की 44 टीमों ने 5 लाख से अधिक घरों में लगभग 37 लाख कंटेनर का सर्वे किया था, जिनमें से 25 हजार में लार्वा पाया गया था। भोपाल में एलाइजा टेस्ट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, गांधी मेडिकल कॉलेज, सिविल अस्पताल बैरागढ़ एवं जिला जयप्रकाश चिकित्सालय में निशुल्क होता है। इन पांचो सेंटिनल साइट पर सातों दिन जांच की जाती है।

शहरी क्षेत्रों में तालाबों को प्रदूषण मुक्त करने के लिये 74 करोड़ रूपये का अनुदान

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली झीलों एवं तालाबों को प्रदूषण मुक्त रखने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा संरक्षण एवं संवर्धन योजना चलाई जा रही है। योजना में अब तक 41 नगरीय निकायों में 48 तालाबों की योजनाओं के लिये 74 करोड़ रूपये की राशि अनुदान के रूप में जारी की जा चुकी है।

योजना में नगरीय क्षेत्रों में झीलों एवं तालाबों की सीमा में होने वाले कटाव को रोकने संबंधी कार्य, झीलों एवं तालाबों के आस-पास बाउंड्रीवॉल बनाने, सघन पौधरोपण, लैम्प और फव्वारों की स्थापना के लिये नगरीय निकायों को राज्य शासन की ओर से अनुदान राशि दी जा रही है। नगरीय निकाय इस अनुदान राशि का उपयोग अपशिष्ट जल को रोकने, ट्रीटमेंट व्यवस्था, झील एवं तालाबों के किनारे सीवर पाईप व्यवस्था के लिये भी उपयोग कर रहे हैं।

योजना में नगरीय निकायों को दी जाने वाली अनुदान राशि का प्रतिशत भी निर्धारित किया गया है। नगर निगम को कुल लागत राशि का 60 प्रतिशत, नगर पालिका परिषद को 75 प्रतिशत और नगर परिषद को 90 प्रतिशत राज्य शासन की ओर से अनुदान दिये जाने की व्यवस्था है। अनुदान राशि के अलावा शेष राशि की व्यवस्था संबंधित नगरीय निकायों को स्वयं अपनी इनकम जनरेट करने के निर्देश हैं।

रेलवे बोर्ड से करही-सगमा के बीच नई कॉर्ड रेल लाइन को स्वीकृति मिली

विनय उजाला

रतलाम। मध्य प्रदेश में रेल बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, रेलवे बोर्ड ने पश्चिम मध्य रेल (डब्ल्यूसीआर) क्षेत्र के तहत एक महत्वपूर्ण नई रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्तावित कॉर्ड रेल लाइन करही और सगमा के बीच 5.31 किलोमीटर की है, इस नई रेल लाइन परियोजना को रूपये 165.20 करोड़की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रदेश में कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से रेलवे परियोजनाओं की स्वीकृति और विकास में महत्वपूर्ण कदम है। अम्ब्रेला वर्क के तहत प्रस्तावित करही से सगमा (5.31 किमी.) के बीच कॉर्ड रेल लाइन रेल कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उद्देश्य लाइनों की क्षमता में वृद्धि, फ्लाई ओवर एवं बाईपास लाइनों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाना है। करही स्टेशन सतना-पन्ना-खजुराहो निर्माणाधीन नई लाइन पर एक नया स्टेशन है, और सगमा स्टेशन सतना-मानिकपुर-प्रयागराज डबल लाइन रूट पर स्थित है। वर्तमान में सतना-मानिकपुर खंड की लाइन क्षमता की उपयोगिता 120% है, जो आगामी वर्ष 2027 तक इसकी उपयोगिता 143% तक बढ़ने का अनुमान है। ललितपुर-सिंगरौली नई रेल परियोजना के अंतर्गत रीवा-सिंगरौली के बीच नई लाइन का कार्य भी प्रगति पर है। करही और सगमा के बीच प्रस्तावित द्वि-दिशात्मक कॉर्ड लाइन ललितपुर-सिंगरौली नई लाइन को इटारसी-मानिकपुर मौजूदा लाइन से जोड़ेगी। इससे मानिकपुर-पन्ना इसके विपरीत जाने वाली ट्रेनों को सतना जंक्शन स्टेशन पर जाए बिना सीधे चलने में सुविधा होगी और इस तरह सतना में इंजन को बदलना नहीं पड़ेगा, जिससे समय की बचत होगी।

यह रेल संपर्क क्षेत्रीय व्यापार, गतिशीलता और संसाधनों तक पहुंच को बढ़ावा देगा। करही से सगमा कॉर्ड रेल लाइन बनने से मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण राज्यों सतना, पन्ना एवं खजुराहो के पर्यटक संपर्क को मजबूती मिलेगी। सतना एवं पन्ना औद्योगिक शहर है, जिनमें प्रचुर मात्रा में सीमेंट और खनिज उद्योग हैं, जो मध्य प्रदेश के कई हिस्सों को जोड़ता है। इस लाइन से क्षेत्र में माल ढुलाई, औद्योगिक विकास, पर्यटन और बेहतर यात्री संपर्क में मदद मिलने की उम्मीद है।

सागर के बण्डा में तालाब गहरीकरण एवं मरम्मत कार्य और संजीवनी क्लीनिक का किया शुभारंभ

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में करें पूर्ण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पुराने जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित कर उन्हें पीने योग्य बनाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू हुए इस जल गंगा संवर्धन अभियान से संपूर्ण बुंदेलखंड सहित मध्यप्रदेश में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन का कार्य किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर उनका संरक्षण करने का कार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से सभी जल स्रोत पुनर्जीवित होंगे और हमें पर्याप्त पेयजल मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जो भी कार्य किए जा रहे हैं उनकी पूरी योजना तैयार करें और उसके बाद गुणवत्ता एवं समय-सीमा में पूर्ण करें ताकि कार्य शीघ्र जनोपयोगी बनें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सागर जिले के बण्डा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बंडा तालाब के गहरीकरण एवं मरम्मत कार्य का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जिस प्रकार बैंक खाते में से लगातार पैसे निकालने से बैंक खाता खाली हो जाता है उसी प्रकार अपनी जमीन से लगातार पानी लेने से जमीन में स्थित पानी का खाता भी खाली हो जाता है। हमें इस जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शासन द्वारा किए जा रहे कार्यों में सहयोग करके अपनी इस जमीन के पानी के खाते को फिरसे भरना है ताकि हमें भविष्य में निर्बाध रूप से पानी मिलता रहे। आज हम सभी संकल्प लें कि हम जमीन से पानी लेने के साथ-साथ जमीन को पानी देने का कार्य भी करेंगे। उन्होंने कहा कि जमीन को पानी देने के लिए हमें लगातार कार्य करने होंगे इसके लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, रिचार्ज पिट बनाने होंगे एवं पानी रोकने के लिए अभियान चलाना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्यों का भौतिक सत्यापन भी किया जाए जिससे कि उनकी गुणवत्ता बनी रहेगी।

बण्डा एवं शाहगढ़ में एएलएस एंबुलेंस कराई जाएगी उपलब्ध

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक बंडा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का आचरण, व्यवहार, छोटे अस्पताल को भी बड़ा बना देता है। डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं इस स्वरूप को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यह संजीवनी क्लीनिक प्राथमिक स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि बण्डा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जो भी परेशानी है उसे तत्काल ठीक किया जाएगा। उन्होंने बाउंड्री वॉल का प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र भेजने के निर्देश दिए ताकि निर्माण कार्य शीघ्र हो सके। उन्होंने कहा कि बण्डा एवं शाहगढ़ में एएलएस (एडवांस लाइफ सपोर्ट) एंबुलेंस भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास संसाधन की कमी नहीं है। मध्यप्रदेश में डॉक्टरों की एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए 3 हजार डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य विभाग में 30 हजार कर्मियों की भर्ती करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बण्डा एवं शाहगढ़ की पेयजल की समस्या निराकरण के लिए सरकार के द्वारा लगातार कार्य किये जा रहे हैं और शीघ्र ही सुविधाएं मुहैया कराई जायेंगी। विधायक बण्डा श्री वीरेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि बंडा का एक-एक गांव पानी की समस्या से दूर हो। इस अभियान के अंतर्गत पुराने नदी, नालों, बावड़ियों, तालाबों को पुनर्जीवित भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शाहगढ़ एवं बण्डा का लगातार विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के माध्यम से इस योजना के माध्यम से जो राशि स्वीकृत की गई है उसे गुणवत्तायुक्त कार्य कराए जाएंगे जो कि समय सीमा में पूरे होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सड़क निर्माण का भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सड़कों से आर्थिक क्रांति और समृद्धि आती है।

लोकमाता अहिल्यादेवी होलकर की 300वीं जयंती पर लोकमाता अहिल्यादेवी-व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं पुस्तक कर्मयोगिनी का विमोचन होगा

कर्मयोगिनी लोकमाता अहिल्यादेवी होलकर पुस्तक में देश के अनेक विद्वानों के आलेख समाहित

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना उज्जैन द्वारा लोक माता अहिल्याबाई होलकर के 300वीं जयंती पर दिनांक 18 मई 2025 रविवार को प्रात: 11 बजे पुस्तक कर्मयोगिनी का विमोचन एवं लोकमाता अहिल्यादेवी होलकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। आयोजन के प्रथम सत्र में पुस्तक विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. गोविन्द गन्धे, निदेशक कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन होंगे। मुख्य वक्ता विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं कुलानुशासक प्रो शैलेन्द्रकुमार शर्मा होंगे तथा अध्यक्षता श्री ब्रजकिशोर शर्मा शिक्षाविद्, राष्ट्रीय संरक्षक, राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना उज्जैन करेंगे। पुस्तक समीक्षक डॉ. हरीशकुमारसिंह साहित्यकार एवं सचिव, म.प्र. लेखक संघ उज्जैन होंगे। द्वितीय सत्र में दोप 1 बजे राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होगा जिसका विषय लोकमाता अहिल्यादेवी- व्यक्तित्व एवं कृतित्व रहेगा। जिसमें मुख्य अतिथि श्री चवाकुल रामकृष्ण राव, अध्यक्ष, हिन्दी प्रेमी मंडली हैदराबाद, अध्यक्षता डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, शिक्षक संचेतना उज्जैन, मुख्य वक्ता श्री हरेराम वाजपेयी, अध्यक्ष, हिन्दी परिवार इन्दौर, विशिष्ट अतिथि डॉ. रंजना फतेहपुरकर लेखिका एवं अध्यक्ष, रंजन कलश, इन्दौर, श्री शालू सुधीर अवस्थी, लेखिका भोपाल, डॉ. मिन्टू शर्मा, साहित्यकार, मुजफ्फरपुर एवं डॉ. निशा जोशी, योगाचार्य, इन्दौर होंगे। आयोजन को सफल बनाने की अपील डॉ. प्रभु चौधरी संपादक-कर्मयोगिनी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, डॉ. अरूणा सराफ, राष्ट्रीय सचिव महिला इकाई, सुश्री संगीता केसवानी, राष्ट्रीय सचिव इन्दौर, डॉ. अनिता तिवारी प्रदेश अध्यक्ष, सरोज दवे उपाध्यक्ष एवं गरिमा प्रपन्ना महासचिव सहित अनेक पदाधिकारियो एवं सदस्यो ने की है। यह जानकारी राष्ट्रीय प्रवक्ता सुंदरलाल जोशी सूरज ने दी है।

संक्षिप्त समाचार

एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में गुरुतेग बहादुर स्कूल के टॉपर मनीष साहू का स्वागत किया

इंदौर (विनय उजाला)। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू संरक्षक हरीश चन्द पाण्डेय के नेतृत्व में संस्था के माध्यम सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में संस्था सदस्य मनीष साहू ने इंटर में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर गुरुतेग बहादुर स्कूल के टॉपर बनने पर संस्था पदाधिकारियों ने मनीष साहू का स्वागत कर मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। इस दौरान एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू सदस्य प्रीति आर्या ने संयुक्त रूप से कहा की मनीष साहू पढ़ाई करने के साथ संस्था के सामाजिक कार्यों में सहभागिता कर समाजहित कार्य कर रहे है और मनीष साहू ने इंटर में पूरी लगन के साथ दिन रात पढ़ाई करके सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर गुरुतेग बहादुर स्कूल के टॉपर बने है जिससे हम सभी में बहुत खुशी है और हम मनीष से आशा करते है वो भविष्य में भी इसी तरह मेहनत करते रहें और आगे चलकर देश की सेवा करें। इस दौरान मनीष साहू का स्वागत करने में संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू संरक्षक हरीश चन्द पाण्डेय पार्षद प्रीति आर्या उपाध्यक्ष लोकेश कुमार साहू कोषाध्यक्ष बलराम हालदार मीडिया प्रभारी मुकेश सरकार अमन कुमार सूरज मिस्त्री अभिषेक साहू सुशील राय दीपक कुमार मुकेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

डेंगू के प्रति जागरूक रहने के संबंध में मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस

इंदौर (विनय उजाला)। इंदौर जिले में आज राष्ट्रीय डेंगू दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय संचालक डॉ. शाजी जोसेफ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या, संभागीय कीट विज्ञानी डॉ. सी. एस. शर्मा द्वारा समस्त मलेरिया कर्मचारियों को डेंगू के प्रति जागरूक रहने एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने हेतु शपथ दिलवाई गई। इस वर्ष की थीम- देखें, साफ करें, ढकें- डेंगू को हराने के उपाय करें हैं। जिला मलेरिया अधिकारी श्री दौलत पटेल द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करना है। विदित हो कि 2024 में इंदौर जिले में 550 डेंगू के मरीज पाए गए थे, प्रभावित क्षेत्र में मलेरिया विभाग की एंटी लार्वा टीम द्वारा प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर नगर निगम के सहयोग से संपूर्ण क्षेत्र में फॉगिंग एवं दवाई का छिड़काव भी किया गया था। साथ ही 2024 के हाई रिस्क क्षेत्र को चिन्हित कर कार्यवाही हेतु मलेरिया कर्मचारियों के दलों को निर्देशित भी किया गया।

किसानों को उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ देने के लिये इंदौर में चलाया जा रहा है विशेष पंजीयन अभियान

इन्दौर, (विनय उजाला)। इंदौर जिले में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पात्र किसानों को दिलाये जाने हेतु 01 अप्रैल 2025 से विशेष पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है, जो कि 30 जून 2025 तक निरंतर जारी रहेगा। किसानों से अपील की गई है कि उद्यानिकी विभाग से संबंधित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु विभाग की mpfsts portal पर पंजीयन/आवेदन करें। पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेज जैसे फोटो, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, खसरा बी-1, अजा/अजजा वर्ग हेतु प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।

इंदौर जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु कार्यशाला का हुआ आयोजन

इन्दौर (विनय उजाला)। इंदौर जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जागरुकता हेतु धर्मगुरु, विभिन्न समाजों के मुखिया, विवाह समारोह में सर्विस प्रदाताओं, पटवारी, आंगनवाडी कार्यकर्ता की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आज ग्राम पंचायत नैनोद में किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला में श्री श्रवण चावडा, जिला पंचायत सदस्य श्री दिलीप पटेल, सरपंच श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, पंच श्रीमती नीतू जैन, परियोजना अधिकारी श्रीमती ममता कनेश आदि।

द हाट ऑफ़ आर्ट ने इंदौर में किया अपने 10वें भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ!

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। भारतीय कला परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला मंच द हाट ऑफ़ आर्ट अपने 10वें भव्य संस्करण के साथ मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी इंदौर में पहली बार प्रस्तुत हुआ। कृतिका लोकवानी ने भी प्रदर्शनी लगाई है जहा अपनी कला का प्रदर्शन कर रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया कृतिका लोकवानी कई बर्षो से अपनी कला का प्रभावशाली कला का प्रदर्शन कर चुकी है। प्रख्यात क्यूरेटर ज्योति यादव द्वारा आठ वर्ष पूर्व स्थापित यह मंच अब मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में अपनी गहरी छाप छोड़ चुका है। इस विशेष संस्करण में 100 से अधिक प्रतिभाशाली कलाकारों ने भाग लिया, जिनमें 30 से अधिक एमपी पुलिस

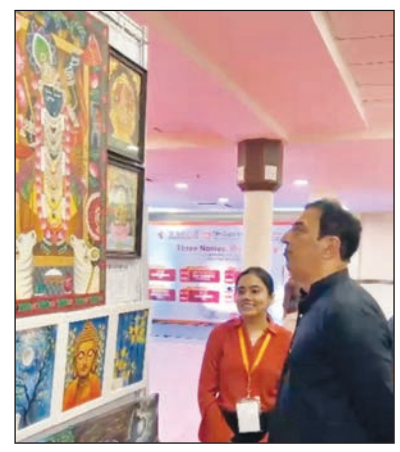

कर्मियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया, साथ ही कई नामचीन जनजातीय कलाकारों ने भी अपनी कला प्रस्तुत की। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी, जो 18 मई तक चलेगी, का उद्घाटन द हाट ऑफ़ आर्ट के संरक्षक श्री विंदू दारा सिंह, कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय जी, श्री तुलसीराम सिलावट जी, डॉ. सीमा अलावा जी एवं पद्मश्री से सम्मानित श्री महेश शर्मा जी, जनक पल्टा जी, और भालू मोन्धे जी सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

यह अवसर इंदौर के लिए ऐतिहासिक है

जहां पहली बार इतनी बड़ी, व्यावसायिक रूप से जीवंत और कलाकार-केंद्रित कला प्रदर्शनी पेश की गई है। उपस्थित मंत्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए वचन दिया कि मध्यप्रदेश में द हाट ऑफ़ आर्ट की पहुंच को और व्यापक बनाया जाएगा, खासकर पिथोरा और गोंड जैसी पारंपरिक आदिवासी कलाओं को संरक्षण व मंच देने के लिए।

शा. महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नातकोत्तर महा. में नए रोज़गारन्मुखी पाठ्यक्रम की शुरुआत

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, क़िला भवन, इंदौर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 मे म प्र उच्च शिक्षा विभाग ने नए रोज़गारन्मुखी EDP कोर्स की शुरुवात की है। एईडीपी पाठ्यक्रम के अंतर्गत banking, financial services and Insurance कोर्स प्रारंभ किया जा रहा है। इसमें 30 सीट निर्धारित है एवं ऑनलाइन प्रकिया द्वारा प्रवेश दिया जाएगा। एईडीपी पाठ्यक्रमों की विशेषता यह है कि छात्राओं को स्नातक की अंतिम वर्ष में 6 से 12 माह की अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रदान की जाएगी। छात्राओं को प्रशिक्षण के दौरान 8000/- रुपए प्रतिमास स्टायफंड के साथ शैक्षणिक ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और इंडस्ट्रिज से जुड़ाव के अवसर उपलब्ध होंगे।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ चंदा तलेरा जैन ने बताया इस कोर्स के द्वारा युवाओं के लिए बेहतर रोजगार की संभावनाएं मिलेंगी और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ रजनी भारती और सदस्य डॉ अंतिमबाला शास्त्री द्वारा दी गई।

प्रभु चरणों में लीन हुए ओमप्रकाश चौधरी जी के निधन पर शोक व्यक्त

जीतू पटेल

इन्दौर, (विनय उजाला)। सांवेर विधानसभा इन्दौर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गांव कुडाना के पूर्व सरपंच चंद्रशेखर मंत्री एवं भाई मनीष चौधरी के पूज्य पिताश्री तथा समर्थ,अर्थव के आदरणीय श्रद्धेय दादाजी प्रभु चरणों में लीन हुए ओमप्रकाश चौधरी जी के निधन पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजयसिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री हनी बगेल इन्दौर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे राजू भदौरिया ओम सिलावट सदाशिव यादव संतोष सेठ हेमंत चौहान सेवादल के चंद्रशेखर पटेल पवन पटवारी वसिम वसीउद्दीन काजी इंदर सिंह आंजना सुभाष सेठ रमेश नेता जी रीना बौरासी वसूली पटेल अमर दा शेखर चौधरी कमल पहलवान सरपंच विजय बंटी राठौर एवं

अन्य गणमान्य जनों ने उनके निवास स्थान पहुँचकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया एवं दिग्विजयसिंह जी ने श्रद्धांजलि के दौरान मोन रखतें हुए प्राथना की ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवारजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

एन.सी.सी ग्रुप हेड क्वार्टर्स में एडवोकेट तनुज दीक्षित आई.सी.सी सदस्य बनें

इंदौर, नप्र। राष्ट्रिय कैडेट कोर (एन.सी.सी) समूह मुख्यालय, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ द्वारा सुप्रिम कोर्ट के अधिवक्ता तनुज दीक्षित को इंटरनल कंप्लेंट्स कमिटी (आई.सीऌ.सी) का सदस्य नियुक्त3 किया गया है! यह महिलाओं के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण एवं लैंगिक उत्पीड़न के परिवादों के निवारण तथा प्रतितोषण और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों से सम्बन्धित समस्त शिकायऌतों को एडवोकेट तनुज दीक्षित इन्वेस्टिगेट करेंगे, एन.सी.सी ग्रुप हेड क्वार्टर्स म.प्र. एवं छ.ग. के डिप्टी ग्रुप कमांडर कर्नल गौरव दीक्षित ने बताया की तनुज दीक्षित, प्रऌथम अधिवक्ता है जिन्हें समूह मुख्यालय में एन.सी.सी की आंतरिक शिकायत समिति में स्वतंत्र सदस्य के रुप में तीसरी बार नियुक्त किया गया है, इस समय एनसीसी समूह मुख्यालय में 10 बटालियन मौजूद है! डिप्टी ग्रुप कमांडर कर्नल गौरव दीक्षित ने अधिवक्ता तनुज दीक्षित के नए दायित्व को सौंपते हुए उज्जवल भविऌष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करी है! इस अवसर पर ट्रेनिंग ऑफिसर कर्नल आनंद भी मौजूद रहें।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

टेंडर नोटिस संख्या - EL81-1-25-26-01, दिनांक : 12.05.2025

कार्य का नाम : दाहोद में सीलिंग फैन, एग्जॉस्ट फैन, पेडेस्टल फैन और एयर सर्कुलेटर्स की सर्विसिंग, ओवरहालिंग, मरम्मत, रीवाइंडिंग और परीक्षण के लिए 3 साल का रखरखाव अनुबंध, **पता :** सहायक परियोजना प्रबन्धक (बिजली), सी साइट, फ्रीलैं डगंज, दाहोद-389160 (गुजरात), **कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1025400/-, बयाना राशि: ₹ 20,500/-, ई-टेंडर जमा करने व खुलने की तिथि व समय :** Submission Up to 15.00 Hrs on 11-06-2025 and the tenders will be opened at 15.30 Hrs on the same day. The Tender Notice and documents uploaded on the website www.ireps.gov.in/E-Tenders/Works/IR Electrical by this office.

मंडल रेल प्रबंधक (बिजली/पॉवर)
पश्चिम रेलवे, रतलाम

ADM/7/1/44

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

बिजली विभाग (पॉवर)
ई-निविदा सूचना

संख्या : EL-2025-26-06, दिनांक : 10.05.2025

मंडल रेल प्रबंधक (बिजली/पॉवर शाखा) पश्चिम रेलवे रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ''खुली निविदा'' ई-निविदा के माध्यम से वेब-साईट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है:

ई टेंडरिंग संख्या : EL-2025-26-06, **कार्य का नाम :** Ratlam Division - Augmentation of electric asset on condition basis for enhancing safety and reliability, **अनुमानित लागत : ₹ 18764450.31, बयाना राशि: ₹ 243800.00, कार्य की समापन अवधि :** 09 month, **समकक्ष कार्य** (Similar Type of Work) : Definition of similar nature of work: Repair / Overhauling / Supply, installation, testing & commissioning (SITC) of HT / LT transformer / HT / LT Switchgear, HT/LT cables / HT/ LT cables / HT / LT panels, 33/11 KV substations, **वेब-साईट पर अपलोड करने की तिथि : 09.05.2025, निविदा खुलने की तिथि : 03.06.2025.** विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य शर्ते वेब-साईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मंडल रेल प्रबंधक (बिजली/पॉवर)
पश्चिम रेलवे, रतलाम

ADM/7/1/43

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – दाहोद

निविदा सूचना : M247GLRSBAPANEL252608
दिनांक : 08.05.2025

कार्य का नाम : इलैक्टिक लोको के BA Panel Sets का रिहैबिलिटेशन एवं अपग्रेडेशन/ मोडीफिकेशन, **स्थान :** मु.का.प्र./ दाहोद प. रेलवे कार्यालय, **कार्य की अनुमानित लागतः ₹ 14,31,55,215/-, बयाना राशि : ₹ 8,65,800/-, ई-निविदा जमा करने तथा खुलने की दिनांक तथा समय :** ई-निविदा जमा करने की नियत दिनांक तथा समय **30.05.2025** को **14.30 बजे** तक तथा ई-निविदा उसी दिन **15.00 बजे** खोली जायेगी, **निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता :** www.ireps.gov.in /E-Tenders / Works/ IR Electrical.

वरिष्ठ बिजली इंजीनियर (कार्य)
ADM/17/1/41 पश्चिम रेलवे, दाहोद

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा क्र.: WCR/ CRWS/TOILET-UPG-25-09

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नामः** अपग्रेडेसन ऑफ टाइलेट ऑफ एलएचबी कोचेस एट सीआरडबल्यूएस, भोपाल, **कार्य की लागतः** ₹ 13,30,84,770.00, **निविदा फार्म का मूल्यः** ₹ 0.00, **धरोहर राशिः** ₹ 8,15,500.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 12 माह, **ऑन लाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समयः** 23.05.2025/ 06.06.2025 को 16.00 बजे तक, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समयः** 06.06.2025 को 16:30 बजे। **नोटः**-निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वैबसाइट www.ireps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका/ भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है। (हस्ता.)

मुख्य कारखाना प्रबंधक
सडिपुका, निशातपुरा, प.म.रे., भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, उज्जैन संभाग-उज्जैन
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्रं.-02/एन.एच.एम./उ.सं./2025-26/200 **भोपाल, दिनांक : 14/05/2025**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-उज्जैन की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से www.mptenders.gov.in (Department of Directorate of Health Services) 3 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एसओआर 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर. 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-निविदा अल्प आमंत्रण सूचना क्रमांक-02/2025-26 (प्रथम आमंत्रण)

सरल क्रमांक	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	संस्था की संख्या	अनुमानित लागत राशि रू. लाख में
1	2025_DHS_423206	आगर मालवा	आगर	1	121.18
2	2025_DHS_423207	देवास एवं शाजापुर	सोनकच्छ, टोंकखुर्द एवं शाजापुर	3	127.11
3	2025_DHS_423208	आगर मालवा, रतलाम एवं उज्जैन	सुसनेर, रतलाम एवं महिदपुर	3	127.11

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट (https://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दिनांक 16.05.2025 प्रात: 10.30 से दिनांक 30.05.2025 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट (http://www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5. उपरोक्त निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग-उज्जैन

जी-12925/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

पश्चिम रेलवे
अहमदाबाद मंडल

विविध इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या CPM-GS-ADI-GIMII-25-26-02 उप मुख्य अभियंता (गति शक्ति), पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **1) कार्य का नाम और उसका स्थान: ई निविदा संख्या CPM-GS-ADI-GIMII-25-26-02** प्रोफ्लेक्स प्रणाली के साथ और उसके बिना कवरिंग शेड की आपूर्ति, कवर शेड का प्रतिस्थापन, मौजूदा एमजी शेड को हटाना, पैनल रूम, ड्यूटी रूम, हार्डन फ्लोरिंग के साथ सड़क, स्क्रैप यार्ड, रेल लेवल प्लेटफॉर्म, सीटीआरबी रूम का शटर, खुली नाली, ड्रेनेज सिस्टम के साथ शॉवर परीक्षण प्रणाली, सम्प आदि और छोटे पी.डब्ल्यू. कार्य जैसे ट्रैक लिफ्टिंग, पॉइंट और क्रॉसिंग की शिफ्टिंग, पॉइंट और क्रॉसिंग का प्रावधान, ट्रैक सुदृढ़ीकरण, गिट्टी की आपूर्ति और पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के गांधीधाम यार्ड (चरण-II) में माल रखरखाव के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास के संबंध में गांधीधाम यार्ड में आवश्यकतानुसार संबंधित आकस्मिक कार्य **(2) कार्य की लागत:** ₹44,04,01,354.88 **(3) जमा की जाने वाली बयाना राशि:** ₹23,52,000 **(4) निविदा फॉर्म शुल्क:** शून्य **(5) कार्य की समाप्ति अवधि:** मानसून सहित 18 (अठारह) महीने। **(6) ई-निविदा की समाप्ति तिथि और समय:** दिनांक: 12.06.2025 समय: 15:00 बजे **(7) वेबसाइट विवरण नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता वेबसाइट:** www.ireps.gov.in **मुख्य परियोजना प्रबंधक / गति शक्ति का कार्यालय:** "ए" विंग, चतुर्थ तल, निर्माण भवन, डीआरएम कार्यालय के पास, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद-382345 040

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

VASTU HOUSING FINANCE

वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
यूनिट 203 और 204, द्वितीय तल, 'ए' विंग, नवभारत एस्टेट, ज़कारिया बंदर रोड, सेवरी (पश्चिम), मुंबई 400015. महाराष्ट्र, सीआईएन संख्या : U65922MH2005PLC272501

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधान के साथ पठित।

इसके द्वारा आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी/सह-ऋणी/बंधककर्ता (बंधककर्ताओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां, जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, उन्हें आगे वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के रूप में संदर्भित किया जाएगा। सुरक्षित संपत्तियों को ई-नीलामी के माध्यम से 'जहां है, जैसा है' और 'जो कुछ भी है' के आधार पर बेचा जाएगा।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net के माध्यम से सार्वजनिक ई-नीलामी आयोजित करने जा रहे हैं।

एस. एन.	उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता, बंधककर्ता का खाता संख्या और नाम	धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस के अनुसार तिथि और राशि और भौतिक कब्जे की तिथि	संपत्ति/संपत्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य, बयाना राशि (रुपये में)	ई-नीलामी तिथि और समय, ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि, निरीक्षण तिथि
1	LP000000119560 संजय सोनी (उधारकर्ता), बबली सोनी (सह-उधारकर्ता)	मांग नोटिस दिनांक 20/07/2024 और राशि रु. + 3674103 15/07/2024 ब्याज लागत आदि और 07/03/2025	गांव धनखेड़ी में खसरा संख्या 324/7/2 के भाग पर स्थित मकान, पी.एच. संख्या 3/29, आर.एन.एम. 01, तहसील सीहोर जिला सीहोर मध्य प्रदेश 466001, संपत्ति का क्षेत्रफल : 1400 वर्ग फीट।	रु.3300000/- रु.330000/-	31/05/2025 समय सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक, 30/05/2025 शाम 5.00 बजे तक, 24/05/2025

1. सभी इच्छुक प्रतिभागियों/बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर जाएँ। ई-नीलामी पर विवरण, सहायता, प्रक्रिया और ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए, संभावित बोलीदाता मेसर्स ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ऑक्शनटाइगर) से संपर्क कर सकते हैं; पता : मुख्य कार्यालय : बी-705, वॉल स्ट्रीट II, Opp. ओरिएंट क्लब, गुजरात कॉलेज के पास, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद - 380 006 गुजरात (भारत)। संपर्क व्यक्ति : श्री राम शर्मा संपर्क नंबर : 8000023297/9265562818/9265562821/079-6813 6842/6869 । ईमेल आईडी : ramprasad@auctiontiger.net, support@auctiontiger.net
2. नियमों और शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया ई-नीलामी में भाग लेने के लिए https://sarfaesi.auctiontiger.net पर जाएं।
3. संपत्ति के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया अधिकृत अधिकारी प्रशांत तिवारी, संपर्क नंबर से संपर्क करें। 9713366413

यह सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत एक वैधानिक 15 दिन का बिक्री नोटिस भी है

दिनांक : 17.05.2025
स्थान : सीहोर

प्राधिकृत अधिकारी,
वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल
श्यामला हिल्स. भोपाल (म.प्र.)-462002
ई-मेल : eephedqcbpl@mp.gov.in, दूरभाष क्रमांक - 0755-2661511

क्रमांक : 05/तक/का.यं./लो.स्वा.यां.वि./गु.नि.इ.खंड/2025-26 **भोपाल, दिनांक : 13.05.2025**

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

ऑनलाइन डिजीटली सील्ड निविदा मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से फार्म 'सी' पर आई.एस.आई. मार्क UPVC केशिंग पाईप ट्यूबवेल के लिए आईएस 12818:2010 प्रदाय करने का कार्य निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 13.05.2025 से दिनांक 27.05.2025 को 16.00 बजे तक क्रय किये जाकर दिनांक 26.05.2025 को 16.00 बजे तक निविदा प्रस्तुत करना है। लिफाफा 'ए' दिनांक 28.05.2025 को 16.00 बजे खोली जावेगी। वेबसाईट www.mptenders.gov.in (E-Tender No. 2025_PHED_422924_1, PHED Date 13.05.2025)

क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1.	आई.एस.आई. मार्क UPVC केशिंग टाईप ट्यूबवेल के लिए आईएस 12818:2020 प्रदाय करने का कार्य।	-	रू. 25000.00 (रू. पच्चीस हजार मात्र)	रू. 20000.00 (रू. दो हजार मात्र)	-

✓ **विस्तृत शर्तें कार्यालयीन समय में देखी जा सकती हैं।**
✓ **मुख्य तिथियां**
- **क्रय करने की तिथि** : 13.05.2025 से 27.05.2025 बजे 16.00 तक
- **जमा करने की अंतिम तिथि** : 27.05.2025 बजे 16.00 तक
- **बोली पूर्व बैठक तिथि** : 16.05.2025, 16.00 बजे
- **लिफाफा 'ए' खुलने की तिथि** : 28.05.2025, 16.00 बजे तक

आशीष मार्तण्ड
कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड, भोपाल

जी-12909/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

सम्पादकीय

टेस्ट मैच में नहीं दिखेंगे कोहली

क्रिकेटर विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना न केवल क्रिकेट प्रेमियों को बल्कि तमाम खेल के दीवानों को अखर गया। क्रिकेट के सबसे शुद्ध' और असल' प्रारूप टेस्ट मैच में अब देश के सबसे काबिल क्रिकेटर कोहली नहीं दिखेंगे। इस खेल में किंग का दर्जा पाए कोहली का आभामंडल निश्चित रूप से विराट है। और इस बात की सत्यता आंकड़ों से स्पष्ट होती है। 123 टेस्ट मैच कोहली ने खेले। इसमें 40 में उन्होंने भारत को जीत दिलाई, लगातार नौ टेस्ट श्रृंखला जीतने का कीर्तिमान कायम किया। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में छह दोहरे शतक, बीस शतक और नाबाद 254 रन का रिकार्ड दर्ज है। स्वाभाविक है, ऐसे रिकार्ड और ऐसा रिकार्ड बनाने वाला अलग मिट्टी का बना होगा।कह सकते हैं कि भारतीय क्रिकेट के एक गौरवशाली अध्याय का समापन हो गया। ऐसा नहीं है कि उनकी खेल की जिंदगी में उतार-चढ़ाव नहीं आए। तमाम उठापटक, प्रदर्शन में गिरावट और साथी क्रिकेटर और कोच से तनातनी ने उनके करियर को नीचे गिराया, मगर हर बार वो उठ खड़े हुए। हार न मानने की उनकी फितरत ने उन्हें न केवल क्रिकेट वरन खेल की दुनिया का अनमोल शख्स बनाया। जीवटता और हर हाल में जीतने का जज्बा इस खिलाड़ी को बाकियों से बिल्कुल अलग ठहराता है। बल्लेबाजी की उम्दा तकनीक, और कौशल का तो हर कोई कायल है। कह सकते हैं कि जेंटलमैन गेम' को कोहली जैसे खिलाडियों ने इज्जत बख्शी। उनका टेस्ट क्रिकेट से बल्ला टांगना निश्चित तौर पर तकलीफदेह है। अगर वो अगले महीने इंग्लैंड दौरे में अपना रंग दिखाते तो बात ही कुछ और होती। बहरहाल, उनके और दो-तीन दिन पहले रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से भारतीय ड्रेसिंग रूम में फीकापन आएगा। साथ ही चयकर्ताओं के लिए भी आने वाले समय में मौजूदा खिलाडियों के बीच से सक्षम और प्रतिभाशाली खिलाड़ी को चुनने की चुनौती होगी। हालांकि अच्छी बात यह है कि बेंच स्ट्रेंथ के मामले में टीम इंडिया काफी समृद्ध है। अच्छे खिलाडियों से भारतीय खेमा सुसज्जित है। फिलहाल तो इसी बात से संतोष करना पड़ेगा कि कोहली के सदाबहार और हैरतअंगेज शाट्स क्रिकेटप्रेमी एकदिवसीय मैचों में देख सकेंगे।चूंकि टी-20 प्रारूप से उन्होंने पहले ही संन्यास ले रखा है तो अब हम और आप उन्हें 50 ओवरों वाले मैचों में ही देखने का सुख संजो सकेंगे।

दैनिक विनय उजाला सुविचार

जिंदगी में न तो किसी से कंपीटिशन करें,
न किसी के साथ रेस में होड़ लगाए बेहतर होगा,
अपनी मंजिल खुद तय कर उसी अनुरूप दौड़ भी स्वयं तय करें,
ताकि कोई व्यवधान आने की संभावना ही नहीं बचे।
- डॉ. बनवारीलाल जाजोदिया 'यथार्थ'

जिंदगी मुश्किल हो सकती है,
बुरी नहीं खुशी से जियें।
- डॉ. विनय दीवान, भोपाल

व्यक्ति की सबसे बड़ी पराजय उस समय हो जाती है,
जब वह स्वयं सही होकर भी,
गलत लोगों के आगे सर झुका लेता है।
- राजेन्द्र मकवानी

आज का इतिहास... 17 मई

विश्व दूरसंचार दिवस

17 मई को विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हर साल 17 मई को मनाया जाता है, जो अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की स्थापना की वर्षगांठ है, यह दिवस पहली अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन पर हस्ताक्षर के दिन की भी याद दिलाता है, जो 1865 में पेरिस में हुआ था। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य दूरसंचार और सूचना समाज के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने के लिये काम करना है। यह दिवस विभिन्न देशों में दूरसंचार और सूचना समाज के विकास में योगदान देने के लिये अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भी बढ़ावा देता है।

शिवानी गुप्ता, अलीराजपुर

दैनिक विनय उजाला

इंदौर एवं उज्जैन संभाग में आने वाले स्थानीय निकायों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर(विनय उजाला)। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने इंदौर में शुक्रवार को उज्जैन और इंदौर संभाग के अंतर्गत आने वाले नगर निगम, नगरपालिका एवं नगर परिषदों के विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अमृत-2.0, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के क्रियान्वयन की समीक्षा की गयी। बैठक में कायाकल्प, मुख्यमंत्री नगरीय अधोसंरचना निर्माण योजना, मुख्यमंत्री विकास योजना, चतुर्थ चरण के अंतर्गत हो रहे कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गयी। बैठक में आयुक्त श्री भोंडवे ने निकायों के अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाने के लिये राजस्व आय बढ़ाने के लिये भी प्रयास हों।

की क्रांति हुई तो वह अंग्रेजों की सेना छोड़कर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की तरफ से जंगे-आज़ादी के लिए लड़े। उनके दादा मुहम्मद हुसैन भी भारतीय सेना में थे। उनके पिता ताज मुहम्मद कुरैशी भारतीय सेना में इलेक्ट्रॉनिक एंड मैकेनिकल इंजिनियर्स कोर में कार्यरत थे और पाकिस्तान के विरुद्ध 19।1 के युद्ध में शामिल हुए थे।

विजय शाह के खिलाफ बीजेपी ही कार्रवाई करे

नरेंद्र शर्मा

दैनिक विनय उजाला

ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मई 2025 को राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में अन्य बातों के अतिरिक्त पहलगाम के बाद हासिल हुई राष्ट्रीय एकता पर विशेषरूप से बल दिया, जोकि शांति के लिए अति आवश्यक है। लेकिन अपने देश में ही कुछ तत्व ऐसे हैं जो प्रधानमंत्री की भी बात सुनने व मानने के लिए तैयार नहीं हैं बल्कि शांति व राष्ट्रीय एकता के लिए समस्याएं उत्पन्न करते रहते हैं। ये असामाजिक तत्व कभी हिमांशी नरवाल, जिनके फौजी पति की आतंकियों ने पहलगाम में नाम व धर्म मालूम करके हत्या कर दी थी, को सोशल मिडिया पर ज़बरदस्त ट्रोल करते हैं क्योंकि उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद भी साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने की वकालत की थी और कभी हैदराबाद में कराची बेकरी पर तोड़फ़ोड़ करते हैं, यह जाने बगैर कि यह किसी पाकिस्तानी की बेकरी नहीं है बल्कि उस भारतीय की बेकरी है जिसे देश विभाजन के कारण कराची से विस्थापित होकर हैदराबाद में बसना पड़ा। यही नहीं, सीज़फायर का फैसला भारत सरकार का था, जिसकी घोषणा विदेश सचिव होने के कारण विक्रम मिस्री को तो करनी ही थी, लेकिन यह असामाजिक तत्व मिस्री व उनके परिवार, विशेषकर उनकी बेटियों की ही ट्रोलिंग करने लगे। बहरहाल इससे भी अधिक चिंताजनक व ग़ैर-ज़िम्मेदारान हरकत रही मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की, जिसे किसी भी सूरत में न उचित ठहराया जा सकता है और न ही उसका बचाव किया जा सकता है। एक संवैधानिक पद पर आसीन होने के नाते उनकी ज़िम्मेदारी अधिक बनती है, लेकिन उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मंच से बोलते हुए कर्नल सोफ़िया कुरैशी का नाम लिए बिना उन्हें 'आतंकियों की बहन' बताया। विजय शाह का यह बयान न सिर्फ़ सांप्रदायिक है बल्कि भारतीय सेना, जिसपर हर भारतीय गर्व करता है, का घोर अपमान है। कर्नल सोफ़िया डेकोरेटिड ऑफिसर (साहसिक कार्यों के लिए सम्मानित) हैं, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने के लिए विंग कमांडर व्योमिका सिंह व विदेश सचिव विक्रम सिंह के साथ उनका चयन किया गया था। कर्नल सोफिया एक ऐसे परिवार से आती है जिसका देश सेवा के संदर्भ में लम्बा इतिहास है। उनके परदादा मुहम्मद गौस अँगरेज़ सेना में बड़े अधिकारी थे, लेकिन जब 185।की क्रांति हुई तो वह अंग्रेजों की सेना छोड़कर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की तरफ से जंगे-आज़ादी के लिए लड़े। उनके दादा मुहम्मद हुसैन भी भारतीय सेना में थे। उनके पिता ताज मुहम्मद कुरैशी भारतीय सेना में इलेक्ट्रॉनिक एंड मैकेनिकल इंजिनियर्स कोर में कार्यरत थे और पाकिस्तान के विरुद्ध 19।1 के युद्ध में शामिल हुए थे। उनके दो चाचा बीएसएफ में सेवा प्रदान कर रहे हैं। कर्नल सोफ़िया के पति कर्नल ताजुद्दीन भी भारतीय सेना में हैं और फ़िलहाल झांसी में पोस्टिड हैं। कर्नल सोफ़िया के दोनों बच्चे - बेटा समीर व बेटी हलीमा - ने भारतीय वायु सेना में पायलट बनने के लिए परीक्षा दी है।

भारत की ऐसी सम्मानित बेटी, जिसपर देश को नाज़ है, के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का सख्त संज्ञान मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर बेंच ने स्वतः ही लेते हुए विजय शाह के विरुद्ध चार घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। शाह की अपमानजनक टिप्पणी को 'खतरनाक' व 'ज़हर उगलने' वाली बताते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि 'किसी भी मुस्लिम पर अलगाववादी भावनाएं रखने का आरोप लगाकर' शाह की सार्वजनिक टिप्पणी 'अलगाववादी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही हैं'। अदालत ने शाह के अपराधों को 'प्रथम दृष्टया' लिस्ट किये। फलस्वरूप, हाई कोर्ट की डेडलाइन के छह घंटे बाद दर्ज की गई एफआईआर में बीएनएस की धारा 152 (भारत की सम्प्रभुता, एकता व अखंडता को खतरा उत्पन्न करना) भी शामिल है, जिसे 'राजद्रोह' का प्रावधान समझा जाता है, और इसके अतिरिक्त सार्वजनिक शांति को भंग करना, सामाजिक समरसता के विरुद्ध कार्य करना और दुश्मनी व नफ़रत की भावनाएं उत्पन्न करना संबंधी धाराएं भी लगी हैं। इन सभी धाराओं में कम से कम तीन वर्ष की कैद का प्रावधान है। अगर विजय शाह दोषी पाये जाते हैं तो स्वत: ही विधान सभा की उनकी सदस्यता समाप्त हो जायेगी। लेकिन इसके बावजूद हाई कोर्ट ने चिंता के साथ नोट किया कि एफआईआर 'अस्पष्ट' है, इसमें शाह की टिप्पणी का कोई संदर्भ ही नहीं है, जिससे यह केस पहली फुर्सत में ही ख़ारिज हो जाता। इसलिए हाई कोर्ट ने दूसरी एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए और यह भी कहा कि वह इस मामले को स्वयं मॉनिटर करेगा।

यह अकारण न था कि एफआईआर न सिर्फ़ कमज़ोर दर्ज की गई बल्कि देर से भी दर्ज की गई। ऐसा प्रतीत होता है कि यह सब विजय शाह को बचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किया गया ताकि वह सुप्रीम कोर्ट जाकर अपने खिलाफ मामले को ख़ारिज करा सकें। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई व न्यायाधीश एजी मसीह ने विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा कि क्या इस प्रकार की टिप्पणी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए शोभनीय है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जब देश एक स्थिति से गुज़र रहा है तो उन्हें अपने शब्दों को लेकर सतर्क रहना चाहिए। संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों से एक निश्चित स्टैण्डर्ड की उम्मीद की जाती है और यह भी कि वह अपने सार्वजनिक भाषणों में संयम से काम लें।

इस सिलसिले में सुप्रीम कोर्ट आगे जो भी निर्णय ले, लेकिन जबलपुर बेंच की शाह की टिप्पणी पर कार्यवाही स्वागतयोग्य है। गौरतलब है कि मंत्री की देर से हंसते हुए मांगी गई माफ़ी इस लिहाज़ से बद से भी बदतर थी कि उन्होंने कर्नल को 'मेरी बहन' कहा। समय आ गया है कि देसी खद्दरधारी इस बात को अच्छी तरह से समझ लें कि भारत की सभी महिलाएं उनकी रिश्तेदार नहीं हैं - महिलाओं की व्यक्तिगत हैसियत है, वह नागरिक हैं। अभद्र टिप्पणी करने के बाद सैन्य अधिकारी को 'बहन' कहना अतिरिक्त अपमानजनक है, विशेषकर ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसका महिलाओं के बारे में अनुचित टिप्पणी करने का इतिहास है। विजय शाह ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी, जिसकी वजह से उन्हें 2013 में राज्य काबिना से निकाल दिया गया था। शाह ने मध्य प्रदेश में एक फिल्म की शूटिंग को इसलिए रुकवा दिया था क्योंकि फिल्म की हीरोइन विद्या बालन ने उनके साथ डिनर करने से इंकार कर दिया था। एक कार्यक्रम में पुरस्कार वितरित करते हुए शाह ने एक छात्रा पर भी अभद्र टिप्पणी की थी। मोदी से पहले के सभी प्रधानमंत्रियों को शाह ने 'गधा' आदि कहा था। शाह की बदज़ुबानी का सिलसिला लम्बा है, लेकिन अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में इस आठ बार के विधायक के प्रभाव को मद्देनज़र रखते हुए बीजेपी इनकी हरकतों को बर्दाश्त करती है व बार बार मंत्रिमंडल में भी शामिल कर लेती है, बावजूद इसके कि उनके खिलाफ 12 साल से पार्टी की अनुशासनात्मक कार्यवाही लम्बित है। लेकिन इस बार शाह ने लाल रेखा पार की है और बीजेपी को चाहिए कि उन्हें सज़ा देकर उदाहरण स्थापित करे। पहलगाम के बाद सिविल सोसाइटी व भारत के राजनीतिक वर्ग ने सराहनीय एकता का परिचय दिया है। उनका सामूहिक गुस्सा व सेना के लिए सामूहिक समर्थन घायल राष्ट्र के लिए मरहम रहा है। इस क़िस्म की एकता विजय शाह जैसे लोगों के लिए सबक है, जो भारत के सामाजिक ताने-बाने को तार तार करना चाहते हैं। सभी सांप्रदायिक विवादों के बीज नेता ही बोते हैं। इस क़िस्म की विभाजक व सांप्रदायिक सियासत पर पार्टी मिसाली कार्यवाही से विराम लगाये।

[लेखक वरिष्ठ पत्रकार है]

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर अहिंसास अमरावती, शाखा इंदौर की 91वीं आन लाइन ऑडियो काव्य गोष्ठी सम्पन्न

विनय उजाला

अहिसास इंदौर शाखा की 91वीं ऑनलाइन काव्य गोष्ठी डॉ. पुष्पा सिंह आसाम की प्रसिद्ध अंतराष्ट्रीय साहित्यकार के मुख्य आतिथ्य एवम डॉ बनवारीलाल जाजोदिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

सर्व प्रथम सरस्वती वंदना का पाठ किया गया। डॉ जाजोदिया ने मुख्य अथिति का स्वागत किया, मुख्य अतिथि का परिचय श्री सुनील वर्मा मुसाफ़िर ने दिया। सम्मान पत्र का वाचन श्री अशोक द्विवेदी ने किया। इसके पश्चात काव्य गोष्टि शूरू की गई। काव्य गोष्ठी में 30 से अधिक कवियों एवम कवयित्रीयों ने अपनी अपनी रचनाओं का पाठन किया। मुख्य अतिथि महोदया डॉ पुष्पा सिंह ने शब्द शब्द वर्ण वर्ण में मां जीवित हो उठेगी और शंकराचार्य के द्वारा रचित सौंदर्य लहरी के एक पद के माध्यम से सैन्य शक्ति का सम्मान किया और उन्होंने सिंदूर के महत्व को भी अपने उद्बोधन में बताया उनका उद्बोधन अत्यंत सारगर्भित था। इसके पश्चात श्रीमती शोभा रानी तिवारी ने माँ तुम धरती हो आकाश हो मेरे जीवन का मधुमास हो नामक सुंदर रचना प्रस्तुत की श्रीमती मीना अग्रवाल ने झंडा ऊंचा रहे हमारा विजयी विश्व तिरंगा प्यारा नमक गीत का सुंदर वचन कियाश्री शेषनारायण चौहान ने जिस माटी में जन्म लिया है जिस माटी में ली है सांसे नामक कविता का मधुर वाचन किया श्री राजकुमार हांडा जी ने मां पर अति उत्तम रचना पेश की श्री शुभ कुमार बरनवाल जी ने वंदे मां तुझे सलाम-मां भारती मातृभूमि भारत कोटि-कोटि प्रणाम एक विस्तृत कविता प्रस्तुत की श्री राज गोस्वामी दतिया ने एक गीत- अपनी जान तिरंगा रे राष्ट्र का नाम तिरंगा रे अति सुंदर गीत प्रस्तुत किया।

डॉ. रामस्वरूप साहू मुंबई ने मां तो बस मां होती है मां की महिमा अपरंपार के माध्यम से एक विस्तृत रचना प्रस्तुत की। श्री रशीद अहमद शेख ने एक देशभक्ति का गीत -मानवतावादी पशुओं का देता नित्य जग को संदेश सुंदर गीत प्रस्तुत किया डॉक्टर मनोहर गोरे ने लंदन से उन्होंने

ऑपरेशन सिंदूर शीर्षक की अत्यंत उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत की सुश्री सोनम शर्मा सीकर राजस्थान ने भारत माता आन हमारी भारत माता शान हमारी रचना पेश की, डॉक्टर शिरोमणि माथुर जी ने मैं मां पर कविता लाई हूं मुझको जरा सिखा देना मन से छोटा शब्द नहीं मन से बड़ा बता देना अति सुंदर और उत्कृष्ट रचना पेश की । श्री महेंद्र कुमार शर्मा गजल सम्राट ने एक गजल के माध्यम से मां को उकेरा उन्होंने एक शेर कहा सबके मन में उसका मन था मन में कितना अपनापन था के माध्यम से माँ को समर्पित किया श्री दिनेंद्र दास जी ने भारत मां सैनिक शीर्षक से सेना के सम्मान में अत्यंत सुंदर कविता पेश की श्री जयप्रकाश जी अग्रवाल नेपाल ने भगवान की इबादत से पहले मां तुझे सलाम सुंदर रचना प्रस्तुत की डॉक्टर बरखा बंसल भरतपुर ने महासंग्राम शीर्षक से उत्कृष्ट रचना पेश की। डॉक्टर बनवारी लाल जाजोदिया जी ने ऑपरेशन सिंदूर पर तुम ना समझो के नापाक शीर्षक से उत्कृष्ट रचना पेश की श्री अशोक गर्ग जी ने सिंदूर मिटाया था तुमने सिंदूर ने तुम्हें मिटाया है नमक शानदार रचना पेश की डॉक्टर विजय लक्ष्मी अनु आगरा ने भारत माता शीर्षक की एक अत्यंत सारगर्भित रचना प्रस्तुत की।

पंडित पूरन चंद्र शर्मा दतिया ने एक गीत एक सिंदूर का बदला सिरों की माल से लेंगे प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉक्टर पुष्पा सिंह ने मां शब्दातीत है नमक उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत की।

डॉक्टर संजय कुमार मालवीय ने मांग का सिंदूर नामक शीर्षक से सुंदर रचना प्रस्तुत कीश्री अशोक द्विवेदी जी ने फन फैलाए महाकाल में उर की माला है रहो दिशाओं मौन यहां कुछ होने वाला सुंदर गीत प्रस्तुत किया। श्रीमती श्वेता शर्मा नोएडा ने मां के लिए लिखूं तो यह आसमान छोटा है शीर्षक से अत्यंत सुंदर रचना पेश की श्रीमती आशा जाखड़ ने पहलगाम की व्यथा को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया।

श्री राम बाबू सिंह ने मम्मी हमारे घर की शान उनके बिना जीवन वीरान है अति सुंदर मधुर गीत प्रस्तुत किया एडवोकेट निर्मल सिंहल जी ने ऑपरेशन सिंदूर शीर्षक से पहलगाम घटना का विवरण प्रस्तुत किया श्री अनिल वर्मा अलीगढ़ ने ओ मां ओ मां तू इतनी अच्छी है तू कितनी भोली है एक फिल्मी गीत का मधुर प्रस्तुतिकरण दिया श्री सुनील वर्मा मुसाफिर इंदौर ने एक गीत जिसके आंचल से आशीष है टपका करता जिसके मन में सदा भगवान है बस करता की प्रस्तुति दी आभार सुनील कुमार वर्मा मुसाफिर ने व्यक्त किया तथा अंत मे राष्ट्रगान के साथ काव्य गोष्टि का समापन हुआ।

प्रो,(डॉ.) पुष्पा सिंह,एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग,मार्गरिटा महाविद्यालय, असम,मुख्य अथिति

अहिल्या चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के मंच से मुख्यमंत्री का हुआ भव्य स्वागत

मंच से इंदौर के सर्वाधिक लोकप्रिय सांसद शंकर लालवानी में उपस्थित बड़ी संख्या में व्यापारियों का दिया आभार

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। भाजपा सांसद प्रतिनिधि डॉ, संतोष वाधवानी, इंदौर व्यापारी गगनदीप सिंह भाटिया ने बताया की बड़ी संख्या में व्यापारियों में तिरंगा यात्रा को लेकर उत्साह देखा गया वहीं कई व्यापारी मंदसौर से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय डॉ, मोहन यादव जी का स्वागत कर पुष्प वर्षा व लहराते हुए तिरंगे से भारत माता की जय के उद्घोधो के साथ बड़ी संख्या में मात्र शक्तियों भी उपस्थित रही।

भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के नगर संयोजक धीरज खंडेलवाल, चेंबर के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल, विशाल गिदवानी, इंदौर सोना चांदी जवाहरात एसोशिएशन के अध्यक्ष हुकम सोनी, बसंत सोनी, ईश्वर जैन (अजमेरा) लक्ष्मण करमचंदानी हेमा पंजवानी, अतुल नीमा, किशन अश्रपालीय, ऋषि सोलंकी, जगदीश फतेहचंदानी, पार्षद योगेश गेंदर आदि बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

किआ कैरेन्स क्लैविस लॉन्चः फैमिली कार में बोल्ड डिज़ाइन और हाईटेक कम्फर्ट का मेल

नई दिल्ली। किआ इंडिया, एक अग्रणी मास-प्रीमियम कार निर्माता कंपनी, ने अपने कैरेन्स पोर्टफोलियो में एक नया मॉडल कैरेन्स क्लैविस लॉन्च किया है। यह एक बड़ी, बोल्ड और बेहद स्पेशियस 3-रो कार है, जिसे आज के समय के आधुनिक और बड़े भारतीय परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कैरेन्स क्लैविस एमपीवी और एसयूवी के बीच की दूरी को कम करती है और इसमें आराम, जगह और बोल्ड डिजाइन को आधुनिक तकनीक, सुरक्षा और भविष्यवादी लुक के साथ खूबसूरती से जोड़ा गया है। 'क्लैविस' नाम लैटिन शब्द क्लैविस औरिया से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'गोल्डन की'। यह नाम यादगार पारिवारिक रोमांच और हमेशा सहेज कर रखने वाली यादों का प्रतीक है। कैरेन्स क्लैविस के ज़रिए किआ एक ऐसी कार पेश कर रहा है जो नई पीढ़ी के परिवारों की आकांक्षाओं को दर्शाती है — जिसमें सूझबूझ से लिया गया डिज़ाइन, सोच-समझ कर दी गई खूबियाँ और वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक शामिल हैं।

तीन दिवसीय पद्मश्री फड़के संगीत आज से, भोज शोध संस्थान की अनवरत 10वीं प्रस्तुति

विनय उजाला

धार, निप्र। संगीत संस्कृति का मुखर स्वर है। संगीत व्यक्ति, वाद्य, सुर ताल लय ही नहीं स्थान व क्षेत्र की भी पहचान होता है। शिल्पकला व संगीत के मूर्धन्य कलाकार रघुनाथराव कृष्णराव फड़के जी की पुण्यतिथि 17 मई 2025 को उनके कला अवदान को समर्पित 10 वे पद्मश्री फड़के संगीत समारोह का शुभारंभ आज स्थानीय विक्रम ज्ञान मन्दिर लाल बाग परिसर में होगा। समय शाम ठीक 07.05 से 09.05 बजे तक नियत समय पर ही होगा। गायन, वादन व नृत्य को समर्पित यह आयोजन नवोदित व स्थापित कलाकारों का अनूठा साझा मंच है। पद्मश्री फड़के संगीत समारोह देश का अग्रणी जनसहयोग से संचालित होने वाला संगीत समारोह है। प्रथम दिन गायन विधा को समर्पित है। नवोदित कलाकार में शिवम मालवीय का गायन होगा। मुख्य कलाकार में मुंबई से पधारी कनकश्री भट्ट का गायन विशेष आकर्षण होगा।

आयोजन समिति के सदस्यगण वरिष्ठ संगीतज्ञ श्री लक्ष्मीकांत जोशी, दीपक खलतकर, वृषाली देशमुख, डॉ देशराज वशिष्ट, जगदीश बोरियाला, समाजसेवी जयंत जोशी, उदय वडनेरकर, प्रदीप जोशी, हरिहरदत्त शुक्ल, राकेश राजपुरोहित, प्रकाश फाटक, अतुल कालभंवर, पराग भोसले, सुरेश राजपुरोहित, रामकिशोर पांडे, हर्षा रुनवाल, मीनाक्षी लहरे ने संगीत रसिकजनों से ससमय आने का अनुरोध किया है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

कला त्रिवेणी

आयोजन समिति संयोजक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने तीन दिन कलाकारों से अवगत करवाते हुए बताया कि 18 मई को प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सुश्री भाविनी कुमावत इंदौर कत्थक व नूपुर कला केंद्र धार की विविध समूह प्रस्तुतियां होगी। समापन दिवस का विशेष आकर्षण 10 वे पद्मश्री फड़के कला सम्मान से देश की पहली संतूर वादक विदुषी डॉ प्रो वर्षा अग्रवाल उज्जैन को विशिष्ट अलंकरण पद्मश्री कला सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। स्थानीय प्रस्तुति में राघव मोदी का बांसुरी वादन होगा। 17 से 19 मई 2025 के तीन दिवसीय आयोजन आमजन के लिए भी है। सभी के लिए प्रवेश व पार्किंग नि:शुल्क है।

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख़ ख़ान कहते है, जीने के लिए दोस्त, जरूरी है फैंटेसी

विनय उजाला

इंदौर। सनफीस्ट डार्क फैंटेसी ने अपनी नई ब्रांड पहल 'फैंटेसी ज़रूरी है' की शुरुआत की है। इस अभियान के केंद्र में एक प्रेरणादायक हिंदी कविता है, जिसे एक फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह कविता फैंटेसी के कई पहलुओं को खूबसूरती से दर्शाती है, फैंटेसी क्या होती है, यह कहाँ बसती है, कैसे सामने आती है और हमारी ज़िंदगी में इसकी क्या अहमियत है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित गीतकार और पार्श्वगायक स्वानंद किरकिरे द्वारा लिखी गई और बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख़ ख़ान द्वारा सुनाई गई यह कविता श्रोताओं को रोजमर्रा की जिंदगी की एकरसता से निकालकर कल्पना की असीम दुनिया में ले जाती है, एक ऐसी यात्रा जो मन को रोमांचित भी करती है और सोचने पर मजबूर भी। अपने ब्रांड संदेश हर दिल की फैंटेसी के अनुरूप, सनफीस्ट डार्क फैंटेसी उन अनगिनत तरीकों का जश्न मनाता है, जिनके माध्यम से लोग कल्पना करते हैं, अपनी दुनिया से बाहर निकलते हैं और खुद को व्यक्त करते हैं, चाहे वह छोटे पलों में हो या बड़े मौकों पर। आईटीसी लिमिटेड के बिस्किट्स और केक क्लस्टर, फूड्स डिवीजन के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अली हैरिस शेर ने कहा, फैंटेसी गहरे तौर पर व्यक्तिगत होती है, फिर भी यह सार्वभौमिक रूप से प्रासंगिक है।

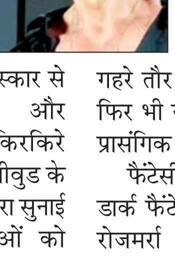

फैंटेसी ज़रूरी है के साथ, हम डार्क फैंटेसी में लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन से बाहर निकलने और उनकी ज़िंदगी में फैंटेसी के रूप में एक परिवर्तनकारी अनुभव को फिर से महसूस करने का निमंत्रण दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सरकार ने जारी की अधिसूचना
मानव तस्करी और डायन कुप्रथा के खिलाफ असम में नीति लागू

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में मानव तस्करी और डायन कुप्रथा पर रोक के लिए बनाया गई नीति शुक्रवार से लागू हो गई। सरकार ने शुक्रवार को इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी। इस कानून का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के सभी लोग हर प्रकार के दुर्व्यवहार से मुक्त होकर समान जीवन जी सकें। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर नीति के अधिसूचित होने की जानकारी दी। पोस्ट में लिखा गया कि मानव तस्करी से निपटने और डायन कुप्रथा को समाप्त करने के लिए असम राज्य नीति अब आधिकारिक रूप से अधिसूचित हो गई है। मानवाधिकारों की रक्षा और सम्मान को बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम। राज्यपाल ने एक आदेश द्वारा 6 मई को जारी अधिसूचना में कहा कि नीति आधिकारिक राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगी। नीति के अनुसार, इसका उद्देश्य एक ऐसा राज्य बनाना है, जहां सभी व्यक्ति समान जीवन जीकर अपनी पूरी क्षमता को प्राप्त कर सकें, सभी तरह के दुर्व्यवहार और शोषण से मुक्त हो सकें और निजी और सार्वजनिक जीवन में समान रूप से भाग ले सकें। नीति में कहा गया कि मानव तस्करी और डायन कुप्रथा दो ऐसे अपराध हैं जो महिलाओं और लड़कियों को प्रभावित करते हैं। जबकि मानव तस्करी एक संगठित अपराध है और इसे सबसे तेजी से बढ़ता आपराधिक उद्यम भी माना जाता है। वहीं डायन कुप्रथा एक सामाजिक अपराध है। इसमें कहा गया है कि असम डायन-शिकार (निषेध, रोकथाम और संरक्षण) अधिनियम, 2018 डायन-शिकार से संबंधित है, जो इसे एक संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौता योग्य अपराध बनाता है। इस कानून के लागू होने के बाद डायन-कुप्रथा के मामलों में कमी आई है, लेकिन इसे पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सका है। असम पुलिस के आंकड़ों के अनुसार 2022-24 के बीच 32 मामले दर्ज किए गए हैं।

माकपा नेता ने दिया विवादित बयान...
महात्मा गांधी की मूर्ति नहीं बनने देंगे, अगर मूर्ति बनी तो उसे तोड़ देंगे

कन्नूर, एजेंसी। केरल के कन्नूर जिले के मलप्पट्टम में महात्मा गांधी की मूर्ति को लेकर दिन-प्रतिदिन और बढ़ता ही जा रहा है। इसी बीच कांग्रेस ने शुक्रवार को माकपा (सीपीआईएम) नेताओं पर गांधीजी का अपमान करने का आरोप लगाया है। साथ ही आरोपित नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि बीते बुधवार को यूथ कांग्रेस के मार्च के दौरान सीपीआई(एम) और यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थर और बोतलें फेंकीं, जिससे क्षेत्र में कुछ घंटे तक तनाव बना रहा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि हिंसा की शुरुआत माकपा कार्यकर्ताओं ने की और उनके वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाया गया। मामले में सीपीआईएम पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता वीडी सतीसन ने कहा कि माकपा के नेता अब संघ परिवार से भी आगे निकल गए हैं गांधीजी को अपमानित करने में। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मलप्पट्टम में हर हाल में गांधीजी की मूर्ति बनाएगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बुधवार रात को निर्माणाधीन गांधी मूर्ति को फिर से नुकसान पहुंचाया गया। मामले में कांग्रेस नेता ने कहा कि माकपा जिला सचिवालय सदस्य पीवी गोपीनाथ ने मलप्पट्टम में गांधीजी की मूर्ति स्थापित करने को लेकर धमकी दी है। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि माकपा नेता सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि गांधी मूर्ति नहीं बनने देंगे और अगर मूर्ति बनी तो उसे तोड़ देंगे, चाहे वह यूथ कांग्रेस नेता सनीश के घर के सामने हो या रसोई में। कांग्रेस नेता ने आगे अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि मापका जिला सचिवालय सदस्य पीवी गोपीनाथ ने धमकी दी है कि वह इलाके में गांधी प्रतिमा का निर्माण नहीं होने देंगे।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साधा निशाना
राहुल गांधी जाति जनगणना के मुद्दे पर जनता को गुमराह कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जाति जनगणना के मुद्दे पर जनता को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी ने यह दावा किया है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने डर के कारण जाति जनगणना के लिए सहमति व्यक्त की है, यह कहकर उन्होंने प्रधानमंत्री पद को कलंकित करने का काम किया है। प्रधान ने कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पीएम मोदी से माफी मांगें। सरकार ने पिछले महीने जाति जनगणना कराए जाने पर सहमति व्यक्त की। कई लोगों ने सरकार के इस निर्णय को राजनीतिक चाल के रूप में देखा। वहीं, कई दलों यह कहकर श्रेय लेने की कोशिश की कि सरकार ने जाति जनगणना पर उनके संघर्ष के बाद सहमति जताई है। गुरुवार को राहुल गांधी ने पटना में दावा किया कि पीएम मोदी देश की वंचित आबादी के डर के कारण जाति जनगणना कराने के लिए सहमत हुए। विपक्ष इसके लिए अपनी आवाज उठा रहा था। इस पर केंद्रीय मंत्री प्रधान ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा की पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों के भरोसे पर देश की सेवा कर रहे हैं। प्रधान ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है और सांविधानिक पद की गरिमा को धूमिल किया है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने दावा किया कि कांग्रेस का कभी भी जाति जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं था। सत्ता में रहते हुए इन लोगों ने गरीबों, शोषितों और वंचितों के अधिकारों को हड़प लिया। आज जब पीएम मोदी की सरकार वंचितों को उनका सम्मान वापस दे रही है, तो कांग्रेस को पीड़ा हो रही है।

कांग्रेस नेता चिदंबरम ने गठबंधन को दी चेतावनी
इंडिया गठबंधन अभी भी बरकरार, यकीन नहीं होता

नई दिल्ली, एजेंसी

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने विपक्षी गठबंधन इंडिया के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन नहीं है कि यह गठबंधन अभी भी बरकरार है। हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि गठबंधन अभी भी बच सकता है। अभी भी समय है। चिदंबरम ने भाजपा को लेकर भी विपक्षी गठबंधन को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन एक दुर्जेय मशीनरी के खिलाफ लड़ रहा है, जिसे सभी मोर्चों पर लड़ा जाना चाहिए।

राज्यसभा सांसद चिदंबरम सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय सिंह यादव की किताब कंटेस्टिंग डेमोक्रेटिक डेफिसिट के विमोचन अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक का भविष्य उतना उज्जवल नहीं है, जैसा कि मृत्युंजय यादव ने कहा। उन्हें लगता है कि गठबंधन अभी भी बरकरार है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है। चिदंबरम ने कहा कि इसका उत्तर केवल सलमान खुर्शीद ही दे सकते हैं, क्योंकि वे इंडिया ब्लॉक के लिए वार्ता करने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन पूरी तरह बरकरार रहता है, तो मुझे बहुत खुशी होगी। लेकिन आए दिन उजागर होने वाली कमजोरियों से पता चलता है कि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। किताब में, सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय यादव ने पिछले साल के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के पुनरुद्धार के प्रयासों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया है कि कैसे कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा और विपक्षी दलों के साथ मिलकर इंडिया ब्लॉक का गठन किया, जिससे भारत में लोकतंत्र को बचाने की कोशिश की गई।

चुनाव के बारे में सोचने की जरूरत
सलमान खुर्शीद ने कहा कि अगर विपक्षी दलों को चुनावी रुझानों में बड़ा उलटफेर करना है, तो उन्हें बड़े पैमाने पर सोचना होगा। केवल यह सोचने से बात नहीं बनेगी कि कौनसी पार्टी कितनी सीटों पर लड़ेगी और नतीजे आने के बाद क्या होगा। अगर हम ऐसा करते हैं तो हम देश में चुनावी रुझानों में बड़ा उलटफेर करने से चूक जाएंगे।

कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं, चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर भाजपा का तंज
नभाजपा ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम की टिप्पणी पर कटाक्ष किया। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। दरअसल, चिदंबरम ने गुरुवार को इंडिया ब्लॉक पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें यकीन नहीं है कि विपक्षी गठबंधन अभी भी बरकरार है या नहीं। चिदंबरम के बयान पर टिप्पणी करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने भविष्यवाणी की है- विपक्ष भविष्य में बरकरार नहीं रहेगा, भाजपा एक दुर्जेय संगठन है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है। भाजपा को हराया नहीं जा सकता।

भाजपा को लेकर भी गठबंधन को चेताया
पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने भाजपा को लेकर भी विपक्षी गठबंधन इंडिया को चेताया। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक एक दुर्जेय मशीनरी के खिलाफ लड़ रहा है, जिसे सभी मोर्चों पर लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरे अनुभव और इतिहास के मेरे अध्ययन में, भाजपा जितनी मजबूत संगठित कोई राजनीतिक पार्टी नहीं रही है। यह सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक मशीनरी की तरह है, और इस मशीन के पीछे एक और मशीन है, जो चुनाव आयोग से लेकर देश के सबसे निचले पुलिस स्टेशन तक को नियंत्रित करती है और कभी-कभी उन पर कब्जा करने में सक्षम है। यह एक दुर्जेय मशीनरी है।

कोई भी भारत में चुनावों को कमजोर नहीं कर सकता
केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने कहा कि चुनाव परिणामों ने दिखाया है कि कोई भी भारत में चुनावों को कमजोर नहीं कर सकता, जो अभी भी एक चुनावी लोकतंत्र है। उन्होंने कहा, आप भारत में चुनावों में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आप उनमें छेड़छाड़ कर सकते हैं, लेकिन आप चुनावों से बच नहीं सकते। आप ऐसे चुनाव नहीं कर सकते जहां सत्ताधारी पार्टी 98 फीसदी वोट ले जाए। भारत में ऐसा संभव नहीं है।

खुर्शीद ने चिदंबरम की ह्यबात पर जताई सहमति
कांग्रेस नेता चिदंबरम ने चेताया कि अगर 2029 का आम चुनाव भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से चला गया, तो फिर शायद लोकतंत्र को बचाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा, 2029 के चुनाव महत्वपूर्ण हैं और हमें पूर्ण लोकतंत्र में वापस लाना चाहिए। सलमान खुर्शीद ने चिदंबरम की बात पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक से जुड़े कुछ मुद्दे हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें 2029 में एक बहुत बड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा। इस बात पर विचार करना होगा कि गठबंधन के सहयोगियों को कैसे एक साथ लाया जाए।

नए मल्टी-एजेंसी सेंटर के उद्घाटन पर बोले, शाह-
ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति और सेना की ताकत का प्रतीक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर जोर दिया। शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक जानकारी और भारतीय सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की तीनों सेनाओं की सटीक और ताकतवर कार्रवाई का बेहतरीन उदाहरण है।

शाह ने यह बात दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में एक नए मल्टी-एजेंसी सेंटर (एमएसी) का उद्घाटन करते हुए कही। एमएसी देश की विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बनाने के लिए बनाया गया है। बता दें कि मल्टी एजेंसी सेंटर की स्थापना 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद की गई थी, ताकि सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच समय रहते जानकारी साझा की जा सके और आतंकी खतरों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

भारत की जवाबी कार्रवाई
गौरतलब है कि बीते 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए। यह हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा और बीते 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी, लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि उसने सिर्फ ऑपरेशन को स्थगित किया है, बंद नहीं। साथ ही भारत ने आतंकियों का पनाहगाह पाकिस्तान को चेतावनी दी कि आगे की कार्रवाई पाकिस्तान के व्यवहार पर निर्भर करेगी।

बिहार चुनाव 2025: राज्यसभा सांसद रामजी गौतम बोले-
बिना बसपा के किसी की सरकार नहीं बन पाएगी

पटना, एजेंसी

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कैमूर जिले में अपनी राजनीतिक मौजूदगी को मजबूती से दर्ज कराया है।

संगठन की समीक्षा बैठक के बहाने पार्टी ने न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट किया, बल्कि आने वाले चुनावों में दमदारी से उतरने का एलान भी किया। इस बैठक में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद और बसपा के वरिष्ठ नेता रामजी प्रसाद गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने मंच से साफ कहा कि बिहार में सत्ता की चाबी बसपा के हाथ में होगी। रामजी गौतम ने हाल ही में समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव द्वारा सेना की अधिकारी व्योमिका सिंह पर की गई जातिगत टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सेना में चाहे अधिकारी हो या सैनिक, उनका कोई धर्म और जाति नहीं होता। उनका धर्म और कर्म केवल देश और नागरिकों की सुरक्षा करना होता है। जो लोग सेना के जवानों को जाति-धर्म के चश्मे से देखते हैं, उनकी सोच बेहद संकीर्ण है।

गद्दारी करने वालों को दी चेतावनी
इस समीक्षा बैठक में बसपा के केंद्रीय प्रभारी अनिल कुमार पटेल भी मौजूद थे, जिन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने कैमूर की चारों विधानसभा सीटों पर जीत की रणनीति बनाई है। अब मैदान में उतरने से पहले हम जान रहे हैं कि हमारी ताकत कितनी है।

केंद्र और राज्य सरकार पर साधा निशाना
रामजी गौतम ने केंद्र और राज्य की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश के किसी भी हिस्से में जाने से नहीं रोका जाता, लेकिन जब कोई आयोजन होता है तो उसकी अनुमति और सूचना पहले से दी जाती है। अगर इसी प्रक्रिया में बिहार में किसी आयोजन को लेकर कोई रोका-टोकी हुई है तो यह गलत है।

बसपा अकेले लड़ेगी चुनाव
राज्यसभा सांसद ने स्पष्ट किया कि बसपा आगामी विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी और पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि बिना बसपा के किसी की सरकार नहीं बन पाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी न तो किसी गठबंधन में जाएगी और न ही किसी पार्टी की पिछलग्गू बनेगी। बिहार की सत्ता में आने के लिए बसपा अब पूरी तरह से तैयार है।

पाकिस्तान का जो कोई समर्थन करेगा, उसका बहिष्कार होगा
तुर्की बायकॉट पर बोले एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी

तुर्की ने हाल के भारत-पाकिस्तान तनाव में पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया, जिसे लेकर भारत में नाराजगी फैल गई। भारतीयों की ओर से तुर्की का बड़े पैमाने पर बहिष्कार हो रहा है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि जो भी देश पाकिस्तान का समर्थन करेगा, उसका बहिष्कार किया जाएगा।

शुक्रवार को ठाणे में उन्होंने कहा, तुर्की ने पाकिस्तान का सपोर्ट किया है जिसे लेकर देशवासी काफी नाराज हैं। इसलिए उनका बहिष्कार किया जा रहा है। तुर्की का सेब या कोई दूसरा सामान हो, उसकी खरीदारी नहीं होगी। हमारे यहां उसका विरोध किया जाएगा। हमारे विधायक ने इसे लेकर एक पत्र सौंपा है जिसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। इस तरह जो कोई भी पाकिस्तान को सपोर्ट करेगा, हम उसका बहिष्कार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि माफी मांगने से कुछ नहीं होगा, उसे बराबर सबक सिखाया जाएगा।

भारत में बायकॉट तुर्की अभियान तेज
भारत और तुर्की के बीच 10 बिलियन डॉलर से अधिक का व्यापारिक संबंध रहा है। इसके बावजूद, तुर्की ने कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बार-बार पाकिस्तान का साथ दिया। भारत का मानना है कि तुर्की की सैन्य सहायता आतंकवाद को बढ़ावा दे सकती है, जिसके खिलाफ लंबे समय से लड़ रहा है। भारत में बायकॉट तुर्की अभियान तेज हुआ है, जिसमें तुर्की के उत्पादों और पर्यटन को निशाना बनाया गया है। भारतीय विमानन सुरक्षा ब्यूरो ने तुर्की की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी, जिससे तुर्की की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। यह तनाव भारत-तुर्की संबंधों को और जटिल बना रहा है।

हक की लड़ाई है, युद्धोन्माद नहीं, महबूबा मुफ्ती पर भड़के उमर अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती को जमकर खरी-खोटी सुनाई हैं। उन्होंने मुफ्ती पर सस्ती लोकप्रियता और पाकिस्तान में बैठे लोगों को खुश करने का आरोप लगाते हुए सच से मुंह मोड़ने का आरोप लगाया। उमर ने पलटवार करते हुए सिंधु जल संधि को जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात बताया। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा से ही इस संधि का विरोध किया है और लगातार ऐसा करना जारी रखूंगा। इतना तय है कि किसी अनुचित संधि का विरोध करना कहीं से भी युद्धोन्माद नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने दी बधाई
पचास वर्ष का हुआ सिक्किम, एसकेएम ने निकाली तिरंगा यात्रा

गंगटोक, एजेंसी

सिक्किम की जनता ने शुक्रवार को राज्य का 50वां स्थापना दिवस मनाया। सिक्किम 50 साल पहले 16 मई 1975 के दिन ही सिक्किम भारत का 22 राज्य बना। इससे पहले यहां पर राजा का शासन हुआ करता था। सिक्किम में लोकतंत्र की शुरुआत भी इसी दिन से हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग गोले ने प्रदेशवासियों को बधाई दी।

इस मौके पर सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने एमजी मार्ग से गंगटोक के पलजोर स्टेडियम तक तिरंगा रैली निकाली गई। इस रैली में ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को समर्थन भी दिया गया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सिक्किम के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी।

पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं... पीएम मोदी ने सिक्किम के स्थापना दिवस पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, सिक्किम के लोगों को उनके राज्य दिवस पर हार्दिक बधाई! इस वर्ष, यह अवसर और भी खास है क्योंकि हम सिक्किम के राज्य बनने की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं! सिक्किम शांत सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और मेहनती लोगों के लिए जाना जाता है। इसने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है। इस खूबसूरत राज्य के लोग हमेशा समृद्ध रहें।

सभी प्रदेशवासियों का आभार- सीएम तमांग
इस दौरान सीएम प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि, जैसे ही हम सिक्किम के राज्यत्व के 50 गौरवशाली वर्षों का गर्व के साथ उत्सव मना रहे हैं, मैं आज सुबह तिरंगा यात्रा में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति का दिल से धन्यवाद करता हूं। यह यात्रा हमारे साझा एकता, देशभक्ति और हमारी सशस्त्र सेनाओं की अद्वितीय वीरता को समर्पित एक सशक्त श्रद्धांजलि थी। ऑपरेशन सिंदूर इस यात्रा के केंद्र में था- यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ संकल्प का प्रतीक है और हमारी संप्रभुता की रक्षा के लिए दिए गए बलिदानों की एक गंभीर याद दिलाता है। सिक्किम की जनता द्वारा आयोजित यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं थी, बल्कि यह हमारी भारतीय पहचान का एक गर्वपूर्ण उत्सव थी और शांति, साहस, तथा राष्ट्रीय गौरव के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति थी। हमने एक साथ गर्व से कदम बढ़ाए — सिक्किम के लिए, भारत के लिए।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री शाह को बर्खास्त करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

उज्जैन, निप्र। मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह द्वारा अपने भाषण में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया के संबंध में अपमानजनक तरीके से उल्लेख करने के कारण भारतीय सेना का अपमान हुआ है। विजय शाह के विरुद्ध अपराध भी दर्ज किया गया है अत~उन्हें बर्खास्त करने के लिए आज सपाक्स पार्टी एवं उससे जुड़े हुए नागरिकों के प्रतिनिधि मंडल की ओर से डॉ हीरालाल त्रिवेदी पूर्व आईएएस के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम पर एक ज्ञापन कलेक्टर कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर रंजना पाटीदार को सौंपा गया। प्रतिनिधि मंडल में उपाध्यक्ष जियालाल शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष माणक लाल उपाध्याय, प्रवक्ता जे आर माहुरकर, दीप सिंह पंड्या, अरुण पंड्या, भेरूलाल पंड्या, अजीत पंडित, के.सी. दवे आदि बड़ी संख्या में नागरिक एवं अधिवक्तागण शामिल रहे।

खेलों इंडिया बीच गेम्स में प्रीति का चयन

उज्जैन, निप्र। आगामी 19 मई से 24 मई 2025 दमन दीव में आयोजित खेलों इंडिया बीच गेम्स में शहर की 105 वर्ष पुरानी संस्था

श्री अ.प्रा.जी व्यायामशाला की होनहार खिलाड़ी कु. प्रीति कहार का चयन हुआ। संस्था प्रशिक्षक मनीष पंवार ने जानकारी देते हुआ बताया की प्रशिक्षक मनोज राठौर के मार्गदर्शन में संस्था की टीम दि. 14 मई 2025 भोपाल के टी.टी नगर स्टेडियम में आयोजित चयन ट्रायल में शामिल हुई। कू. प्रीति कहार ने बालिका वर्ग में 4 स्थान प्राप्त कर मध्य प्रदेश की टीम में अपना स्थान सुरक्षित किया। उक्त प्रतियोगिता की विशेषता है कि यह दीव शहर के समुद्र किनारे घोघला बीच पर आयोजित की जाएगी। कु. प्रीति आगामी खेलों इंडिया बीच गेम्स में अपना जौहर दिखाने के लिए आज शाम ट्रेन सें दमन दीव के लिए रवाना होगी। कु. प्रीति की इस उपलब्धि पर श्री अ.प्रा.जी व्यायामशाला के अध्यक्ष रामचंद्र सोलपंखी, कार्य अधक्ष्य सत्यनारायण शास्त्री, मंत्री अजय विपट, गोपाल व्यास, प्रधानाध्यापक महेंद्र जैन, यशवंत गुमास्ते, विनोद चौरसिया, नितिन जोशी, यश भार्गव ने शुभकामनाएं प्रेक्षित की।

कार्यशाला का आयोजन किया गया

उज्जैन, निप्र। शुक्रवार को जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विकासखंड तराना के अंतर्गत आदर्श गांव कनार्दी में जनसुचना केंद्र में कार्यशाला का आयोजन किया गया एवं चित्रकला प्रतियोगिता भी करवाई गई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने एवं ग्रामीण जनों द्वारा भाग लिया गया तथा जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव सचिन अग्रवाल,सहायक सचिव कन्हैयालाल फुलेरिया, दिनेश मालिक, परामर्शदाता जगदीश राठौर, गब्बर सिंह बड़ाल, कमल सिंह राठौड़, ऊषा गौर, होकम सिंह पटेल एवं नवांकुर संस्था प्रतिनिधि देवनारायण वर्मा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं वेदिका रावल, हितेश मालवीय, अनीता लोधी, अनीता चौहान, भावना जावा, रजनी,चेतना, भारती जोशी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

नागरिकों से मिले अध्यक्ष पति

नागदा जं., निप्र। सुनीरनगर में सडक़ निर्माण एवं नल कनेक्शन की मांग को लेकर रहवासी शुक्रवार की दोपहर में नगरपालिका पहुंचे, नगरपालिका अध्यक्ष पति ओमप्रकाश गेहलोत, उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र शर्मा पुराने नगरपालिका भवन परिसर में विराजीत नगर हनुमान मंदिर के समीप नागरिकों से मिले। इस दौरान पार्षद शैलेंद्रसिंह यादव का कहना था कि 12 पार्षदों ने हमारे हाथ बांध दिए है जिसके कारण हम विकास कार्य नहीं कर पा रहे है, अध्यक्ष पति गेहलोत ने कहा कि सुनीरनगर में कुछ सडक़ों का निर्माण भी नगरपालिका द्वारा किया गया है शेष सडक़ों का निर्माण भी करेंगे।

रोते हुए बच्चे का वीडियो अपलोड करने पर ईंट से हमला

नागदा जं., निप्र। गांव निम्बोदियाखूर्द में रोते हुए बच्चे का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने की बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया, विवाद ने देखते ही देखते मारपीट का रुप ले लिया। जिसमें एक पक्ष के चार व्यक्ति घायल हुए, घायलों को उपचार के लिए जनसेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया। गांव निम्बोदियाखूर्द निवासी दामोदर पिता भीमा बंजारा ने पुलिस को बताया कि अरुण पिता मदन बंजारा ने मेरे छोटे लडक़े का रोते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर दिया जिसको लेकर मेरी पत्नी गुड्डी बाई ने अपने घर के बाहर खड़े होकर बोला कि वीडियो क्यों डाला तो मदन पिता मोहन, मोहन पिता लक्ष्मण घर के बाहर आए और अपशब्दों का उपयोग करने लगे। विवाद ने देखते ही देखते मारपीट का रुप ले लिया, जिसमें ईट और पत्थरों का भी उपयोग किया गया। विवाद में मुकेश दामोदर खिंची उम्र 20, दामोदर पिता भीमा 42, दिलीप पिता मोहन 30, मोहन पिता भीमा 58 चार लोग घायल को गए, जिनको उपचार के लिए जनसेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया, पुलिस ने दामोदर की शिकायत पर लक्ष्मण पिता मांगीलाल, मोहन पिता लक्ष्मण, मदन पिता लक्ष्मण, कुशाल पिता मोहन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया।

तिरंगा थामे वाहनों से निकले मुस्लिम

नागदा जं., निप्र। शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाजजन तिरंगा थामे वाहन रैली के रुप में निकलें। यह तिरंगा यात्रा पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने वाले भारतीय सेना के सैनिकों की हौंसला आफजाई के लिए निकाली गई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लेमिन कमेटी के जिलाध्यक्ष फिरोज आजम के नेतृत्व में नमाज के बाद ईदगाह से शुरू हुई तिरंगा यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से गुजरकर जामा मस्जिद पहुंची। तिरंगा यात्रा समापन होने के बाद पार्टी के वरिष्ठों ने भारत में आतंकवादी हमलों पर कडा प्रहार किया। वहीं देश की सेना का मनोबल बढाया। इसके बाद पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा-

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने साहस और शौर्य के प्रमाण दिए

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के विरूद्ध की गई ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शुक्रवार को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहीद पार्क से प्रारंभ हुई भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद पार्क स्थित जय स्तम्भ पर शहीदों को श्रध्दांजली अर्पित कर घोड़े पर सवार होकर तिरंगा यात्रा की शुरूआत की ।

उन्होंने इस अवसर पर कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सेना ने पाकिस्तान में दाखिल होकर दुश्मनों से बदला लिया। भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने साहस और शौर्य के प्रमाण दिए हैं। हमनें एक जुट होकर विश्व को यह संदेश दिया कि दुश्मन कितना ही चालाक क्यों न हो हम अपनी एकता को अक्षुण रखेंगे। राष्ट्रीय एकता सर्वोपरी है इसे यदि शत्रु ने हानि पहुचानें की कोशिश की तो उसे मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

उज्जैन भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी है, यह सम्राट विकमादित्य के पराक्रम की नगरी है। लगभग 2000 हजार साल पहले सम्राट विकमादित्य ने विदेशी आक्रमणकारीयों को पराजित कर देश से खदेड दिया था, आज फिर से हमारी सेना ने वही शौर्य और पराक्रम दिखाया है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राष्ट्र की वेदी पर अपने चिराग न्योछावर करने वाले शहीदों के परिवार जनों को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे देश कि आन-बान और शान है इसकी मर्यादा का सदैव ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है कि हम सभी भारतीय एक जुट हो कर समय आने पर देश कि रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान कर सकते है ।

इस भव्य तिरंगा यात्रा में शहिदों के परिजन पुर्व सैनिक, राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, पूर्व केंद्रिय मंत्री सत्यनारयण जटिया, शहरकाजी खलीकुर्रहमान, संजय अग्रवाल, रर्वा? सोलंकी, जगदीश पांचाल, मुकेश यादव, अनिल शिंदे, दिनेश जाटवा, कल्याण शिवहरे, सुहास वैद्य, इकबाल सिंह गांधी, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षण प्रदीप शर्मा शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने भी बढ़-चढ़ कर सहभागिता की।

भव्य तिरंगा यात्रा शहीद पार्क से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों चामुण्डा माता चौराहा, देवास गेट चौराहा, मालीपुरा,दौलतगंज चौराहा से होती हुई फव्वारा चौक पर समाप्त हुई। यात्रा में शहिदों के परिजन बग्गीयों पर सवार होकर शामिल हुए। यात्रा में पुलिस बैण्ड, बोहरा समाज के बैण्ड और अन्य बैण्ड शामिल हुए। यात्रा के दौरान देश भक्ति के गीतों कि भावविभोर प्रस्तुतियां दी गई। सभी धर्म और समाज के लोगों ने देश भक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत होकर उत्साह पूर्ण माहौल में यात्रा में सहभागिता की। विभिन्न स्थानों पर बनाएं गये स्वागत मंच के द्वारा यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि यह यात्रा उन जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए भी निकाली गई जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उज्जैन आगमन पर स्वागत किया गया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का शुक्रवार दोपहर तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होने के लिए उज्जैन की दताना हवाई पट्टी पर आगमन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ यादव के आगमन पर जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर और शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, जनप्रतिनिधि बहादुर सिंह बोरमुंडला, ओम जैन, रवि सोलंकी, संभागायुक्त संजय गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक ने किया 2 करोड़ 89 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। शुकवार को नागदा-खाचरोद विधानसभा क्षेत्र में लोकप्रिय जनसेवक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान द्वारा विधानसभा में 2 करोड़ 68 लाख रु. के विकास कार्यो का भुमिपूजन एवं लोकार्पण करके ग्रामीण परिवारजनो को समर्पित किया। ग्राम कनवास में 81 लाख की लागत से उपस्वास्थ्य केन्द्र एवं बाउंड्रीवाल निर्माण, पेयजल टंकी हेतु खनन नइ बोरवेल का भूमिपूजन एवं 15 लाख के निर्माण कार्यो जिसके अंतर्गत सी सी रोड एव नाली निर्माण का भुमिपूजन किया। वहीं ग्राम नन्दवासला में 6 लाख की लागत से सी सी रोड़ के विकास कार्य का भूमिपूजन ग्रामीण जनो एवं पार्टी के परिवारजनों के साथ किया। ग्राम खेड़ावदा मे 50 लाख की लागत के विकास कार्यो का लोकार्पण जिसमे नाली निर्माण, सी सी रोड़, पेयजल टंकी निर्माण ग्रामीणजनों को समर्पित किया साथ ही 15 लाख से नाली निर्माण, सी सी रोड के विकास कार्य का भूमिपूजन किया। ग्राम खामरिया मे 6 लाख की लागत से सी सी रोड़ एवं नाली निर्माण के विकास कार्यो का भुमिपूजन किया। ग्राम बड़ागांव मे 86 लाख की लागत से उपस्वास्थ्य केंद्र एवं सी सी रोड़, नाली निर्माण के विकास कार्यो का भुमिपूजन ओर लोकार्पण के साथ निर्माण कार्यो का भुमिपूजन कर क्षेत्र की जनता को विकास कार्यो की सौगात दी।

ग्राम कुम्हारवाड़ी में 21 लाख रु के विकास कार्यों का भूमिपूजन ग्राम कुम्हारवाड़ी के परिवार जनों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जनसेवक डॉ. तेजबहादुर सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति आभार माना। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, लालसिंह राणावत, सरपंच जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, मंडल अध्यक्ष जयदीप सिंह सोनगरा, ग्राम सरपंच, जनपद सदस्य, लाल सिंह बंजारी, ग्रामीण किसानभाई, कार्यकर्ता बन्धु, ओर पार्टी के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

महाकाल मंदिर में अग्नि सुरक्षा का 4 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के बाहरी परिसर फेसेलिटी टनल की छत पर आज प्लाटुन कमाण्डेन्ट दिलीप बामनिया, मंदिर सुरक्षा अधिकारी सुश्री हेमलता पाटीदार व एस.डी.आर.एफ. के मास्टर ट्रेनर द्वारा 4 दिवसीय प्रशिक्षण में आज श्री महाकालेश्वर मंदिर में कर्तव्यरत मंदिर कर्मचारी को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही सुरक्षा, डिजास्ट्रर मैनेजमेंट एवं आपातकालीन स्थिति में किस प्रकार कार्य करना है ,क्या-क्या सावधानियाँ रखी जाना चाहिए इस पर भी जानकारी दी गई।

इस दौरान मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक शिवकांत पांडेय, डॉ.पीयूष त्रिपाठी प्रभारी निदेशक महाकालेश्वर वैदिक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, सुरक्षा प्रभारी अनुराग चौबे आदि उपस्थित थे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति कलेक्टर एवं अध्यक्ष रोशन कुमारसिंह के निर्देशानुसार श्री महाकालेश्वर मंदिर में कर्तव्यरत पुलिसकर्मियों, कर्मचारियों, होमगार्ड जवान, सुरक्षाकर्मी एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को दिनांक 13 मई 2025 से 16 मई 2025 तक अलग-अलग शिफ्ट अनुसार प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण की 04 दिवसीय प्रशिक्षण में क्रिस्टल इंटीग्रेटेड प्रा.लि. कंपनी के सुरक्षाकर्मियों, कृष्णा सिक्युरिटी एण्ड लेबर सप्लायर्स कंपनी के कर्मचारियों, मंदिर कर्मचारी, पुलिसकर्मी एवं होमगार्ड जवानों , कार्यालयीन कर्मचारी, जनरल शिफ्ट में कर्तव्यरत पुलिसकर्मी एवं होमगार्ड जवानों को प्रशिक्षण दिया गया।

सीएमएचओ डॉ.पटेल ने टीकाकरण सत्र का किया औचक निरीक्षण

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. के. सिंह द्वारा 16 मई शुक्रवार को जिले के आंगनवाड़ी केंद्र आबूखाना भेरूगढ, एवं विकासखण्ड घट्टिया के ग्राम रामगढ में आयोजित टीकाकरण सत्र का ओचक निरीक्षण किया। टीकाकरण सत्र का अवलोकन कर ड्युलिस्ट अनुसार शतप्रतिशत बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण करने एवं टीकाकरण सत्र का आयोजन निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार करने के निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि, बच्चों में 10 जानलेवा बीमारियों (पोलियो, टी.बी., हेपेटाइटिस-बी. कालीखांसी, गलघोंटू, टिट्नेस, दस्त रोग, निमोनिया, खसरा-रूबेला एवं हिब) से बचाव के लिए सरकारी, सुरक्षित एवं हानिरहित टीके नि:शुल्क उपलब्ध हैं। टीकाकरण हर बच्चें का जन्मसिद्ध अधिकार है और बच्चों को टीके लगवाना हम सब की संयुक्त जिम्मेदारी है।

जिले मे प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं एवं पूर्व नियोजित कार्यक्रम अनुसार आंगनवाड़ी केन्द्रों मे भी टीकाकरण किया जाता है।

प्रभावी टीकाकरण के प्लान से बच्चों की असमय मृत्यु को रोका जा सकता है। किन्तु कई शिशु व बच्चें टीकाकरण से वंचित रहते है। अत: ऐसा प्लान बनाया जाकर समस्त बच्चों को शतप्रतिशत टीकाकरण कर बच्चों को सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

रहवासियों ने नगर निगम आयुक्त के नाम सौंपा ज्ञापन

अवैध गुमटियों व अतिक्रमण को हटाने की मांग

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। चिमनगंज मंडी के पीछे मोहन नगर में लगी अवैध गुमटियों एवं यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर क्षेत्रीय रहवासियों ने नगर निगम आयुक्त के नाम ज्ञापन अपर आयुक्त पवन सिंह को देकर हो रही समस्या से अवगत करवाते हुए शीघ्र ही अवैध गुमटियों व अतिक्रमण को हटाने की मांग की।

मोहन नगर से लेकर बजरंग नगर तक मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से कई गुमटियां लगाई गई है। इन गुमटियों में कई गुमटियां, गुमटी माफियाओं की है जो किराए पर चला रहे हैं। इन गुमटियों की वजह से पूरे क्षेत्र में वातावरण जहां दूषित हो रहा है वही चल रहे गैराजों के कारण यातायात भी प्रतिदिन बाधित होता है। साथ ही शाम के वक्त इन गुमटियों के पीछे असामाजिक तत्वों द्वारा शराब खोरी के साथ ही नशीले पदार्थों का सेवन किया जाता है। इन गुमटियों की वजह से क्षेत्र में गंदगी का भी साम्राज्य है। स्थानीय रहवासियों ने इन अवैध गुमटियों को हटाने एवं यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर नगर निगम आयुक्त के नाम ज्ञापन अपर आयुक्त पवन सिंह को सौपा। अवैध वाहनों के सर्विसिंग के कारण विगत दिनों? एक 8 वर्षीय बालक की भी दर्दनाक मौत भी डंपर से कुचल जाने की वजह से हो चुकी है। साथ ही प्रतिदिन अतिक्रमण को लेकर वाहन चालकों के साथ गुमटी संचालकों के यहां कार्यरत असमाजिक तत्वों द्वारा वाद विवाद भी किया जाता है। अपर आयुक्त श्री सिंह ने ज्ञापन देने आए लोगों को आश्वासन दिया कि नगर निगम द्वारा यथायोग्य कार्रवाई शीघ्र की जाएगी। साथ ही ज्ञापनदाताओं ने क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी से भी मुलाकात कर अपनी समस्या से उन्हें अवगत करवाया एवं उन्हें भी ज्ञापन देकर आग्रह किया कि वे जनभावनाओं के अनुरूप शीघ्र ही अवैध गुमटियों का संचालन बंद करवा कर गुमटियां हटवाऐ साथ ही गैरेजौ की आड़ में सड़क पर किए जा रहे अतिक्रमण को भी शीघ्र हटवाऐ। ज्ञापन देने वालों में प.रूपेश मेहता, चेतन स्वरूप पांडे, पवन मालवीय, महादेव सिंह, विकास राठौड़, रवि कुमार शर्मा, राजेंद्रसिंह तोमर, राहुल जोशी, राहुल बनासिया, राजेश रावल, प्रदीप सुमन, बालकृष्ण सैनी, प्रभाकर राव, राहुल पटेल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासीगण उपस्थित थे।

भोपाल तहज़ीब, तालीम, तरक़्क़ी और तासीर का शहर

दुआ है कि गंगा-जमुनी तहज़ीब को कभी कोई बुरी नज़र न लगे और इसकी खूबसूरती बनी रहे

यदि मंदिरों से घंटियों की मधुर आवाज़ और मस्जिदों से बुलंद अज़ान एक साथ गूंजे, तो समझ लीजिए आप उस शहर में हैं, जहाँ सदियों से गंगा-जमुनी तहज़ीब ने अपने खूबसूरत रंग बिखेरे हैं। यह शहर है भोपाल - झीलों की नगरी, नवाबी संस्कृति की परछाई, प्राकृतिक सौंदर्य की मिसाल और ऐतिहासिक धरोहरों का सजीव संग्रह।

तहज़ीब और भाईचारा

भोपाल की सबसे बड़ी खासियत इसकी साझा संस्कृति है। यहाँ तालाब के बीचों-बीच मंदिर, मस्जिद और मजारों का साथ-साथ दिखना आम बात है। यही वह शहर है, जहाँ सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक - ताजुल मस्जिद है, तो वहीं विश्व की सबसे छोटी मस्जिद मानी जाने वाली 'ढाई सीढ़ी मस्जिद' भी यहीं स्थित है। भोपाल में उर्दू भाषा का उपयोग लगभग सभी समुदाय के लोग करते हैं।

भोपाल की सड़कों पर चलते हुए अगर कोई राहगीर किसी मोहल्ले का पता पूछ ले, तो भोपाली उसे दरवाजे तक छोड़कर आते हैं। यही इसकी तहज़ीब है, यही इसकी पहचान है। भोपाल की एक बात ओर मशहूर है कि जो भी भोपाल आता है यहां के लोग उसे सीने से लगा लेते हैं। हिन्दुस्तान के किसी भी कोने से जो भोपाल आया जैसे नौकरीपेशा या कोई भी व्यवसाय के लिए यहीं का होकर रह गया। भेल कारखाना इसका जीता-जागता उदाहरण है। ज्यादातर नौकरी पेशा अधिकारी एवं कर्मचारी रिटायर होने के बाद भोपाल को ही अपना मानकर यहीं बस गए। काफी लोग कारोबार करने के उद्देश्य से यहीं आकर आबाद हो गये।

भोपाल की मज़ेदार 'उर्फ़ियत' - नाम के पीछे नाम की दुनिया!

भोपाल, भोपाली और भोपालियत की पहचान केवल ताल-तालैया और ऐतिहासिक इमारतों आबोहवा, तहजीब और संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी अनोखी और मज़ेदार 'उर्फ़ियतों' के लिए भी मशहूर है। जब किसी मोहल्ले में एक ही नाम के कई लोग हों, तो पहचान बनाने के लिए नाम के पीछे कुछ जोड़ना लाज़मी हो जाता है, फिर चाहे वो पहनावे से जुड़ा हो, बोलचाल से, शौक से या किसी मज़ेदार किस्से से - हर भोपाली को मिल जाता है उसका ख़ास उर्फ़ी टाइटल।

तो मिलिए भोपाल की इस अनोखी नामावली से -

तारिक़ टाई, जो हमेशा टाई में दिखते थे, तारिक़ चपटे, जिनके गाल खुद गवाही देते हैं, तारिक़ होंठ कटे, जिनके होंठों की कहानी हर गली जानती है, और तारिक़ झबरे, जिनकी आंखें ही उनकी पहचान हैं। आरिफ़ अंडे का नाश्ता शहर भर में मशहूर है, तो आरिफ़ बुलबुल अपने गले से सबको दीवाना बना देते हैं। बाबूलाल 501 नाम की सिगरेट की तरह मशहूर हैं, और सेठ छगनलाल, जिनका सेठपना मोहल्ले में आज भी कायम है।

रविंद्र सिंह लखरत, बाबूलाल लठमार, चांदमल हिटलर, मोहन पंचायती, लाला मुल्कराज, सरदारमल लालवानी, नाहर सिंह सूरमा भोपाली, कन्हैयालाल 'बीड़ी' और के. अमीनउद्दीन-301 तो अपनी शान और रसूख़ के लिए पहचाने जाते हैं। अखिलेश अग्रवाल गफूरे और वहीद अग्रवाल की उर्फ़ियतें उनकी दोस्ती और कारोबार की दास्तान सुनाती हैं। हफ़ीज़ पाजामे और चांद कटोरे का नाम सुनते ही भोपाल मुस्कुरा उठता है, वहीं चांद चुड़वे मोहल्ले की कहानियों के नायक हैं। सुरेश 501, अनिल अग्रवाल पटीये, और देवेश सिमहल वकील साहब अपने नाम से ही काफ़ी असरदार हैं। बाबू साहब घोड़े और बाबू साहब नाम की सादगी में गजब की शान है। आलू बड़े, ज़ायकों की दुनिया के हीरो हैं, और लोक सिंह ताल ठोंकू हर बहस में जीत की गारंटी हैं। रईस भूरा, मुन्ने मॉडल ग्राउंड, मुन्ने पेंटर, मुईन क़द्दे और माहिर मदीना - ये नाम जैसे ही कान में पड़ें, पूरा मोहल्ला मुस्करा उठता है।

भोपाल की गलियों में लोग नाम से कम और उर्फ़ियत से ज़्यादा जाने जाते हैं। जावेद चपटे और जावेद चिराटे जैसे नामों में मज़ाकिया तंज है, तो बन्ने पहलवान और बन्ने लखेरा में मोहल्ले की दो अलग-अलग शख्सियतें झलकती हैं। कल्लू अट्ठे, बाबू भड़भुजे, मुन्ने फुक्की, ईरानी और डूंड जैसे नाम रोज़मर्रा की आदतों, मज़ाक या पेशे से जुड़े हैं। सईद बुल, छुटकटे, वहीद ढेलकी, आरिफ पिस्स, और अनफिट भोपाल की उस खास तासीर को दर्शाते हैं, जहां हर नाम के पीछे एक किस्सा है — हँसी, अपनापन और तंज से भरा। यही भोपाल की असली पहचान है — उर्फ़ियतों में बसी यारी और यादें।

भोपाल की इन मज़ेदार उर्फ़ियतों में वो अपनापन है, जो किसी [illegible] में नहीं मिलता - सिर्फ मोहल्लों की यादों और बातों में ही जिंदा रहता है।

भोपाल में हिंदू-मुस्लिम एकता : सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की मिसाल

भोपाल की सांस्कृतिक विरासत की सबसे मजबूत कड़ी उसकी हिंदू-मुस्लिम एकता है, जो सिर्फ सामाजिक सौहार्द का प्रतीक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक संघर्षों के बीच पनपी सहिष्णुता और साझेदारी की अनूठी मिसाल है। जब देश के अन्य हिस्सों में अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' नीति ने सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया, तब भी भोपाल ने अपनी गंगा-जमुनी तहज़ीब को संजोए रखा। हर वर्ग के लोगों ने एक दूसरे से बहुत प्यार मोहब्बत के साथ दिली लगाव रखा। सन 1812 की लड़ाई में हिंदू योद्धाओं जैसे डांगर सिंह, जय सिंह, और अमन सिंह पटेल ने भोपाल की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि युद्ध में महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी की, यह दिखाते हुए कि भाईचारा केवल धार्मिक स्तर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के स्तर पर भी जीवित था। भोपाल रियासत के प्रशासन में हर कालखंड में हिंदुओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। दीवान (प्रधानमंत्री) जैसे उच्च पदों पर लाला घानी राम, लाला फूलानाथ, राजा अवध नारायण जैसे हिंदू अधिकारी रहे। यह समावेशिता केवल औपचारिक नहीं थी — ये अधिकारी नवाबों के विश्वासपात्र भी थे। नवाब क़ुदसिया बेग़म के दरबार में एक हिंदू, एक मुसलमान और एक ईसाई मंत्री नियुक्त थे — यह उस समय की धार्मिक विविधता के प्रति सम्मान का प्रतीक था। रियासत के इंजिमाम (शामिल करने) के बाद शरीफ़ शरणार्थियों में (उच्च परिवार के शरणार्थी) सरदार गुरबख्श सिंह भी थे, जिनके बेटे अमरीक सिंह रंजीत होटल चलाते हैं। वे बहू मियाँ के साथ ईद पर नवाब साहब को सलाम करने जाते। एक बार नवाब साहब ने पूछा कि भोपाल कैसा लग रहा है, तो सरदार साहब ने हाथ जोड़कर कहा कि जहाँ गरीब परवर सरकार का साया हो, वहाँ कोई कैसे न खुश हो — यह कहते हुए वे भावुक हो गए।

धार्मिक सहिष्णुता के उदाहरण

नवाबों ने हिंदू नागरिकों और जागीरदारों के अधिकारों को बराबरी से सम्मान दिया। नवाब सुल्तान जहां बेग़म ने रंग पंचमी पर रंग और सावन के झूले जैसे हिंदू पर्वों में भाग लिया, और गरीब हिंदुओं के लिए सदाव्रत योजना शुरू की, जिसमें उन्हें भोजन और यात्राओं के लिए सामग्री दी जाती थी। हवा महल की दीवार इसलिए टेढ़ी बनाई गई क्योंकि पास के एक हिंदू नागरिक ने अपनी जमीन बेचने से इनकार किया था — सरकार ने उस निर्णय का सम्मान किया। भोपाल में न कभी विशुद्ध मुस्लिम मोहल्ले रहे, न विशुद्ध हिंदू — सब एक साथ रहते थे। त्योहार, शादियाँ, दु:ख-सुख सब साझे होते थे। इसी समरसता ने उर्दू भाषा के विकास को सहज वातावरण दिया। उर्दू न केवल दरबार की भाषा बनी, बल्कि आम जीवन की भाषा भी, जिसमें दोनों समुदायों ने योगदान दिया। भोपाल का इतिहास केवल एक रियासत की कहानी नहीं, बल्कि यह सांप्रदायिक सौहार्द, धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक सहभागिता का जीवंत दस्तावेज़ है। यह आज के भारत के लिए भी एक प्रेरणा है कि विभिन्न धार्मिक समुदाय कैसे सम्मान, सहयोग और साझा विरासत के आधार पर एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

भाईचारे की कहानियाँ - रिश्तों की गर्मी

भोपाल एक ऐसा शहर है जहां किसी एक विशेष समुदाय के मोहल्ले नहीं बल्कि सारे समुदाय समझदारी, भाईचारा और आपसी प्रेम के साथ एक साथ रहते हैं। किसी आपदा-विपदा में एक-दूसरे की मदद करते नजर आते हैं। मैं खुद भोपाल के इतवारा मोहल्ले का निवासी रहा हूँ। हमारे पुश्तैनी मकान के सामने साहू समाज का परिवार रहता था, जो आज भी हमारे दिल के बेहद करीब है। मेरी बहन ने इस परिवार को राखी बाँधी थी। मेरी बारात में ये परिवार हमारे साथ सीहोर तक गया, और जब 1977 में मेरी माताजी का निधन हुआ, तो पहली रसोई इन्हीं के घर से आई। आज भी हमारे सुख-दुख में वही आत्मीयता बरकरार है।

दिनों के नाम पर मोहल्लों के नाम

भोपाल की दिलचस्प रचनात्मकता इसके मोहल्लों के नामों में भी झलकती है - मंगलवारा, बुधवारा, इतवारा, जुमेराती, पीरगेट - इन मोहल्लों में किसी एक समुदाय की पहचान नहीं बल्कि पूरे शहर की साझी संस्कृति की झलक मिलती है। यही कारण है कि यहाँ के लोग आपदाओं में एक-दूसरे की मदद के लिए सबसे पहले खड़े नजर आते हैं। शुजा ख़ां का अट्टा भोपाल की उन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गलियों में से एक है, जिसकी मिट्टी ने कई नामचीन और असरदार शख़्सियतों को जन्म दिया है। यूँ तो रियासत भोपाल में जुमेराती के काका मियाँ, इब्राहीमपुरा के तब्बू मियाँ और शफ़ीक़ पठान, लक्ष्मी टॉकीज़ के रफ़्फ़ू पहलवान, बुधवारा के डॉक्टर ज़हीरुलइस्लाम, इमामी गेट के हकीम अख़्तर आलम और सर्राफा चौक के मुन्नू लाल जोहरी जैसे कई मशहूर लोग गुज़रे हैं, मगर शुजा ख़ां का अट्टा की अपनी एक अलग ही तारीख़ है। यहाँ की सरज़मीन न केवल ज़रखेज़ रही है, बल्कि इसने समाज, अदब और कारोबार के कई सितारों को भी रौशन किया है। समय के साथ यह इलाका अब एक बड़ा कारोबारी केंद्र बन चुका है, जिसकी वजह से पुराने बाशिंदों के कई ख़ानदान सुकून की तलाश में शहर के अलग-अलग वीआईपी इलाकों में जाकर बस गए हैं। लेकिन इस मोहल्ले की रौनक कभी ज़हूर हाश्मी, शिक्षाविद डॉ. सैय्यद अशफ़ाक अली, खान शाकिर अली खान, शायर अख़्तर सईद ख़ां, नवाब मियाँ 'सिगरेट', मौलाना इमरान ख़ां, अल्लामा खालिद अंसारी, शर्की खालिदी और सालिक भोपाली जैसे रौशन चहरों से जगमगाया करती थी।

भोपाल : धर्मनिरपेक्ष पहचान का प्रतीक

भोपाल के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक, काली माता का मंदिर, छोटे तालाब क्षेत्र में स्थित है और एक ऐतिहासिक धार्मिक स्थल के रूप में जाना जाता है। वहीं एयरपोर्ट क्षेत्र में स्थित मनुआभान की टेकरी पर श्वेतांबर जैन समुदाय का एक प्रसिद्ध मंदिर है। अब इस टेकरी को महावीर गिरी के नाम से भी जाना जाने लगा है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। बिड़ला मंदिर भोपाल का श्रद्धा का केंद्र है। चौक स्थित प्राचीन आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बहुत मशहूर है। इसके साथ ही बिडला मंदिर सहित अनेक मंदिर आस्था के केन्द्र है। भोपाल में सिख धर्म की उपस्थिति सुदीर्घ और प्रभावशाली रही है, जिसका प्रतीक हैं शहर के तीन प्रमुख ऐतिहासिक गुरुद्वारे - शाजहानाबाद, हमीदिया रोड और इदगाह हिल्स। शाजहानाबाद स्थित गुरुद्वारा नानकसर 19वीं सदी में स्थापित हुआ और आज भी गुरबाणी, संगत और लंगर की परंपराओं को जीवंत रखे हुए है। हमीदिया रोड का गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा शहर का प्रमुख धार्मिक व सामाजिक केंद्र है, जहाँ कीर्तन, शिक्षण शिविर और सामूहिक सेवाएं नियमित रूप से होती हैं। वहीं इदगाह हिल्स स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार आध्यात्मिक शांति व प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल है, जहाँ पर्वों पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में एकत्र होते हैं। ये तीनों गुरुद्वारे न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि सेवा, एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल भी पेश करते हैं। भोपाल की सबसे पुरानी चर्चें शहर के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण हैं। सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी कैथेड्रल चर्च 150 वर्षों से अधिक पुराना है और नवाब सिकंदरजहां बेगम की अनुमति से ब्रिटिश काल में बना। इसकी वास्तुकला और शांति इसे प्रार्थना का प्रिय स्थल बनाते हैं। सेंट जोसेफ कैथोलिक चर्च एक शांत वातावरण वाला यह चर्च, भोपाल की सबसे पुरानी पूजा स्थलों में से है, जो सामुदायिक कार्यक्रमों और त्योहारों में सक्रिय भूमिका निभाता है। इन्फेंट जीसस चर्च की सुंदर वेदी और क्रिसमस के अवसर पर भव्य सजावट इसे विशेष बनाती है। यह धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। इन चर्चों की उपस्थिति भोपाल की सर्वधर्म समभाव की परंपरा को और मजबूत बनाती है।

भोपाल-नंबरों का शहर

वक्त के साथ भोपाल शहर बढ़ता गया, नई बसाहटों के नए-नए नाम आये। विस्तारित हुए शहर भोपाल के इलाकों की शिनाख्त नंबरों से भी होती है। सबसे पहले आता है 1250, मतलब जिला अस्पताल जयप्रकाश चिकित्सालय, जिसे ज्यादातर लोग 1250 या जेपी अस्पताल कहते हैं। अस्पताल का नामकरण इस इलाके में बने 1250 सरकारी आवासों से है। आवास और अस्पताल दोनों 1250 के नाम से जाने जाते हैं। करीब ही सेकेंड है, यानी कभी यहां सिटी बस को दो नंबर स्टॉपेज हुआ करता है। हालांकि, इलाके का असली नाम तुलसीनगर है। सेकंड से आगे बढ़े तो मालूम नहीं क्यों तीन व चार ग़ायब हैं और सीधे पांच नंबर इलाका और पांच नंबर मार्केट। असलियत में ये शिवाजी नगर इलाके का हिस्सा है। पांच के बाद छह नंबर भी शिवाजी नगर का ही हिस्सा है। इतना ही नहीं मिनी बस वालों और यात्रियों की सहूलियत के लिये छह नंबर और सात नंबर स्टॉप के बीच सवा छह और साढ़े छह भी हैं। इन इलाकों में रहने वाले खुद के पते के बारे में यही बताते हैं। सात नंबर के बाद आठ नंबर स्टॉप को आठ नंबर कम रविशंकर मार्केट के नाम से ही जाना जाता है। यहां के वाणिज्यिक इलाके को नौ नंबर के नाम से जाना जाता है। आगे 10 और 11 नंबर के बीच साढ़े 10 नंबर भी पता बन चुका है। इसके बाद 11 नंबर और उससे बायीं तरफ 1100 आ गया। यहां भी इलाके की पहचान 1100 सरकारी क्वार्टर्स की वजह से है। वापस बस स्टॉप की रवायत में आएं तो 11 नंबर से आगे बढ़े तो 12 नंबर, और इसी लिये भोपाल के नए शहर के पीडब्ल्युडी दफ्तर के भवन को 12 नंबर दफ्तर के नाम से जाना जाता है। नंबरों वाला होने में शहर के सबसे ज्यादा पॉश इलाके भी पीछे नहीं हैं। चार इमली, 74 बंगले और 45 बंगले हैं। जहां संतरी से मंत्री तक और बाबू से सबसे बड़े बाबू (आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अफसर) के साथ ही राज्य शासन के दूसरे अफसर रहते हैं। चार इमली के बारे में शहर के बुजुर्ग बताते हैं कि जब भोपाल राजधानी नहीं था तब यहां घना जंगल था और इमली के चार बड़े पेड़ थे। पैंतालीस और चौहत्तर बंगले भी बंगलों की संख्या के कारण बने। अब शहर का प्रसार निरंतर हो रहा है। नित-नए इलाके प्रकट हो रहे हैं। अब भोपाल शहर पूंछ की तरफ बढ़ रहा है। पूंछ में शामिल हो रहे हैं होशंगाबाद रोड एनएच-12 के दोनों तरफ के आर्केड, पैलेस, विला, विहार और पुरम। नई कॉलोनियों की बसाहट भोजपुर की ओर जाने वाले मोड़ तक पहुंच गई है। भोपाल की लंबी होती पूंछ की फिलवक्त लंबाई मील में है, लिहाजा इसे 11 मील कहते हैं।

भोपाल का गुटका, बटुआ और नवाबी बटुए

एक ज़माना था जब भोपाल के गुटके की खासियत हर जगह मशहूर थी। ये वो गुटका नहीं, जो आज की तरह लोगों की जेब में रहता है, बल्कि ड्रायफ्रूट, रंग-बिरंगे मसालों और इत्र की सुगंध से तैयार होता था, जिसे खूबसूरत बटुओं में सजाकर पेश किया जाता था। भोपाल के 'बटुए' नवाबी शान की निशानी थे, और आज भी सर्राफा बाजार की कुछ दुकानों पर यह परंपरा जीवित है।

आधुनिक भोपाल की ओर : स्मार्ट सिटी की उड़ान

वर्तमान में भोपाल एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रहा है। ओवरब्रिज, स्मार्ट रोड, मेट्रो रेल जैसे प्रोजेक्ट्स पुराने शहर को नए शहर से जोड़ रहे हैं। एयरपोर्ट अब भी विशेष सेवाओं के लिए कार्यरत है और पुराने दौर की 'पुतली घर' नामक कपड़ा मिल की मीनार आज भी इतिहास की गवाही देती है।

दुआओं में बसा है मेरा भोपाल

मेरे अतीत के झरोखे से कुछ यादगार पल जो मैंने आज भी अपनी यादों में संजोकर रखे हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि 71 वर्ष की उम्र में आज भी भोपाल की इस संस्कृति, भाईचारे और शांति से जुड़ा हूँ। यही दुआ करता हूँ कि यह शहर सदा यूं ही फले-फूले, इसकी गंगा-जमुनी तहज़ीब को कभी कोई बुरी नज़र न लगे और इसकी खूबसूरती बनी रहे।

दैनिक विनय उजाला
ताहिर अली
(लेखक जनसंपर्क संचालनालय, म.प्र. शासन, के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)।

एक से डेढ घंटे तक हरसूद अस्पताल में एम्बुलेंस के लिए परेशान होते रहे गंभीर घायल के परिजन

मकान की दीवार गिरने से घायल हुआ था फोकटपुरा निवासी एक युवक

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। शुक्रवार शाम को नया हरसूद में एक मकान की दीवर गिरने से फोकटपुरा निवासी जीतू नामक एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे शाम 5 बजे तक के लगभग गंभीर अवस्था में वार्ड क्रमांक 5 निवासी शिवा हरसूद अस्पताल लेकर पहुंच थे। जहां पर डॉक्टर आशीषराज मिश्रा द्वारा घायल युवक का प्राथमिक उपचार किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने गंभीर घायल युवक को खंडवा रैफर करने का कहा। शाम 5 बजे हरसूद अस्पताल पहुंचे गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल खंडवा ले जाने के लिए खालवा से एम्बुलेंस शाम 7 बजे के लगभग हरसूद अस्पताल पहुंची। जिसके बाद घायल युवक को जिला चिकित्सालय खंडवा रैफर किया गया। करीब एक से डेढ घंटे तक घायल युवक की मां हरसूद अस्पताल में हाथ जोडकर जल्दी एम्बुलेंस बुलवानी की गुहार लगाती रही।

हरसूद अस्पताल से खालवा की दूरी 20 किलोमीटर : हरसूद अस्पताल से खालवा की दूरी 20 किलोमीटर के लगभग है। उसके बावजूद काफी देर से खालवा से एम्बुलेंस हरसूद अस्पताल पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवक की हालत देखकर उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। करीब एक से डेढ घंटे तक घायल की मां जल्दी एम्बुलेंस बुलाने के लिए हाथ जोडकर गुहार लगाती रही।

हरसूद अस्पताल में आए दिन आती है एम्बुलेंस की समस्या : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सिविल अस्पताल का दर्जा पा चुके हरसूद अस्पताल में हमेशा एम्बुलेंस का टोटा बना रहता है। वाहन दुर्घटना सहित अन्य मामलों के अधिकांश मरीजों को डायल 100 वाहन द्वारा हरसूद अस्पताल पहुंचाया जाता है।

बाजार भाव

इंदौर मंडी

चमकीली धातुओं में तेजी

इंदौर (व्यापार प्रतिनिधि)। चना कांटा 6150 - 6200 विशाल चना 5900 - 5950 डंकी चना 5600 - 5650 मसूर 6100 - 6150 नई 6000 मूंग एवरेज 7200 - 7700 मूंग (गर्मी का) 8000 - 8200 उड़द (गर्मी) बेस्ट - 8300 - 8800 एवरेज मीडियम उड़द 6500 - 7800 हल्की उड़द 3000 - 5000 रुपए।

तिलहन - (प्रति क्विंटल)- सोयाबीन 4375 - 4400 सरसों निमाड़ी बारीक 5800 - 5850 एवरेज बारीक 5000 - 5005 रुपए।

दाल भाव (प्रति क्विंटल) - तुअर दाल फूल 11000 - 11200 तुअर दाल सवा नंबर 10800 - 11000 चना दाल 8100 - 8200 एक्स्ट्रा बोल्ड 9100 मसूर दाल 7500 - 7550 मूंग दाल 9200 - 9400 मूंग मोगर 9600 - 9700 उड़द दाल 12500 - 13000 उड़द मोगर 12500 - 13000 रुपए।

तेल बाजार (प्रति 10 किलो) - मूंगफली तेल इंदौर 1470 - 1480 मुबंई 1520 - 1525 गुजरात 1485 - 1490 सोया रिफाइंड तेल इंदौर 1315 - 1320 सोया सॉल्वेंट 1255 - 1270 इंदौर पाम ऑइल 1425 - 1430 रुपए।

मावा - 340 रुपए किलो।

इंदौर सराफा बाजार -
सोना 10 ग्राम 89800 रुपए।
चाँदी 100000 रुपए किलो।
चाँदी सिक्का 1100 रुपये प्रति नग।
सोना 3025 डॉलर प्रति औंस
चाँदी 3343 सेंट प्रति औंस

संक्षिप्त समाचार

राशन वितरण प्रणाली के तहत शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को ईकेवाईसी करने के लिए प्रेरित किया जा रहा: पांडे

अलीराजपुर, निप्र। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री तपीस पांडे ने बताया कि कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने जिले के समस्त हितग्राहियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत खाद्यान्न शासकीय उचित मूल्य दुकानों में ई केवाईसी के शिविर के माध्यम से जोड़ने के लिए आदेशित किया गया था। जिसके परिपालन में अलीराजपुर तहसील के ग्राम बंद में औचक निरीक्षण किया गया इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को ईकेवाईसी से करवाने का अनुरोध किया गया साथ ही उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि शेष हितग्राहियों के घर घर जाकर ईकेवाईसी के कार्य को गति प्रदान कर शत प्रतिशत ग्रामीणों को राशन वितरण प्रणाली का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

शासन द्वारा ईकेवाईसी की तिथि 31 मई निर्धारित

अलीराजपुर, निप्र। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी खाद्य आपूर्ति श्री जीपी अग्रवाल ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत खाद्यान्न शासकीय उचित मूल्य दुकानों में ई केवाईसी से संबंधित वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक का आयोजन हुई। इस वीसी के माध्यम से जानकारी दी गई की जिला अलीराजपुर में 1 लाख 46 हजार के लगभग सदस्यों के द्वारा ईकेवाईसी होना शेष है। शेष हितग्राहियों की ईकेवाईसी करने के लिए शासन स्तर से निर्णय लेकर आगामी 31 मई 2025 तक ईकेवाईसी के लिए तिथि निर्धारित की गई। नियमित तिथि के पश्चात भारत सरकार द्वारा शेष सदस्यों की ईकेवाईसी से संबंधित गंभीर निर्णय लिया जाएगा। शेष हितग्राहि जल्द से जल्द अपनी पात्रता पर्ची के लिए ईकेवाईसी करना सुनिश्चित करें।

अब 21 मई तक कर सकेंगे स्वैच्छिक स्थानांतरण के आवेदन

डही, निप्र। इन दिनों शिक्षक एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए ऑनलाइन स्वैच्छिक स्थानांतरण के आवेदन कर रहे हैं। आवेदन करने की तिथि शासन द्वारा बड़ा दी गई है। इससे शिक्षकों को राहत मिली है। मप्र ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी इरफान मंसूरी डही ने बताया की अब शिक्षा विभाग में स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए शिक्षक 21 मई तक आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों में से पात्रता के आधार पर शिक्षा विभाग द्वारा 25 मई को शिक्षकों के ट्रांसफर आदेश अपलोड कर दिए जाएंगे। इससे 1 जून से शुरू होने वाले नए सत्र के साथ ही शिक्षक अपने पसंद की स्कूल में काबिज हो सकेंगे। श्री मंसूरी ने बताया कि पूर्व में आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 मई थी।

खाद्य विभाग अंतर्गत जिले में 10 कम्प्यूटर ऑपरेटर्स के लिए निविदा आमंत्रित

खरगोन, निप्र। खाद्य विभाग अंतर्गत जिले के 9 विकासखण्ड में 1-1 कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं 01 जिला मुख्यालय के लिए इस प्रकार कुल 10 कम्प्यूटर ऑपरेटर्स (उच्च कुशल) की आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्ति के लिए पंजीकृत आउटसोर्स एजेंसियों से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की गई है। ऑन लाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 06 जून 2025 को दोपहर 03 बजे तक रखी गई है। ऑनलाईन तकनीकी निविदा 09 जून को अपरान्ह 04 बजे खोली जाएगी। वित्तीय निविदा 11 जून को दोपहर 03 बजे खोली जाएगी। जिला आपूर्ति अधिकारी भारत सिंह जमरे ने बताया कि कम्प्यूटर ऑपरेटर्स (उच्च कुशल) की सेवाएं कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर तथा एजेन्सी सेवा शुल्क पर की जाना है।

मूर्ख पाकिस्तानी अपनी ही हार का मना रहे जश्न : डॉ. के. के. त्रिवेदी

राष्ट्र वंदना कार्यक्रम में सशक्त नेतृत्व एवं मजबूत भारतीय सेना को दी गई बधाई

विनय उजाला

झाबुआ, निप्र। सामाजिक महासंघ झाबुआ के तत्वावधान में राष्ट्र वंदना कार्यक्रम 15 मई गुरुवार को रात्रि 8 बजे स्थानी राजवाड़ा चौक पर आयोजित किया गया सशक्त नेतृत्व एवं मजबूत सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को सभी मोर्चों पर परास्त करने को लेकर आयोजित किए गए राष्ट्र वंदना कार्यक्रम में शहर के 120 सामाजिक संगठनों 55 समाजो एवं 20 निर्धन बस्तियों के पदाधिकारी ने भाग लेकर भारत माता की जय वंदे मातरम भारतीय सेना जिंदाबाद सशक्त नेतृत्व जिंदाबाद जैसे राष्ट्रभक्ति नारों से पूरा राजवाड़ा चौक देशभक्ति के माहौल में सराबोर हो गया था इस आयोजन की खासियत यह थी कि इसमें किसी भी प्रकार की कोई भाषण बाजी नहीं की गई

केवल संचालन कर रहे इतिहास विद डॉक्टर के के त्रिवेदी ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करने वाली भारतीय सेना की पूरी गाथा बातकर लोगों को जोश में भर दिया आपने कहा कि पाकिस्तान के शासक और वहां की सेना आम पाकिस्तानियों को भ्रमित करके अपनी झूठी जीत का दावा कर रही है इन खोखले दावों से भ्रमित होकर मूर्ख पाकिस्तानी जनता दो दिन चले युद्ध में अपनी ही हार का जश्न मना रही है त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय सेना के जाबाजों ने पहलगांव में हुए आतंकवादी हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के रूप में जवाबी कार्रवाई करते हुए उनके 100 आतंकी,40 सैनिक ,11 एयरबेस एवं 9 आतंकी अड्डों को पूरी तरीके से तबाह कर दिया है जबकि पाकिस्तान द्वारा भारत पर किए गए ड्रोन एवं मिसाइल हमलो को पूरी तरीके से नाकाम कर दिया गया उसके बाद भी पाकिस्तान की सरकार व सेना झूठ बोलकर लोगों का मन बहला रही है हमारे डिफेंस सिस्टम आकाश एवं ह्य400 ने पाकिस्तान के 350 ड्रोन और सैकड़ो मिसाइल को आकाश में ही नष्ट कर दिया है भारत की स्ट्राइक के सबूत सेटेलाइट से भी देखे जा सकते हैं आज पूरे विश्व में पाकिस्तान हंसी का पात्र बनकर रह गया है

10 माशाल व 100 दिए लगाए गए : सामाजिक महासंघ के महासचिव उमंग सक्सेना एवं हरीश लाल शाह आम्रपाली ने बताया कि राष्ट्र वंदना कार्यक्रम में सर्व समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुवे सेना एवं सरकार को बधाई देने के लिए सो दीपक एवं 10 मसाला जलाकर सेना के पराक्रम की गाथा गाई गई।

होर्डिंग एवं तिरंगा ध्वज रहे आकर्षण का केंद्र

सामाजिक महासंघ के उपाध्यक्ष राधेश्याम परमार दादू भाई एवं हार्दिक अरोड़ा ने बताया कि राष्ट्र वंदना कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा होर्डिंग सभी के लिए चर्चा का विषय बना रहा इस होर्डिंग में भारत के मजबूत डिफेंस सिस्टम आकाश एवं ह्य4400 का चित्र दर्शाया गया था तो दूसरी ओर देश की शान ब्रह्मोस मिसाइल एवं राफेल का चित्र सभी को काफी आकर्षित कर रहा था ऑपरेशन सिंदूर की डिजाइन भी लोगों के लिए चर्चा का विषय बनी रही कार्यक्रम स्थल पर सर्व समाज के पदाधिकारियो के हाथ में तिरंगा ध्वज भारत की आन बान व शान का प्रतीक बनकर लहरा रहा था कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र भक्ति गीतों व भजन की प्रस्तुति के साथ-साथ राष्ट्रगान का भी आयोजन किया गया आभार सामाजिक महासंघ के अध्यक्ष नीरज सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर श्वेतांबर जैन समाज दिगंबर जैन समाज आदिवासी समाज आदिवासी भगत समाज पटेलिया समाज ब्राह्मण समाज राजपूत समाज स्वयं समाज पटेल समाज रजत समाज कायस्थ समाज नीमा समाज माहेश्वरी समाज कलाल समाज राठौर तेली समाज वाल्मीकि समाज मुस्लिम समाज पाटीदार समाज बैरागी समाज पालीवाल समाज भावसार समाज गुर्जर समाज सिख समाज सहित अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पंचायतों में ई-केवायसी का कार्य जोरों पर, कर्मचारी मुस्तैदी से कर रहे काम

नेटवर्क परेशानी के चलते करनी पड़ रही ग्रामीण क्षेत्रों में मशक्कत

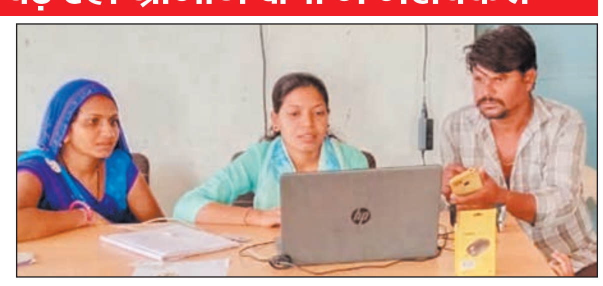

विनय उजाला

बाग, निप्र। शासन के निर्देश अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की ई केवायसी अनिवार्य करने के साथ ही हर पंचायत इस्तर पर ई केवायसी कार्य सरपंच सचिव रोजगार सहायक एवं मोब्लाईजर के द्वारा मुस्तेदी से किया जा रहा है। इसमें शासकीय उचित मुल्य के कर्मचारी भी लगे हुए हे जो राशन दुकान के ग्राहकों की ई केवायसी कर रहै।

ग्राम पंचायत अखाड़ा की मोब्लाईज ने इस कड़ी धूप में ई केवायसी कार्य को मुस्तेदी से अंजाम देते हुए। अपने टारगेट के शिखर तक पहुंच चूकी है। मोब्लाईजर ममता लोहारे बताया की ग्रामीण क्षेत्रो में बहुत सारी समस्याए भी आती हे उसके बावजूद शासन के निर्देश का पालन करते हुए ई केवायसी के कार्य को अंजाम दिया जा रहा है ओर घर घर जाकर लोगों को जागरुक कर ई केवायसी करवाई जा रही है। जिसमें हमारी सफलता में पंचायत मे टोटल 2287 ई केवायसी में सदस्य बाकी थे उसमें हमारे द्वारा 1477 वेरीफाई कर दिए हे अब सिर्फ 809 पेंडिंग हैं। इसी के साथ तकरीबन 64,58 प्रतिशत हमारे यहां ई केवायसी हो चूकी है साथ ही लोगों को इसके लिए बड़ा समझाना भी पड़ रहा हे ओर इसके फायदे भी बताए जा रहे हे तभी जाकर लोग इसके लिए एग्रि होते हे मोब्लाईजर ममता का सार्थक प्रयास से बहुत ही कम लोग ई केवायसी के लिए बचे हैं।

नेटवर्क प्राब्लम के चलते पहाड़ों ओर छतो पर चढ़कर ई केवायसी की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रो में नेटवर्क प्राब्लम के चलते ई केवायसी कर रहे कर्मचारियों को बड़ी मशक्कत का सामना भी करना पड़ रहा हे जो मकानों की छतों और पहाड़ीयों पर चढ़कर ई केवायसी की जा रही है। ग्राम पंचायत पाडल्या में पंचायत कर्मचारी सचिव रोजगार सहायक मोब्लाईजर घर घर जाकर कार्य को अंजाम दे रहे हैं ग्राम पंचायत पाडल्या कै सचिव अशरफ खान ने बताया की शासन के निर्देशानुसार डोर टु डोर जाकर ई केवायसी की जा रही हे उसमें कहीं समस्या भी आ रही हे बहुत से लोग घर नहीं मीलते तो अभी ग्रामीण क्षेत्रों में शादी ब्याह भी चलने से दिक्कते आ रही है साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की बड़ी समस्या रहती है। उसके लिए कभी किसी मकान की छत पर तो कभी पहाड़ी पर चढ़कर कार्य को करना पड़ रहा है। उसके बावजूद हमारी टीम ने पाडल्या में कुल 1940 मेसे 1355 की ई केवायसी कर के 69,55 प्रतिशत कार्य पुरा कर लिया है।

अब हर नागरिक है सुरक्षा योद्धा बने सिविल डिफेंस वारियर्स

विनय उजाला

डही, निप्र। वर्तमान में भारत-पाक तनाव के बीच तथा आगे भी जरूरत पड़ने पर देश के हर नागरिक को सुरक्षा योद्धा बनना चाहिए।? हालातों को देखते हुए सिविल डिफेंस वारियर्स चयन की कार्रवाई अब जिले में भी शुरू हो गई है।

डही-कुक्षी अनुभाग में एसडीएम विशाल धाकड़ ने जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सिविल डिफेंस वारियर्स चयन प्रक्रिया की कवायद शुरू की है। डही- कुक्षी अनुभाग में इसके लिए समिति का गठन किया जाकर एसडीएम श्री धाकड़ को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एसडीएम श्री धाकड़ ने कहा कि युद्ध या किसी आपदा के समय आप बिना सेना में भर्ती हुए भी लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा सकते हैं। इसमें शामिल होकर आप आंतरिक सुरक्षा कवच को मजबूत कर सकते हैं। ऐसे में युद्ध या किसी आपदा या आपात स्थिति से निपटने के लिए सिविल डिफेंस वॉलंटियर बनाए जाएंगे।

ये वॉलटिंयर्स जिला प्रशासन के साथ मिलकर लोगों की मदद करेंगे। इस योजना के तहत जिले के युवा, पूर्वसैनिक, स्वास्थ्य कर्मी और अन्य सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले लोग जिला प्रशासन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाकर एक गूगल फार्म भरकर सिविल डिफेंस वॉलंटियर बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इस ट्रेनिंग में रजिस्ट्रेशन करने वाले वॉलंटियर्स को राहत, बचाव व अन्य आवश्यक कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें प्रबंधन के गुण सीखाए जाएंगे। गौरतलब हो कि इस संबंध में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा द्वारा भी अपील जारी की गई है। ऐसे में अब आप नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक (सिविल डिफेंस वारियर्स) का आवेदन ऑनलाइन भी भर सकते है। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक के प्रथम चरण में 18 से 50 वर्ष की आयु के व्यक्तियों का चयन किया जाएगा। पात्र पाए जाने पर जिला प्रशासन आपसे संपर्क करेगा।

ग्रीष्म अवकाश दो माह कर जुलाई से शिक्षा सत्र शुरू करने की मांग

ग्रीष्म अवकाश में आ रही परीक्षा आगे बढ़ी, शिक्षकों को मिली राहत

विनय उजाला

डही, निप्र। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित कक्षा पांचवी और आठवीं बोर्ड की द्वितीय अवसर परीक्षाएं ग्रीष्म अवकाश में 22 मई से शुरू होने वाली थी। कर्मचारी संगठनों की मांग पर यह परीक्षाएं अब आगे बढ़ा दी गई है। अब इन दोनों कक्षाओं की द्वितीय अवसर वार्षिक परीक्षाएं ग्रीष्म अवकाश 31 मई पूरा होने के बाद 2 जून से शुरू होगी। इससे शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है।

मप्र ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने इसके लिए राज्य शिक्षा केंद्र का आभार व्यक्त किया है।

संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी इरफान मंसूरी डही ने बताया कि शिक्षकों का ग्रीष्म अवकाश 1 मई से 31 मई तक लागू है। लेकिन इस एक माह के ग्रीष्म अवकाश यानी विश्राम अवकाश में भी शिक्षकों से प्रशिक्षण सहित अन्य कार्य लिए जा रहे हैं। साथ ही 22 मई से पूर्व निर्धारित समय सारणी अनुसार कक्षा पांचवी और आठवीं की द्वितीय अवसर वार्षिक परीक्षाएं शुरू होने के निर्देश दिए गए थे। ऐसे में कई शिक्षकों को मई के अंतिम सप्ताह में परीक्षाएं संचालित करनी पड़ती। ऐसे में शासन से मांग की जा रही थी की परीक्षाएं आगे बढ़ाई जाए। शिक्षकों के लिए एक जून से विद्यालय लगने प्रारंभ हो जाएंगे। जबकि विद्यार्थियों के लिए 16 जून से स्कूल लगेंगे। ऐसे में अब पांचवी- आठवीं द्वितीय अवसर की वार्षिक परीक्षाएं दो जून से शुरू होने से शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी। इधर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर और धार जिला अध्यक्ष शैलेश मालवीय ने बताया कि शिक्षकों के ग्रीष्म अवकाश लगातार कम किए जा रहे हैं। अब तो एक माह के ग्रीष्म अवकाश में भी शिक्षकों से कई कार्य लिए जाने लगे हैं। ऐसे में उन्हें पूरी तरह से विश्राम अवकाश का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। उनका तो यहां तक कहना है कि शासन ग्रीष्म अवकाश को पूरी तरह खत्म कर शिक्षकों को भी अन्य कर्मचारियों की तरह प्रति शनिवार के अवकाश का लाभ प्रदान करें। संगठन के वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश पाटीदार, महासचिव शिरीन कुरैशी, सुरेश यादव, मनीष पवार, संयुक्त सचिव अरूण कुशवाह, ब्लॉक अध्यक्ष सरूपचंद मालवीया का कहना है कि अप्रैल और जून में शुरू होने वाला शिक्षण सत्र अब तक सफल नहीं हो पा रहा है। शिक्षकों की लाख कोशिश के बावजूद बच्चे पूरी तरह से स्कूल नहीं आ पाते हैं। साथ ही गर्मी के दौर में उनके स्वास्थ्य की चिंता भी बनी रहती है। वहीं विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की मानसिकता पूर्व की तरह जुलाई में ही स्कूल आने की बनी हुई है। ऐसे में मई और जून दो माह का ग्रीष्म अवकाश प्रदान कर जुलाई से ही नया शिक्षा सत्र शुरू किया जाए तो ज्यादा बेहतर रहेगा।

जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम आने पर झाबुआ कलेक्टर नेहा मीणा ने किया गुरुकुल अकादमी की छात्रा परिधी गेहलोत का सम्मान

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। गुरुकुल अकादमी पेटलावद द्वारा सी. बी. एस. ई बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट शत प्रतिशत दिया है। इस विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा परिधि गेहलोत ने वाणिज्य संकाय में 95.8ल्न बनाकर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। झाबुआ जिला कलेक्टर नेहा मीणा ने छात्रा परिधि गेहलोत को सम्मानित किया। प्राचार्य अतुल मेहता ने बताया कि विद्यालय के शिक्षक सत्र के प्रारंभ से ही विद्यार्थियों के साथ कड़ी मेहनत करते हैं इसी का परिणाम है कि 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहता है। विद्यालय द्वारा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है इस उपलब्धि पर कलेक्टर नेहा मीणा ने छात्रा परिधि गेहलोद को सुभाशीष प्रदान किया तथा जीवन मे लक्ष्य को कैसे प्राप्त करें तथा कठिनाइयों का सामना कैसे करें उसके लिए सारगर्भित मार्गदर्शन दिया तथा विद्यालय परिवार और शिक्षा विभाग को उत्कृष्ट परिणाम के लिए बधाई दी।

छात्रा ने किया कलेक्टर मेम का आभार लिया आशिर्वाद ओर प्रेरणा : छात्रा परिधि ने कहा की आप का अनमोल मार्गदर्शन मेरे जीवन मे मिल का पत्थर साबित होगा तथा भविष्य की चुनौतीयों मे लक्ष्य को प्राप्त करने मे सम्बल का कार्य करेंगे..... जैसे कलेक्टर मेम ने प्रधानमंत्री उत्कृष्ट पुरुस्कार प्राप्त कर जिलें का गौरव बढ़ाया ऐसे मे भी जिले तथा अपने क्षेत्र का नाम आप सभी के आशीर्वाद से रोशन करने का प्रयास करुंगी।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रुपसीह जी बामनिया संस्था संचालक हर्षिता चौहान प्रचार्य अतुल मेहता और परिधि के पालक शैलेन्द्र सिंह गेहलोद और माता नम्रता सिंह गेहलोत उपस्थित थे।

नगर मनावर में ऑपरेशन सिंदूर का गौरवशाली आयोजन के साथ तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया

पदयात्रा के माध्यम से शहीदों और वीर जवानों के बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की

विनय उजाला

मनावर, निप्र। नगर मनावर में ऑपरेशन सिंदूर का गौरवशाली आयोजन के साथ तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य और आपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए जवानों को सम्मान और धन्यवाद अर्पित करना है। उक्त पदयात्रा राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत रही, जिसमें नगर के नागरिकों, व्यापारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

तिरंगा पदयात्रा में देश भक्ति नारे लगाते हुए अपने-अपने हाथों में ध्वज लहराते हुए चल रहे थे। तिरंगा पदयात्रा के आगे देशभक्ति गीत भी चलाए जा रहे थे। पदयात्रा के पीछे चल रहे वाहन में भारत माता का चित्र एव सेवानिवृत्ति इंडियन आर्मी के दिनेश जाट सवार होकर साथ चल रहे थे जिसका नागरिकों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया मां नदी किनारे स्थित राम मंदिर से तिरंगा पदयात्रा प्रारंभ होकर चौपाटी स्टेट विजय स्तंभ पर पहुंची जहां पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की इसके पश्चात पदयात्रा क्रांति चौपाटी से होते हुए में बाजार गांधी चौराहा वीआईपी चौपाटी होते हुए धार रोड स्थित मंडी प्रांगण में पहुंची जहां पर तिरंगा यात्रा का समापन भारत माता की आरती के साथ किया गया तिरंगा यात्रा में नगर के सर्व समाज बड़ी संख्या में उपस्थित हुए वहीं महिलाएं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता देश के सम्मान में हर नागरिक मैदान में के नारे लगाते हुए बड़ी संख्या में शामिल हुई।

तिरंगा पदयात्रा आयोजन न केवल भारतीय सेना के शौर्य का प्रदर्शन है, बल्कि नागरिकों के समर्पण की झलक भी प्रस्तुत करेगा पदयात्रा के माध्यम से शहीदों और वीर जवानों के बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस पदयात्रा में, राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को निभाएं और देश की सुरक्षा में जुटे जवानों का मनोबल बढ़ाएं।

तिरंगा पदयात्रा में कई युवा हाथों में तिरंगा ध्वज लहराते हुए चल रहे थे इस तिरंगा पदयात्रा के अवसर पर मुनिश्री ज्योतिषरत्न द्विव्यचंद्रविजय महाराज मुनिश्री वैराग्ययश विजय महाराज केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर.ने भी तिरंगा पद यात्रा में उपस्थित होकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर पाकिस्तान हमले से संबंधित बात कही इस तिरंगा पदयात्रा में केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर, मुनिश्री ज्योतिषरत्न द्विव्यचंद्रविजय महाराज, मुनिश्री वैराग्ययश विजय महाराज, पूर्व सांसद छतर सिंह दरबार, भाजपा धार जिला ग्रामीण अध्यक्ष चंचल पाटीदार , धार जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेडा, धर्मपुरी विधायक कालु सिंह ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य शिवराम कन्नौज, गणेश जर्मन कपिल सोलंकी , विनोद शर्मा , नगर पालिका अध्यक्ष अजय पाटीदार, सौरभ शर्मा व समाज के वरिष्ठ रमेश कुशवाह भाजपा धार ग्रामीण जिले से आए सभी मंडल अध्यक्ष एवं सभी पत्रकार गण सहित बड़ी संख्या में नागरिक सहीत ग्रामीण जिले से आए देशभक्ति इस तिरंगा पदयात्रा में सम्मिलित इस कार्यक्रम का आभार भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष चंचल पाटीदार ने माना।

संक्षिप्त समाचार

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

बड़वानी, निप्र। शासकीय आदर्श महाविद्यालय बड़वानी में कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत हेल्पडेस्क द्वारा सत्र 2025- 26 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधित जानकारी दी जा रही है, प्राचार्य डॉ प्रमोद पंडित के निर्देशन एवं डॉ दिनेश पाटीदार के मार्गदर्शन में कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है, प्राचार्य ने बताया उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया, नियमानुसार सुचारू रूप से संपादित करने हेतु प्रक्रिया चलाई जा रही है, अभियान प्रभारी डॉ रितेश भावसार ने बताया महाविद्यालय में अभियान में द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रवेश पूर्व कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, तथा महाविद्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया जिसके द्वारा महाविद्यालय में नवीन सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को जानकारी दी जा रही है । विद्यार्थी अपने पालको के साथ महाविद्यालय विजिट कर रहे हैं स हेल्प डेस्क प्रभारी डॉ नारायण पाटीदार एवं डॉ राजेंद्र चौहान ने विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधित जानकारी दी। डॉ सुनीता सोलंकी, डॉ संजय हिरवे, डॉ तंजीम शेख, डॉ धर्मेंद्र जाटव एवं समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफका सहयोग रहा।

शिक्षकों की समस्या के निराकरण के लिए 20 से 24 मई तक विकासखण्ड स्तर पर शिविर लगाने के निर्देश

खरगोन, निप्र। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र कानुड़े ने जिले के बड़वाह एवं कसरावद विकासखण्ड के खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विकासखण्ड स्तर पर शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए 20 से 24 मई तक शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। इन शिविरों के आयोजन के लिए समिति का गठन करने कहा गया है। समिति में विकासखण्ड के दो प्राचार्य, एक गणक एवं एक उच्च माध्यमिक शिक्षक को शामिल करने कहा गया है। इन शिविरों में शिक्षकों के क्रमोन्नत वेतनमान, समयमान वेतनमान, वेतनवृद्धि, सेवा अभिलेखों का संधारण जैसी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

बीएसी, सीएसी की अंतरिम सूची पर 17 मई तक दावे-आपत्ति आमंत्रित

खरगोन, निप्र। सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक खेमराज सेन ने बताया कि जिले में बीएसी एवं सीएसी के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए जिला कार्यालय द्वारा पात्र-अपात्र शिक्षकों की अंतरिम सूची तैयार कर सूचना पटल पर चस्पा की गई है। इस अंतरिम सूची पर यदि किसी को आपत्ति हो तो वे अपने दावे-आपत्ति 17 मई तक लिखित में कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र खरगोन में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के पश्चात पात्र दावे-आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

मण्डलेश्वर में मध्यस्थता जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

खरगोन, निप्र। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीष एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर अखिलेश जोशी की अध्यक्षता में 16 मई को जिला न्यायालय मण्डलेश्वर के सभाकक्ष में पक्षकारों के लिए मध्यस्थता जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर अखिलेश जोशी ने कहा कि मध्यस्थता की प्रक्रिया में दोनो पक्षकारों के मध्य आपसी सुलह, समझाईश दी जाकर उनके प्रकरणों के निराकरण के लिए बेहतर प्रयास करने प्रशिक्षित मीडिएटर को नियुक्त किया जाता है।

ग्रामीणों को विधिक सहायता के प्रति किया जागरूक

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। जिले के ग्राम सजवानी में ग्रामीण समुदाय के बीच जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संस्था आस एवं जन साहस संस्था द्वारा संयुक्त रूप से विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री अमूल मंडलोई एवं विशेष अतिथि ग्राम पंचायत सरपंच श्री दिलीप रावत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में न्यायाधीश श्री अमूल मंडलोई ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका पर जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्था जिला न्यायालय में कार्यरत होती है और समाज के कमजोर, वंचित व असहाय वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने के लिए स्थापित की गई है। इसके अंतर्गत निःशुल्क वकील की सुविधा, प्रतिकर योजना का लाभ, तथा लोक अदालतों का आयोजन शामिल है।

इसी कड़ी में जन साहस संस्था के जिला समन्वयक श्री रविन्द्र खांडेकर ने बच्चों पर हो रही हिंसा की रोकथाम पर चर्चा करते हुए कहा कि यदि किसी बालक या बालिका के साथ छेड़छाड़, दुष्कर्म, अपहरण जैसी कोई घटना होती है, तो तुरंत पुलिस, चाइल्ड लाइन, या डालसा (जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) से संपर्क किया जा सकता है। साथ ही जन साहस संस्था के निःशुल्क हेल्पलाइन नंबरों की सहायता से बच्चों को मानसिक परामर्श, चिकित्सा सेवा एवं शिक्षा में मदद उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम में आस संस्था के प्रतिनिधि श्री संजय आर्य ने लोगों से अपील की कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का विवाह न करें और बाल विवाह के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का आभार जन साहस के जिला समन्वयक श्री संजय चौहान द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में गणेश वर्मा, रविन्द्र राठौड़, कान्हा राठौड़, मुकेश सोलंकी, ज्योति कुशवाह, पूजा वास्के, ज्योति यादव सहित गाँव के अनेक ग्रामीणजन उपस्थित थे।

यातायात पुलिस बड़वानी एवं आरटीओ की संयुक्त कार्रवाई

लोक परिवहन वाहनों और स्कूल-कॉलेज बसों का विशेष चेकिंग अभियान चलाया

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव,मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार दिनांक 13 मई से जिले में लोक परिवहन वाहनों एवं स्कूल/कॉलेज बसों की विशेष चेकिंग का अभियान प्रारंभ किया गया है।इस अभियान के अंतर्गत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है।

अभियान के दौरान बसों के फिटनेस,परमिट,अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स की उपलब्धता,निर्धारित सवारी क्षमता का पालन एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अन्य नियमों की जांच की जा रही है। उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित बस संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की गई। यह अभियान पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर के मार्गदर्शन में, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती रीना किराड़े, यातायात प्रभारी श्री विनोद सिंह बघेल, बड़वानी यातायात टीम एवं जिले के समस्त थाना प्रभारियों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। यातायात प्रभारी श्री बघेल ने बताया कि अब तक जिले में कुल 244 चालान बनाए गए हैं, जिनसे 1,12,900 रुपये का समन शुल्क वसूला गया है।

वर्तमान में स्कूलों की छुट्टियाँ होने के कारण सभी स्कूल संचालकों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन सहित पत्र प्रेषित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, स्कूल बसों की फिजिकल जांच एवं चालकों के चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया भी की जाएगी।

यह विशेष अभियान आगामी 31 मई 2025 तक लगातार जारी रहेगा।सभी बस संचालकों से अनुरोध है कि वे मोटर व्हीकल अधिनियम के नियमों का पूर्णतः पालन करें ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नालों-नालियों की साफ-सफाई कर गाद निकालने का विशेष अभियान चलाया

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए नगर के निकाय की स्वच्छता अमले द्वारा नाले / नालियों की साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मई माह से प्रारम्भ किये गये इस अभियान में वर्तमान तक नगर के 4 बड़े नालों तथा रहवासी क्षेत्र की 60-65 से अधिक नालियों की साफ-सफाई कर गाद निकालने का कार्य किया गया है।

वर्तमान में नगर के प्रमुख नाले जो कि चंचल चौराहा, कारगिल चौक, पालाबाजार, पुरानी पानी टंकी से झण्डा चौक होते हुए तिरछी पुलिया के नाले की साफ-सफाई करायी जा रही है।

इसी प्रकार एकता नगर से निर्माणधीन सड़क तक के नाले की गाद निकालने का कार्य आगामी सप्ताह में किया जाना प्रस्तावित है। इसी के साथ नगर की सतपुड़ा कालोनी, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, नवलपुरा आदि के नाले/नालियों के गाद निकालने की कार्यवाही की गयी है। अन्य कालोनियों में भी नाले/नालियों की साफ-सफाई का कार्य प्रगतिरत है।

थाना वरला बड़वानी पुलिस ने अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्कर गिरोह को पकड़ा

विनय उजाला

वरला (बड़वानी), निप्र। थाना वरला पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई 06 देशी फायर आर्म्स, 04 कारतूस एवं एक हुंडई वरना कार के साथ 03 आरोपी गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक बड़वानी श्री जगदीश डावर द्वारा मासिक अपराध समीक्षा बैठक में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में थाना वरला अंतर्गत मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

दिनांक 16.05.2025 को एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि तीन संदिग्ध युवक अवैध हथियार खरीदने ग्राम उमर्टी आए हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, एसपी श्री डावर के निर्देशन में व एसडीओपी सेधवा श्री अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी वरला निरीक्षक सौरभ बाथम के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम गठित कर रवाना किया।

पुनः सूचना मिलने पर सफेद हुंडई वरना कार को वरला-बलवाड़ी रोड स्थित सम्राट होटल के सामने रोका गया। आरोपी भागने की कोशिश में वाहन को एक पेड़ से टकरा बैठे। तत्पश्चात घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़कर तलाशी ली गई, जिसमें हथियार एवं कारतूस बरामद हुए।

आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी :-

यूसुफ चौगुले :
थाना घारगांव, अहमदनगर।
अपराध क्रमांक 92/2024 - धारा 323, 354, 452, 504, 506, 509 IPC
अपराध क्रमांक 261/2018 - धारा 323, 324, 504, 506 IPC एवं 4/25 Arms Act

गणेश गायकवाड़ :
थाना संगमनेर सिटी, अहमदनगर।
अपराध क्रमांक 253/2021 - धारा 309 IPC
अपराध क्रमांक 583/2023 - धारा 399, 401, 402 IPC
अपराध क्रमांक 066/2023 - धारा 323, 324, 354, 504, 506 IPC

थाना ओतूर, पुणे ग्रामीण :
अपराध क्रमांक 037/2024 - धारा 379 IPC

थाना मालेगांव, पुणे ग्रामीण :
अपराध क्रमांक 042/2024 - धारा 379 IPC

थाना सुपा, पुणे ग्रामीण :
अपराध क्रमांक 062/2024- धारा 25(3), 399, 401, 402 Arms Act

गिरफ्तार आरोपीगण :

1. यूसुफ पिता दादाभाई चौगुले (उम्र 31 वर्ष)। निवासी-घारगांव, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र।
2. गणेश पिता चंद्रभान गायकवाड़ (उम्र 25 वर्ष)
निवासी- खांडगांव, तालुका संगमनेर सिटी, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र।
3. राहुल पिता बसंत अडाव (उम्र 24 वर्ष) निवासी- ग्राम खड़की, तहसील कोपरगांव, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र

जप्त सामग्री :

1. देशी पिस्टल - 02 नग (कीमत रु. 40,000/-)
2. देशी कट्टा (12 बोर) - 04 नग (कीमत रु. 20,000/-)
3. कारतूस- 04 नग (कीमत रु. 2,000/)
4. सफेद रंग की हुंडई वरना कार (MH-17-BV-5006) - (कीमत रु. 5,00,000/-)

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक सौरभ बाथम उप निरीक्षक रमेश चौहान एएसआई महेंद्र सिंह चौहान आरक्षक 604 नवीन मेहता, आर 191 बलीराम अछले, आर 175 राहुल सोलंकी, आर 655 आत्माराम की सराहनीय भूमिका रही।

72 घंटे के भीतर चोरी किए गए 4 पशु बरामद

पशु चोर गिरोह को किया गिरफ्तार : 2 कारें, 4 मोबाइल, कुल 11 लाख का मशरुका जब्त

विनय उजाला

नागलवाड़ी(बड़वानी), निप्र। दिनांक 13.05.2025 को फरियादी अरुण पिता सेवकराम यादव, नि. ग्राम ओझर बालसमुद रोड, ने पुलिस चौकी ओझर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके घर के पास घूम रहे एक सफेद बकरा व एक बकरी को एक अज्ञात व्यक्ति सफेद कार में उठाकर ले गया।इसी प्रकार जितेंद्र सिंह सिकलीगर, नि.ओझर, बैड़ीपुरा,ने भी अपनी दो बकरियों के गायब होने की सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर के निर्देशन में व एसडीओपी सेंधवा श्री अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नागलवाड़ी श्री माधवसिंह ठाकुर द्वारा पुलिस टीम गठित की गई।

दिनांक 14.05.2025 को मुखबिर की सूचना पर ए.बी. रोड, गव्हाघाटी में घेराबंदी कर 6 आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने चोरी की घटना स्वीकार की। सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय जेएमएफसी राजपुर में पेश किया गया।

जप्त मशरूका :

विवरण	संख्या	अनुमानित मूल्य
मारुति बलेनो कार (MP09CS7789)	1	रु. 5,00,000
मारुति बलेनो कार (MP 09DB 3611)1		रु. 5,00,000
पशु (बकरी- 3, बकरा- 1)	4	रु. 50,000
मोबाइल (एंड्रॉइड- 4, कीपैड- 1)	5	रु. 50,000
कुल मशरूका		रु. 11,00,000

गिरफ्तार आरोपीगण

1.शाहीद पिता मोहम्मद शब्बीर खान (उम्र 45 वर्ष) नि. सकीना मंजिल, गली नं. 1, मकान नं. 73-क्र चंदन नगर, इंदौर
2.गोवर्धन पिता हुकुमसिंह लौधी (उम्र 42 वर्ष) नि. 162/3, अखंड नगर, 60 फीट रोड, थाना एरोड्रम, इंदौर
3.मोहम्मद शकील पिता मोहम्मद इस्माईल खां (उम्र 46 वर्ष) नि.जुनारी साला, मकान नं. 181/3, सदर बाजार, इंदौर
4.अरुण पिता दिलीपसिंह लोधी (उम्र 19 वर्ष) नि.टोकखुर्द, बिजली ऑफिस के पास, जिला देवास
5.सलीम पिता इस्माईल (उम्र 50 वर्ष) नि.जुनारीसाला, गली नं. 3, मकान नं. 149, सदर बाजार, इंदौर
6.सादिक खान पिता सलीम खान (उम्र 26 वर्ष) नि.गली नं.3, मकान नं. 149, सदर बाजार, इंदौर

पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी नागलवाड़ी श्री माधवसिंह ठाकुर चौकी प्रभारी ओझर- सउनि. अनिल दसौधी सउनि. श्रीराम फगोरे प्र.आर योगेश पाटील, सुरजसिंह आरक्षकगण- सतीश, जालम, अरुण, पुरुषोत्तम, आशीष, ओमप्रकाश की विशेष भूमिका रही।

20 लाख की राशि स्वीकृति के बाद भी इंतजार.....

मुक्ति का मार्ग उबड़-खाबड़, खड़ी उतार पर फिसलन

विनय उजाला

कसरावद, निप्र। नर्मदा तट के नावडाटौडी मुक्तिधाम स्थल पर शवदाह निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की राशि से नव निर्माण कार्य किया जाना है। गौण खनिज विभाग के माध्यम से इसके लिए राशि स्वीकृत कर दी गई है 9 माह का समय बीतने को है। अभी तक उक्त निर्माण के लिए राशि संबंधित पंचायत के खाते में जमा नहीं हुई है। ऐसे में बारिश का मौसम अगामी समय मे नजदीक है। वर्तमान समय में यहां मुक्तिधाम स्थल शव लेकर पहुचने वाले परिजनों को

असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। आगे बारिश में स्थित कैसी होगी ? लोगों की मुश्किलें ओर अत्यधिक बढेगी।

नर्मदा किनारे स्थित सायता पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत मुक्तिधाम स्थल का नव निर्माण कार्य शुरू करने की मांग आमजनों ने उठाई है।

लोगो ने बताया नर्मदा तट पर नहीं है मुक्तिधाम, उबड़-खाबड़ मार्ग से तट तक पहुंचते हैं अंतिम संस्कार के लिए दूर दूर से आमजनों ने कहां शीघ्र निर्माण कार्य हो

मुक्तिधाम के लिए स्वीकृत हुए 20 लाख रुपए : मुक्तिधाम के लिए नौ महीने पूर्व गौण खनिज विभाग के माध्यम से जिला पंचायत ने 20 लाख रुपए स्वीकृत किए थे, लेकिन अब तक पंचायत के खाते में राशि नहीं आई। जिला पंचायत अध्यक्ष अनु बाई तंवर ने इसके लिए प्रयास किए हैं। सरपंच लोकेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि नावड़ाटौड़ी घाट पर शवदाह स्थल के लिए टीन शेड और हाल निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है। लेकिन राशि का इंतजार हो रहा है। नौ महीने पूर्व स्वीकृत राशि का इंतजार कर रहे हैं। आगे बारिश का मौसम है। आमजनों की परेशानी बढेगी।

बारिश के मौसम में ओर अधिक बढती मुश्किलें : बारिश के मौसम में बाढ आने पर यहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया मे भारी असुविधा लोगों को उठानी पडती है। स्थानीय लोगों ने बताया नर्मदा मे बारिश के मौसम में जब बाढ का पानी ऊपरी सतह की ओर बढता है तो मुक्तिधाम स्थल की जगह नही रहती है। ऐसे मे वैकल्पिक व्यवस्था करना मजबूरी होती है। हालांकि अभी भी उबड खाबड़ मुक्तिधाम की स्थिति अव्यवस्थित है ।

खडी उतार.. सिंचाई विधुत मोटरों से बहता पानी : मुख्य सड़क से घाट तक पहुंचने के लिए दो सौ मीटर की खड़ी ढलान और फिसलन भरा रास्ता है। रास्ते में किसानों के सिंचाई मोटरपंप लगे हैं, जिन से दिन-रात पानी बहता रहता है। परिजनों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। पैर फिसलने का खतरा बना रहता है। सिंचाई मोटरपंप बिजली के तार झूल रहे हैं। बड़े वाहन निकलने की स्थिति में तारों के टकराने से हादसे की आशंका बनी हुई है।

नावडाटौडी नर्मदा घाट का महत्व : नर्मदा तट के ठीक सामने नर्मदा जी से महेश्वर की दूरी एक किलोमीटर दूर रह जाती है। लोगों का मानना है, कि नावडाटौडी नर्मदा घाट मुक्तिधाम का पुराने समय से विशेष महत्व रहा है। इसलिए जिले भर से मुक्तिधाम के लिए यहाँ आमजन पहुंचते हैं।

जनसहयोग ओर स्वीकृत राशि से बेहतर निर्माण हो : आमजनों का कहना है कि 20 लाख की राशि गौण खनिज विभाग के माध्यम से स्वीकृत हुई है। ऐसे में जनभागीदारी के माध्यम से आमजनों के माध्यम से अधिक राशि एकत्रित हो जाए तो बेहतर व्यवस्था हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

जनसहयोग से किया जा रहा कालूखेड़ी तालाब कैनाल की सफाई का कार्य

देवास, निप्र। 'बूंद-बूंद में छिपा है जीवन का सार'। देवास जिले में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जल की एक-एक बूंद को सहेजने के लिए यह अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं नागरिकों के जनसहयोग से देवास के कालूखेड़ी तालाब कैनाल की साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। तालाब की कैनाल की सफाई होने से बारिश के दिनों में पानी अधिक संग्रहित होगा तथा वाटर लेवल भी बढ़ेगा। जिससे पेयजल के साथ खेती करने के लिए भी पानी मिल सकेगा। इसके साथ ही पशु-पक्षियों को आसानी से पानी मिल सकेगा।

सीबीएसई परीक्षा कक्षा 12वीं में 88.60% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया

सोनकच्छ, निप्र। कुणाल शर्मा को सुयश सेंट थॉमस अकैडमी देवास की सीबीएसई परीक्षा कक्षा 12वीं में सोनकच्छ के कुणाल

पंकज शर्मा ने 88.60% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। शर्मा ने सभी विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त किया शर्मा की उपलब्धि पर इष्ट मित्रों एवं परिजनों ने बधाइयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर टोंकखुर्द विकासखंड के उप स्वास्थ्य केंद्र, देवली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चौबाराधीरा पहुंचे

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, मरीजों से की चार्चा, अधिकरियों से सुविधाओं के बारे में ली जानकारी

विनय उजाला

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने टोंकखुर्द तहसील कार्यालय, टोंकखुर्द विकासखंड के ग्राम देवली, चौबाराधीरा, इकलेरा सहित अन्य ग्रामों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम कन्हैयालाल तिलवारी, सीईओ जनपद पंचायत टोंकखुर्द, तहसीलदार ज्योति जाधव सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने टोंकखुर्द तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने उप स्वास्थ्य केंद्र देवली का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएमओ से जानकारी ली कि यहां कितने का स्टॉफ हैं। जिस पर बताया गया कि यहां सीएचओ और नर्सिंग स्टॉफ है। उन्होंने सीएचओ से पूछा कि सभी दवाइयां उपलब्ध है या नहीं। जिस पर सीएचओ ने बताया कि यहां पर सभी आवश्यक 98 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध है। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं से ली जानकारी कि नागरिक आयुष्मान कार्ड बनवा रहे हैं या नहीं। आशा कार्यकर्ता ने बताया कि लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य जारी है।

कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में दिखाने आए लोगों से चर्चा की तथा पूछा कि अस्पताल किस बीमारी का उपचार कराने के लिए आएं हैं तथा आपका आयुष्मान कार्ड बन गया है या नहीं। लोगों ने बताया हमारा आयुष्मान कार्ड बना हुआ है। कलेक्टर श्री सिंह ने मरीजों के लिए बनाए गए वैटिंग रूम का निरीक्षण किया तथा वैक्सीनेशन की जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि वैक्सीनेशन समय पर हो रहा है या नहीं। उन्होंने महिला वार्ड का निरीक्षण किया तथा स्वच्छता के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम देवली में वाटर रिसोर्स डिपार्टमेंट के तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि विभाग द्वारा तालाब का रख-रखाव ठीक से नहीं होने के कारण लोगों ने तालाब की जगह पर अतिक्रमण कर लिया है। कलेक्टर श्री सिंह ने तालाब में अतिक्रमण देखकर नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर श्री सिंह ने एसडीएम को निर्देश दिए कि तालाब का सीमांकन करें तथा अतिक्रमण हटाएं। उन्होंने तालाब से गाद निकालने तथा गहरीकरण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने तालाब मैपिंग कर अतिक्रमण चिंहित कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम चौबाराधीरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान देखा कि लोगों द्वारा सब्जी एवं अन्य दुकानें रोड पर लगा रखी है। जिसके चलते राहगीरों के आवागमन में परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने नाराजगी व्यक्त की तथा पटवारी को निर्देश दिए कि हाट बाजार के लिए लगाई जाने वाली दुकानें प्रमुख मार्ग से बाहर लगाई जाएं। हाट बाजार के लिए जगह चिन्हित कर हाट बाजार को अन्यंत्र लगाया जाए तथा उन्होंने रोड पर से अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चौबाराधीरा का निरीक्षण किया। बीएमओ से पूछा कि यहां पर डॉक्टर है या नहीं, जिस पर बताया गया कि डॉक्टर नहीं हैं नर्सिंग स्टॉफ द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने बीएमओ से पूछा कि स्वास्थ्य केंद्र पर क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध हैं। डिलेवरी की सुविधा है या नहीं। उन्होंने क्रिटिकल केस की जानकारी ली तथा उन्हें किस तरह से रैफर करते हैं। जिस पर बताया गया कि इसके लिए हाई रिस्क रैफलर ग्रुप बनाया गया है। जिसमें क्रिटिकल केस होता है तो उसकी जानकारी डाली जाती है। संबंधित डॉक्टर को उस केस की जानकारी देते हैं। उसके आधार पर केस को रैफर किया जाता है। उन्होंने पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण किया तथा जानकारी ली कि यहां पर किस प्रकार की जांचें होती है। बताया गया कि महिलाओं के एएनसी टेस्ट, बीडीआरएल की जांच तथा सीबीसी की जांच एवं अन्य जांचें भी होती है। महिलाओं वार्ड तथा स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया। दवाइयों के स्टोर रूम में दवाइयों को अस्त-व्यस्त देखकर नारागजी व्यक्त की और पूछा कि दवाईयां व्यवस्थित तरीके से क्यों नहीं रखी है। उन्होंने दवाइयों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जनरेटर की सुविधा उपलब्ध नहीं है। सोलर सिस्टम लगा हुआ है लेकिन कार्य नहीं कर रहा है। उन्होंने जनरेटर ठीक करवाने के तथा सोलर सिस्टम को रिपेयर चालू करवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सिंह ने अस्पताल में आए लोगों से चर्चा की

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने अस्पताल में आए लोगों से चर्चा की और पूछा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किस प्रकार की सुविधा मिल रही है। जिस पर ग्रामीणों ने बताया कि यहां डॉक्टर नहीं है। ऑक्सीजन सिलेंडरों की कमी है। लोगों ने बताया कि पानी गरम की भी व्यवस्था नहीं है। इसके चलते पानी गरम करने के लिए बाहर जाना पड़ता है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित बीएमओ को तत्काल गीजर लगवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ग्राम इकलेरा पहुंच कर बिसाजनी माताजी के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान मंदिर में उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर उपस्वास्थ्य केंद्र नहीं है। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने पुराने शासकीय स्कूल के भवन में उप स्वास्थ्य केंद्र बनाने के निर्देश दिए।

101 जवानों ने टेकरी पर चलाया स्वच्छता अभियान

टेकरी सीढी मार्ग, परिक्रमा मार्ग सहित संपूर्ण टेकरी की सफाई की

विनय उजाला

देवास, निप्र। बीएनपी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल जवानों ने वरिष्ठ कमांडेंट संदीप कुमार एस, सहायक कमांडेंट केजी सोमवंशी के मार्गदर्शन में निरीक्षक बीबी कुर्मी के नेतृत्व में मां चामुंडा टेकरी पर 101 जवानों के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया। परिक्रमा मार्ग टेकरी मार्ग सहित संपूर्ण टेकरी की सफाई कर टेकरी को स्वच्छ बनाने व पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस दौरान मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा उदासीन अखाड़ा के स्वामी पूर्णानंद महाराज के सानिध्य में समिति संयोजक समाजसेवी रामेश्वर जलोदिया के आतिथ्य में निरीक्षक बीबी कुर्मी, निरीक्षक शैलेंद्र सिंह व जवानों का मां की चुनरी, व पुष्पमालाओं से आत्मीय सम्मान किया।

इस अवसर पर मां चामुंडा सेवा समिति के समाजसेवी नरेंद्र मिश्रा, नारायण व्यास, उम्मेद सिंह राठौड़, दिनेश सांवलिया, इंदर सिंह गौड़ अभिषेक अवस्थी सहित पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रामेश्वर जलोदिया ने किया।

आभार नरेंद्र मिश्रा ने माना।

आगे आप चाहे डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, कलाकार या उद्यमी बने सबसे जरूरी है कि आप खुद को पहचाने

12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

विनय उजाला

देवास, निप्र। प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान, देवास द्वारा विगत कई वर्षों से आयोजित किए जा रहे 'प्रतिभा सम्मान समारोह' की परंपरा को इस वर्ष भी निभाया गया। 15 मई को आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया।

देवास जिले के विभिन्न विद्यालयों से चयनित मेधावी छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को समारोह में आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस समारोह में उच्च प्रतिशत से उत्तीर्ण होने वाले सम्पूर्ण जिले के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम की सराहना करना था, बल्कि उन्हें आगे की शैक्षणिक यात्रा के लिए प्रेरित करना भी था।

समारोह के आरंभ में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. आर. के. जैन ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि ऐसी उपलब्धियां, न केवल छात्रों के लिए गर्व की बात हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान आपके परिश्रम और लगन का प्रमाण है इसलिए आगे आप चाहे डॉक्टर बनना चाहें, इंजीनियर, वकील, कलाकार या उद्यमी सबसे जरूरी है कि आप खुद को पहचानें और उसी के अनुसार निर्णय ले ।

इस अवसर पर प्रेस्टीज ग्रुप के एडमिशन ग्रुप डायरेक्टर राजीव गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने एक मार्गदर्शक के रूप में विद्यार्थियों को यह बताया कि केवल उच्च प्रतिशत लाना ही जरूरी नहीं है, बल्कि उसके आगे सही दिशा चुनना भी बहुत आवश्यक है, क्योंकि कभी-कभी कम प्रतिशत वाला बच्चा भी सही करियर और सही कॉलेज का चयन करके बहुत आगे निकल जाता है। इसलिए बहुत सोच-समझकर विषय का चयन करें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के करियर के लिए काउंसलिंग भी की, जिससे वे अपने भविष्य को लेकर सही निर्णय ले सकें। उन्होंने छात्रों से निरंतर प्रयास करते रहने का आह्वान किया।

इस प्रेरणादायक आयोजन की संकल्पना डॉ. योगेन्द्र सिंह रजावत द्वारा की गई और समारोह के अंत में उनके द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया । मंच संचालन भाग्यश्री सेंधव और डॉ. ज्योत्सना सोनी ने किया। प्रतिभा सम्मान समारोह एक प्रेरक और उत्साहवर्धक अनुभव रहा, जिसमें छात्रों और अभिभावकों में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

बाल श्रम उन्मूलन अभियान अंतर्गत कार्रवाई कर बालक को कराया मुक्त

विनय उजाला

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में जिले में बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में गत दिवस ग्राम चांदगढ़ तहसील टोंकखुर्द थाना पीपलरावां में बाल श्रम एवं बंधुआ श्रम सम्बन्धी शिकायत प्राप्त हुई। जिस पर जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स द्वारा 13-14 वर्ष के बालक को लगभग 9 माह से बंधक बना कर बाल श्रम करवाया जा रहा था। इस सम्बन्ध में जिला स्तर पर गठित टास्क फ़ोर्स द्वारा उक्त स्थान पर पहुंच कर बंधक बालक को बाल श्रम से मुक्त कराया गया एवं बालक को आवश्यक कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

टास्क फ़ोर्स में महिला एवं बाल विकास विभाग से संरक्षण अधिकारी संदीप किरार, श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक जसपाल सिंह जग्गी, विशेष किशोर पुलिस इकाई प्रभारी एएसआई संतोष पाण्डेय, एएसआई पीपलरावां थाना एच.एस. गोधार, एएसआई एम.एल. परमार, आरक्षक कपिल, आस संस्था (ऐक्सेस टू जस्टिस) से शुभम देवल एवं फूलकुंवर राजपूत, जन साहस संस्था से समन्वयक कमल परमार, फिल्ड ऑफिसर यास्मीन खान सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

पहले सहयोग मांगते हैं फिर पूरा काम थमाकर दबाव बनाते

विनय उजाला

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता और सहायिकाओं ने दिया ज्ञापन

देवास, निप्र। महिला बाल विकास विभाग के दिए कामों के अलावा भी अन्य काम अब आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता व सहायिकाओं से कराए जा रहे हैं। इसके लिए अन्य विभाग भारी दबाव बनाते हैं। परिणाम भुगतने की धमकी भी देते हैं। अब नगर निगम अपना काम भी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं से कराना चाहता हैं। नगर निगम देवास वैसे भी खुद सवालों में घिरा हैं। पूर्व कलेक्टर व अब वर्तमान कलेक्टर आदेश कर चुके है कि एबी रोड का अतिक्रमण नगर निगम हटाए लेकिन नगर निगम के कानों में जूं नहीं रेंगी। नगर निगम इन दिनों वार्डवार केवाईसी करा रहा हैं, ये काम बडा हैं। नगर निगम के पास अपना मैदानी अमला भी मौजूद हैं पर उसके कर्मचारी ये काम नहीं करना चाहते। अधिकारी भी दबाव नहीं बना रहे. आखिरकार नगर निगम के अफसरों ने काम महिला बाल विकास विभाग के जिम्मे कर दिया। आदेश निकाला कि ये काम आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता करेंगी। अब इसका विरोध हो गया हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता सहायिका एवं मिनी कार्यकर्त्ता सहायिका संघ ने शुक्रवार को महिला बाल विकास विभाग की जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर विरोध किया।

संगठन की जिला अध्यक्ष उमा तिवारी ने दिए ज्ञापन में मांग रखी कि हम काम से मना नहीं करते पर आंगनवाड़ी केंद्र पर नगर निगम का कर्मचारी भी साथ मौजूद रहे। बताया कि निगम कर्मचारी सहयोग नहीं करते काम देकर जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं।

एक-एक माह व्यतीत हो जाने के बाद भी राजस्व प्रकरणों में नहीं लगाई पेशी

तहसील कार्यालय टोंकखुर्द के कर्मचारी विक्रम सिंह मालवीय निलंबित

विनय उजाला

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने तहसील कार्यालय टोंकखुर्द के सहायक ग्रेड-3 विक्रमसिंह मालवीय को कार्य में लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

कलेक्टर श्री सिंह गुरुवार को तहसील कार्यालय टोंकखुर्द में आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान न्यायालयीन राजस्व प्रकरणों का अवलोकन किया गया, जिसमें पाया गया कि विक्रमसिंह मालवीय, सहायक ग्रेड-तीन, तहसील कार्यालय टोंकखुर्द जिला देवास की तहसीलदार टोंकखुर्द के प्रवाचक के पद पर तत्समय पदस्थ अवधि के आर.सी.एम.एस. पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों में पेशी दिनांक एवं मूल प्रकरणों पर पेशी दिनांक में अन्तर पाया गया।

अधिकांश राजस्व प्रकरणों में राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत भी लंबे समय तक प्रकरणों में कार्रवाई नहीं की जा रही है एवं एक-एक माह व्यतीत हो जाने के बाद भी राजस्व प्रकरणों में पेशी नहीं लगाई जाती है। पूर्व में भी कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही के कारण इन्हें तहसीलदार द्वारा प्रवाचक के पद से हटाया गया था।

कलेक्टर भव्या मित्तल की राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। खरगोन जिले के राजस्व अधिकारियों के साथ साथ संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी , एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार की मौजूदगी में कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा राजस्व प्रकरणों की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों में एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार , राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अभिलेखों का नियमों के अनुसार संधारण करें। राजस्व बोर्ड के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक माह जिले के किसी भी तहसील कोर्ट या नायब तहसीलदार कोर्ट का निरीक्षण अवश्य किया जाए , जिसमें राजस्व प्रकरणों की गुणवत्ता भी देखी जाए । दायरा पंजी का उचित संधारण करें। दायरा पंजी का संधारण नहीं पाये जाने पर जिम्मेदार कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई होगी।

आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज बटवारा, नामांतरण एवं सीमांकन के प्रकरणों प्रकरणों में राजस्व अधिकारी पेशी के लिए 01-01 माह की लम्बी तारीख न दे । आरसीएमएस के प्रकरणों के संधारण के लिए तहसील कार्यालय के रीडरों को ई-दक्ष केन्द्र में प्रशिक्षण देने के लिए कार्यक्रम बनाया जाए।

ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायत की कालीसिंध नदी में जेसीबी मशीन लगाकर निकाली जा रही रेत

कार्यवाई करने पहुंचे तहसीलदार को कुछ नहीं मिला

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। पूरे देवास जिले में अवैध खनन पर पुर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है उसके बाद भी अवैध खनन करने वाले बगैर डरें बेधड़क स्थानीय कालीसिंध नदी किनारे पर बड़ी बड़ी जेसीबी मशीन लगा कर रेत निकाल रहे हैं और लाखों रुपए के वारे-न्यारे कर सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का चुना लगा रहे और नदी के किनारों को भी खत्म कर रहे हैं। क्षेत्र के ग्राम रोशनाबाद के जागरूक ग्रामीणों द्वारा शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका मिमरोट को स्थानीय कालीसिंध नदी किनारे से जेसीबी मशीन से अवैध रूप से रेत का खनन करने की जानकारी दी जिस पर अनुविभागीय अधिकारी द्वारा तहसीलदार संजय गर्ग को मय दल बल के वहां पर पहुंचे लेकिन उन्हें वहां पर कुछ भी नहीं मिला। तहसीलदार सुचना मिलने के काफी देर बाद वहां पहुंचे थे और इस बीच किसी ने रेत खनन करने वालों को सूचना दे दी और वह मशीन, ट्रेक्टर ट्राली ले कर इधर उधर हो गए और जब तहसीलदार पहुंचे तो उन्हें वहां सिर्फ मशीन के निशान मिले। तहसीलदार गर्ग ने बताया कि उन्हें रोशनाबाद के अलावा जलेरीया गांव में नदी से रेत निकालने की सूचना मिलीं थीं लेकिन वहां पर से भी रेत निकालने वाले भाग गए। ग्रामीणों ने बताया कि रोजाना बीस से तीस ट्राली रेत यहां से निकालीं जा रही है।

3500 से लेकर 4000 रुपए प्रति ट्राली रेत बिक रही : क्षेत्र में कालीसिंध नदी की काली रेत की काफी मांग है क्योंकि इस नदी की रेत घर निर्माण कार्य में मजबूती देती है इसलिए रेत काफी महंगी बिकती है। रेत माफिया रेत निकाल कर नदी किनारों को खत्म कर रहे हैं जिसके कारण बारिश में नदी का पानी गांव में घुसेगा।

सेकंडों टाली रेत रोजाना निकल रही : कालीसिंध नदी किनारे बसे जितने भी गांव जैसे रोशनाबाद, जलेरीया, धतुरिया, कोठरा सहित अन्य गांवों से प्रतिदिन सेकंडों टाली रेत मशीन से निकालीं जा रही है। जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन को इस ओर ध्यान चाहिए।

टेस्ट से संन्यास ले चुके विराट कोहली पर नजरें

आरसीबी-केकेआर मुकाबले से फिर होगा आईपीएल का आगाज

बेंगलुरु, एजेंसी

आईपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी।

10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी। वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है और एक भी हार मौजूदा चैंपियन की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को खत्म कर देगी।

प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे विराट कोहली

शानदार लय में चल रहे कोहली भी टेस्ट करियर के अचानक समाप्त होने के बाद बल्ले से कुछ प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे। केकेआर को मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा निराशा अपने बल्लेबाजों से हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने निरंतरता नहीं दिखायी हैं।

केकेआर की बल्लेबाजी सबसे बड़ी समस्या

केकेआर टीम के लिए लीग चरण के सभी मैच करो या मरो की तरह है ऐसे में उसे वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह से प्रभावी पारियों की उम्मीद होगी। टीम को इंग्लैंड के अनुभवी हरफनमौला मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन वायरल बुखार के कारण लीग से बाहर हो गए हैं। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की केकेआर की गेंदबाजी लाइन-अप ने कई मौकों पर महंगे साबित होने के बावजूद अपनी पकड़ बनाए रखी है।

मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उनके नाम का सबसे ज्यादा नारा लगाएंगे। इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सप्ताह की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर अगर गौर करें तो प्रशंसक खेल के पारंपरिक प्रारूप को सबसे ज्यादा महत्व देने वाले इस बल्लेबाज को सम्मानित करने के लिए सफेद जर्सी पहनने की योजना बना रहे हैं।

दोनों टीमें शानदार लय में चल रहीं

लीग की रुकावट से पहले दोनों टीमें शानदार लय में थी। आरसीबी ने जहां अपने पिछले चारों मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि ये टीमों अपनी लय को किस तरह से बनाये रखती है। कागजों पर दोनों टीमों की तुलना करें तो इसमें कोई शक नहीं की केकेआर पर आरसीबी का पलड़ा भारी होगा।

कप्तान पाटीदार के अंगुली में लगी है चोट

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चोटिल हुए कप्तान रजत पाटीदार ने अभ्यास सत्र में बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी की। पाटीदार को अंगुली में चोट लगी थी, लेकिन नेट सत्र में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मेजबान टीम के अधिकांश विदेशी खिलाड़ी भी भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के बाद स्वदेश लौट आए हैं। फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं।

मयंक अग्रवाल खुद को साबित करना चाहेंगे

देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की चोट के कारण गैरमौजूदगी हालांकि एक बड़ी समस्या हो सकती है। आरसीबी पडिक्कल की जगह लेने वाले मयंक अग्रवाल से इस मौके को भुनाने की उम्मीद करेगी। हेजलवुड के कंधे में चोट है और फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी नहीं दी है।

IPL आज के मैच

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु VS कोलकाता नाइट राइडर्स

स्थान : बेंगलुरु समय : शाम 07:30 बजे से

रोनाल्डो सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीट

नई दिल्ली, (हि.स.)

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फोर्ब्स की 2025 की दुनिया के 50 सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने मई 2024 और मई 2025 के बीच 275 मिलियन डॉलर कमाए हैं। यह उनका लगातार तीसरा वर्ष है जब वे रैंकिंग में शीर्ष पर हैं।

शीर्ष 50 एथलीटों ने सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 4.23 बिलियन डॉलर कमाए, जो पिछले साल के 3.88 बिलियन डॉलर से अधिक है। लियोनेल मेस्सी 135 मिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर हैं। कोई भी महिला एथलीट इस सूची में शामिल नहीं है। कोको गॉफ़ 19.2 मिलियन डॉलर से मामूली अंतर से चूक गई। इसी तरह, इस साल कोई भी भारतीय एथलीट रैंकिंग में शामिल नहीं है।

शीर्ष दस सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट

क्रिस्टियानो रोनाल्डो (फुटबॉल) - 275 मिलियन अमेरिकी डॉलर, स्टीफन करी (बास्केटबॉल) - 156 मिलियन अमेरिकी डॉलर, टायसन फ्यूरी (बॉक्सिंग) - 146 मिलियन अमेरिकी डॉलर, डैक प्रेस्कॉट (एनएफएल) - 137 मिलियन अमेरिकी डॉलर, लियोनेल मेस्सी (फटबॉल) - 135 मिलियन अमेरिकी डॉलर, लेब्रोन जेम्स (बास्केटबॉल) - 133.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर, जुआन सोटो (बेसबॉल) - 114 मिलियन अमेरिकी डॉलर, करीम बेंजेमा (फुटबॉल) - 104 मिलियन अमेरिकी डॉलर, शोही ओहतानी (बेसबॉल) - 102.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर, केविन ड्यूरेंट (बास्केटबॉल) - 101.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर।

बार्सिलोना ने जीता ला लीगा का खिताब

स्पेन, (हि.स.)

बार्सिलोना ने गुरुवार देर रात ला लीगा 2024-25 खिताब पर कब्जा जमा लिया, जब उसने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी एस्पेन्योल को 2-0 से हराया। 17 वर्षीय स्टार लामिन यामाल ने 53वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, और इंजुरी टाइम में फर्मिन लोपेज़ के गोल ने जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम रियल मैड्रिड से सात अंक आगे निकल गई है, जबकि लीग में केवल दो मुकाबले बाकी हैं। इसी के साथ बार्सिलोना ने अपना 28वां ला लीगा खिताब जीत लिया और घरेलू ट्रेबल (ला लीगा,

कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप) भी पूरा कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि बार्सिलोना ने यह खिताब उसी एस्पेन्योल के मैदान पर जीता, जहां 2023 में भी उसे खिताबी जीत मिली थी। हालांकि उस समय नाराज़ दर्शकों ने खिलाड़ियों को मैदान से भागने पर मजबूर कर दिया था।

वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा के नाम पर रखा गया स्टैंड का नाम

मुंबई, (हि.स.)। वानखेड़े स्टेडियम में शुक्रवार को तीन नए स्टैंडों का उद्घाटन हुआ, जिसमें रोहित शर्मा, अजीत वाडेकर और शरद पवार को भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। दिवेचा पवेलियन लेवल 3 का नाम बदलकर रोहित शर्मा स्टैंड कर दिया गया है, जो भारत के वनडे कप्तान को उनके घरेलू मैदान पर सम्मान है। ग्रैंड स्टैंड लेवल 3 का नाम पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम पर होगा, जबकि ग्रैंड स्टैंड लेवल 4 पूर्व भारतीय कप्तान अजीत वाडेकर को समर्पित होगा।

स्टार्क के नहीं खेलने से दिल्ली को लगेगा झटका..?

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2025 के दूसरे चरण की शुरुआत शनिवार से होने जा रही है। इस बार कई विदेशी खिलाड़ियों के भारत नहीं लौटने की संभावना है। इससे कई टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने के समीकरण को ठेस पहुंचेगी।

दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हीं टीमों में शामिल है। टीम को हाल फिलहाल में हार का सामना करना पड़ा है और अब उनके लिए बचे हुए मैचों को हर हाल में जीतना जरूरी है। हालांकि, अब दूसरे चरण में मिचेल स्टार्क खेलते नहीं

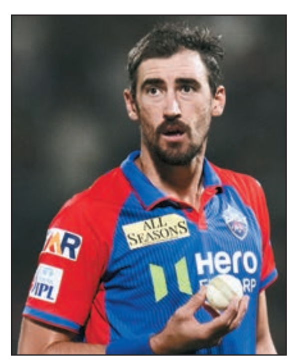

दिखेंगे। स्टार्क ने अब तक घातक गेंदबाजी की थी। इसके अलावा फाफ डुप्लेसिस की वापसी भी अभी तय नहीं है। वहीं, जेक फ्रेजर मैकगर्क पहले ही टूर्नामेंट से हट चुके हैं।

दिल्ली के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट

दिल्ली कैपिटल्स के अहम खिलाड़ी स्टार्क इस सत्र में टीम के लिए अब तक टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए संघर्ष कर रही दिल्ली की टीम को आगामी मैचों में निश्चित तौर पर उनकी कमी महसूस होगी। दिल्ली की टीम फिलहाल 11 मैचों में छह जीत और चार के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसके 13 अंक हैं, जबकि नेट रन रेट +0.362 है।

व्यापार

संयुक्त राष्ट्र ने जताया अनुमान... दुनिया में अनिश्चितता के बीच...

सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। जनवरी 2025 में यह अनुमान 6.6% था। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना गया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट 2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं में दी गई है, जिसे 16 मई को जारी किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से मजबूत घरेलू खपत और सरकारी निवेश का समर्थन मिला है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र का निर्यात भी आर्थिक विकास को मजबूती देता रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया, भारत की आर्थिक वृद्धि को निजी उपभोग, सार्वजनिक निवेश और मजबूत सेवा निर्यात का समर्थन प्राप्त है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। भारत के माल निर्यात पर भी इसका असर हो सकता है, हालांकि दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और तांबा जैसे सेक्टर इस प्रभाव से फिलहाल बचे हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में महंगाई 2024 में 4.9 प्रतिशत रहने के बाद 2025 में घटकर 4.3 प्रतिशत हो सकती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे में है। इसके साथ ही, रोजगार के स्तर में कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई है, लेकिन महिला श्रम भागीदारी में असमानता बनी हुई है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी धीमी

यूएन रिपोर्ट के अनुसार, विश्व आर्थिक विकास दर 2025 में घटकर 2.4 प्रतिशत हो जाएगी, जो 2024 में 2.9 प्रतिशत थी। यह जनवरी 2025 के अनुमान से 0.4 प्रतिशत कम है। यह मंदी नहीं है, लेकिन अधिकांश देशों में विकास की गति धीमी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी शांतनु मुखर्जी ने कहा, अभी दुनिया की अर्थव्यवस्था अस्थिर दौर में है। निवेश में देरी और नीति संबंधी अनिश्चितता से हालात और बिगड़ रहे हैं।

अन्य देशों की स्थिति भी कमजोर

अमेरिका की बढ़ोतरी 2024 के 2.8 प्रतिशत से घटकर 2025 में 1.6 प्रतिशत होने की संभावना है। चीन की बढ़ोतरी 2025 में 4.6 प्रतिशत तक सीमित रह सकती है। ब्राजील, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील देशों की भी बढ़ोतरी दर में गिरावट आई है। यूएन रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि विकासशील देशों और विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक हो सकती है।

आरबीआई ने शुरू की मौद्रिक ढील

भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी 2025 में अपनी नीतिगत ब्याज दर घटाने की प्रक्रिया शुरू की। इससे पहले यह दर फरवरी 2023 से लगातार 6.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई थी। दक्षिण एशिया के अन्य देशों जैसे बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका में भी आर्थिक सुधार और आईएमएफ के समर्थन से वित्तीय अनुशासन को अपनाया जा रहा है।

कर्नाटक को प्रधानमंत्री ई-ड्राइव के तहत दी जाएंगी इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली, (हि.स)

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार की प्रमुख पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत कर्नाटक को चरणबद्ध तरीके से और प्राथमिकता के आधार पर इलेक्ट्रिक बसें दी जाएंगी।

पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत 9 प्रमुख शहरों को 14,000 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की जानी हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच चर्चा में चार्जिंग स्टेशन, बस डिपो और वाहन रखरखाव प्रणाली सहित संबंधित बुनियादी ढांचे को शामिल किया गया है। दरअसल, भारी उद्योग मंत्रालय को कर्नाटक सरकार से एक औपचारिक प्रस्ताव मिला है, जिसमें केंद्र प्रायोजित पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों के आवंटन की मांग की गई

है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद कर्नाटक सरकार को केंद्र से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री ने पुष्टि की कि आवंटन की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है और कर्नाटक को चरणबद्ध और प्राथमिकता वाले तरीके से इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी।

मंत्रालय के मुताबिक एचडी कुमारस्वामी ने कहा, हम सिर्फ बसें वितरित नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम भारत के लोगों के लिए एक स्वच्छ, स्मार्ट और अधिक समावेशी परिवहन भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई पीएम ई-ड्राइव पहल का उद्देश्य 14,028 इलेक्ट्रिक बसों के साथ शहरी बस संचालन को बढ़ाना है। इस योजना का परिव्यय 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2026 तक दो वर्षों की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 690 .61 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटक स्वर्ण भंडार में वृद्धि के कारण 9 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का फॉरेक्स रिजर्व 4.553 अरब डॉलर बढ़कर 690.617 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने शुकवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल भंडार 2.065 अरब डॉलर घटकर 686.064 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था।

शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 9 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 196 मिलियन डॉलर बढ़कर 581.373 बिलियन

अमेरिकी डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 4.518 अरब डॉलर बढ़कर 86.337 अरब डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 26 मिलियन डॉलर घटकर 18.532 अरब डॉलर रह गया। शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 134 मिलियन डॉलर घटकर 4.374 अरब डॉलर रह गई।

इस्पात मंत्रालय ने दक्षता बढ़ाने के लिए नई वेबसाइट शुरू की

नई दिल्ली, (हि.स)। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को इस्पात मंत्रालय की नई वेबसाइट लॉन्च की। नई वेबसाइट को मंत्रालय के संचालन में पारदर्शिता, पहुंच और दक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नई वेबसाइट में एक आधुनिक और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल इंटरफ़ेस है, जिससे वेबसाइट का इस्तेमाल करना और वहां से प्रासंगिक जानकारी हासिल करना सहज हो जाता है। राजधानी नई दिल्ली स्थित उद्योग भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में नई वेबसाइट का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक और इस्पात मंत्रालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

टर्किश एयरलाइंस डील का एअर इंडिया ने विरोध किया

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया ने सरकार से इंडिगो की टर्किश एयरलाइंस के साथ विमान लीजिंग डील पर रोक लगाने की अपील की है। रॉयटर्स के अनुसार एअर इंडिया ने कहा है कि यह डील राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। इससे भारतीय एविएशन कंपनियों को नुकसान पहुंचा सकता है। एअर इंडिया ने यह अपील तुर्किये के पाकिस्तान को समर्थन देने के बाद की है। पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के लिए भारत द्वारा लॉन्च किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तुर्किए ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसके बाद से भारतीय टूरिस्ट भी तुर्किये के लिए अपनी ट्रिप को कैंसिल कर रहे हैं। इंडिगो ने तुर्किये एयरलाइंस से लीज पर लिए दो विमानों से दिल्ली-मुंबई और इस्तांबुल के बीच उड़ानें शुरू की थीं। डील में विमानों के लिए तुर्किये एयरलाइंस के पायलट और क्रू सदस्य भी शामिल हैं। यह करार 6 महीने के लिए होता है। इसे हर छह महीने में नए सिरे से अप्रूव कराना होता है।

तुर्किए की फर्म से अडाणी ने पार्टनरशिप खत्म की

इससे पहले अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज के लिए तुर्किए की फर्म सेलेबी के साथ अपनी पार्टनरशिप खत्म कर दी। भारत के सिविल एविएशन सिक्योरिटी ब्यूरो के एक नोटिफिकेशन के बाद ये पार्टनरशिप खत्म की गई है। 15 मई को बीसीएएस ने सेलेबी का सिक्योरिटी क्लीयरेंस कैंसिल कर दिया था। ऐसे में सेलेबी को तुरंत सभी ग्राउंड हैंडलिंग फैसिलिटीज अडाणी को ट्रांसफर करनी होगी।

सोना 1400 और चांदी 1000 रुपए मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 1,400 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,400 रुपए की बढ़त के साथ 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के भाव पर कारोबार करता दिखा। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना क्रमशः 95,050 रुपये और 94,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा, शुक्रवार को चांदी की कीमत 1,000 रुपये बढ़कर 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। पिछले बाजार सत्र में यह धातु 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के घर श्रद्धांजलि देने पहुंचे मुख्यमंत्री

इंदौर, निप्र। शुक्रवार को तिरंगा यात्रा में शामिल होने इंदौर पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन यादव कार्यक्रम के बाद पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के निवास पर उनके दिवंगत पुत्र को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। सीएम के साथ बीजेपी के अन्य नेता भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मंत्री वर्मा के पलसीकर कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर के वर्मा परिवार को सांत्वना दी। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित अनेक जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

दुखद निधन के बाद पूर्व मंत्री ने अपने पुत्र के नेत्रदान किये

मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा ने पुत्र गगन वर्मा के दु :खद निधन के बाद विकट परिस्थितियों में मानव कल्याण भाव से इस दुख की घड़ी में भी पुत्र के नेत्रदान कर एक बड़ा उदाहरण पेश किया है। पुत्र गगन के निधन के बाद सज्जन सिंह वर्मा ने नेत्रदान के लिए स्वयं फ़ोन कर समिति को नेत्रदान के लिए सहमति दी। सूचना मिलते ही शंकरा आई बैंक एवं मुस्कान ग्रुप के सहयोग स्वर्गीय गगन वर्मा का नेत्रदान संपन्न हुआ। नेत्रदान के पश्चात ग्रुप की ओर से प्रमाण पत्र दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

बारिश में करंट से बचने के लिये एडवायजरी जारी

भोपाल, निप्र। मॉनसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गढ़डा खोदकर खुद बनाई जा सकती है। बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गयी है। जारी एडवायजरी में घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था रखें। हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें, इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जब यह पानी के स्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें। दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का प्रयोग न करें। तीन पिन वाले प्लग का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि तीनों तार जुड़े हों और पिनें खराब न हों। तारों को सॉकेट में लगाने के लिए माचिस की तीलियों का प्रयोग न करें। किसी भी तार को तब तक न छुएं, जब तक बिजली बंद न कर दी गई हो। अर्थिंग के तार को न्यूट्रल के विकल्प के तौर पर प्रयोग न करें। सभी जोड़ों पर बिजली वाली टेप लगाएं, न कि सेलोटेप या बेंडेड। गीज़र के पानी का प्रयोग करने से पहले गीज़र बंद कर दें। हीटर प्लेट का प्रयोग नंगी तार के साथ न करें। घर पर सूखी रबड़ की चप्पलें पहनें। घर पर मिनी सर्किट ब्रेकर और अर्थ लीक सर्किट ब्रेकर का प्रयोग करें। मेटलिक बिजली उपकरण पानी के नल के पास न रखें। रबड़ के मैट और रबड़ की टांगों वाले कूलर स्टैंड बिजली उपकरणें को सुरक्षित बना सकते हैं। केवल सुरक्षित तारें और फ्यूज का ही प्रयोग करें। अर्थिंग की जांच हर छह महीने में करते रहें। किसी भी आम टैस्टर से करंट के लीक होने का पता लगाया जा सकता है। फ्रिज के हैंडल पर कपड़ा बांध कर रखें। प्रत्येक बिजली उपकरण के साथ बताए गए निर्देश पढ़ें।

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को पारितोषिक की पांच फीसदी राशि तुरंत मिलेगी

भोपाल, निप्र। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को दी जाने वाली 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि में से योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार पांच प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है, परंतु उसे सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत?साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं उसके बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत?वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जांच एवं वसूली के कार्य में सम्मिलित बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जाना निर्धारित किया गया है।

ज़िंदगी के रंग : अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और जीवन कौशल का उत्सव

भोपाल, निप्र। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क ने इस सप्ताह ज़िंदगी के रंग नामक एक प्रेरणादायक और सृजनात्मक श्रृंखला की शुरुआत की, जो युवाओं को आत्म-अभिव्यक्ति का एक प्रभावशाली मंच देने और उनके भीतर छिपी रचनात्मकता एवं जीवन कौशल को उजागर करने की एक अनूठी पहल है। तीन दिवसीय आयोजन में पेंटिंग, अभिनय और फोटोग्राफी जैसे कला रूपों के माध्यम से प्रतिभागियों को न केवल अपनी भावनाओं और दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करने का अवसर मिला, बल्कि उन्होंने नेतृत्व, टीम भावना और आत्मविश्वास जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को भी आत्मसात किया। श्रृंखला में पहले दिन, प्रसिद्ध लाइफ कोच सायंती अधिकारी के सान्निध्य में छात्रों ने रंगों के ज़रिए अपने विचारों और भावनाओं को कैनवास पर साकार किया। दूसरे दिन, सौरभ अनंत और विहान आर्ट ग्रुप के सहयोग से प्रतिभागियों ने अभिनय के माध्यम से संवाद, अभिव्यक्ति और मंचीय आत्मबल को निखारा। तीसरे दिन अनुभवी फोटोग्राफर भावना जायसवाल ने छात्रों को फोटोग्राफी की तकनीकी बारीकियों और रचनात्मक दृष्टिकोण से परिचित कराया, जिससे उन्होंने कैमरे की आंख से दुनिया को नए अंदाज़ में देखना सीखा।

स्कूल शिक्षा विभाग में स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल, निप्र। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण नीति के क्रियान्वयन की समय-सारणी जारी की है। विभाग ने समय-सारणी तालिका में आंशिक संशोधन किया है। स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की नियत सीमा 16 मई से बढ़ाकर अब 21 मई की गयी है। इसी के साथ ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने की तिथि 20 मई से बढ़ाकर 25 मई, 2025 नियत की गयी है। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी किये हैं।

अवैध रेत उत्खनन करने वालों पर तुरंत कर्रवाई करें : मंत्री राजपूत

खाद्यान्न प्राप्त करने वाले हितग्राही ई- केवायसी अनिवार्य रूप से करा लें

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जिला खनिज अधिकारी को सख्त लहजे में निर्देश देते हुए कहा कि जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन व भंडारण करने वालों पर तत्काल एक्शन लें।

खनिज, पुलिस और राजस्व विभाग का अमला संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। खाद्य मंत्री श्री राजपूत प्रभार के जिले नरसिंहपुर में जिला योजना समिति की बैठक में यह निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला योजना समिति की बैठक में उन्होंने आम जनता से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मंत्री श्री राजपूत ने निर्देश देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को जिले में हो रहे कार्यों की जानकारी से अवगत कराया जाये।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत माह अप्रैल में खाद्यान्न वितरण की जानकरी ली। बैठक में संबंधित अधिकारी ने बताया कि जिले में प्रतिदिन खाद्यान्न के लिए ई- केवायसी का कार्य कैम्पों का आयोजन कर किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे भी लोगों को ई- केवायसी के लिए प्रेरित करें। शासकीय उचित मूल्य दुकान से प्रतिमाह खाद्यान्न प्राप्त करने वाले हितग्राही ई- केवायसी अनिवार्य रूप से करा लें। जिले में हुए गेहूं उपार्जन का भुगतान भी शतप्रतिशत पूरा करें।

नरवाई नहीं जलाने किसानों को जागरूक करें

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जिले में नरवाई नहीं जलाने के लिए संगोष्ठी, चौपाल आदि के माध्यम से किसानों को प्रेरित कर उन्हें नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बतायें। प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने जिले में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। अभियान में सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जाये। योजना समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों को शीघ्र अमल में लाने तथा दिये गये निर्देशों पर त्वरित कार्यवाही करने तथा के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। बैठक में सांसदद्वय फग्गन सिंह कुलस्ते व चौ. दर्शन सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायकद्वय विश्वनाथ सिंह पटेल व महेन्द्र नागेश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता ठाकुर अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों का सम्मान करें

मंत्री राजपूत ने लगातार नरसिंहपुर जिला प्रदेश में तीसरी बार प्रथम आने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाये। इसके अलावा नवीन व्यावसायिक शिक्षा में अधिक से अधिक पंजीयन करायें, जिसमें युवाओं की मांग व उनके रूझान के अनुरूप प्रशिक्षण करवायें, जिससे उन्हें रोजगार से जोड़ा जा सके। इसके लिए प्रशिक्षण के कोर्स भी बढ़ायें जायें। महिलाओं को सेंट आरसेटी में कौशल उन्नयन एवं रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया जाये, ताकि महिलाओं को एनआरएलएम से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

भोपाल में जल्द तैयार होगा विश्व स्तरीय खेलों का नया मंच

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को भोपाल स्थित बरखेड़ा नाथू में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया।

अंतर्राष्ट्रीय मापदण्ड के अनुसार निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्यों को तेजी व गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स प्रदेश के युवाओं को खेल के क्षेत्र में वैश्विक मंच तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खेल संचालक श्री राकेश कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव, कांट्रेक्टर, इंजीनियर्स, प्रोजेक्ट मैनेजर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस सर्वसुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के तैयार होने से मध्यप्रदेश में खेलों के लिए एक नया आयाम स्थापित होगा।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने एथलेटिक्स स्टेडियम, लाइटिंग सिस्टम, प्रैक्टिस हॉकी फील्ड, वार्म-अप ट्रैक, मल्टीलेवल पार्किंग, फुटबॉल फील्ड, वॉटर एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य निर्माण कार्यों का जायज़ा लिया। उन्होंने प्रोजेक्ट की कंस्ट्रक्शन डिटेल्स का प्रस्तुतीकरण भी देखा और तकनीकी पहलुओं पर अधिकारियों से चर्चा की।

पीएम सूर्य घर योजना में अब तक 10 हजार 118 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 68 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पीएम सूर्य घर योजना के तहत अब तक कुल 10 हजार 118 उपभोक?ता पंजीकृत किये गये हैं। इन्हें 68 करोड़, 4 लाख 42 हजार रूपये की सब्सिडी के रूप में उनके खातों में जमा कराई जा चुकी है।

कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन बाद विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं। प्रबंधक संचालक ने कहा कि देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

जीवनदायिनी नदियों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए जन भागीदारी से कार्य करने का ले संकल्प : मंत्री पटेल

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। जीवन दयानी नदियों के संरक्षण एवं पूर्ण जीवन के लिए जन भागीदारी से कार्य करने का हमें संकल्प लेना होगा। नदियां एवं वृक्ष समाज का भविष्य है और इसका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी। यह बात सिंगरौली के राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम में आयोजित जल गंगा संवाद एवं पंच सरपंच सम्मेलन को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कही। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देश की नदियों की दयनीय होती स्थिति पर लगातार ध्यान देता है। ग्रामीण विकास की मनरेगा योजना हमारे आसपास के अंचलों में प्रभावित होने वाले जैव संसाधनों की पुनर्जीवन के लिए बेहतर मौका उपलब्ध कराती है। कंचन नदी पुनर्जीवन परियोजना पर्यावरण संरक्षण जल प्रबंधन और जन भागीदारी का उत्कर्ष उदाहरण है यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि प्रशासन जनप्रतिनिधियों तथा ग्राम वासियों ने मिलकर कचन नदी को फिर से पुनर्जीवित किया है। मंत्री श्री पटेल ने आग्रह किया कि पंच सरपंच अधिक से अधिक जनसाधारण के माध्यम से पौधारोपण करे, जिससे कि जल गंगा संवर्धन अभियान में चल रहे जल संरक्षण को संपूर्ण जिले में सफलता पूर्वक संचालित किया जा सके।

युवा प्रकृति के साथ सह-जीवन की जीवनचर्या को अपनाएं

समाज के लिए उपयोगी और सक्षम व्यक्ति बनाना ही शिक्षा : राज्यपाल पटेल

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि शिक्षा केवल ज्ञान की डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है। समाज के लिए उपयोगी और सक्षम व्यक्ति बनाना भी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन की अंधी भाग-दौड़ में युवा जीवन के आनंद से वंचित हो रहे हैं। दिनचर्या यांत्रिक होती जा रही है। जरूरी है कि युवा प्रकृति के साथ सह-जीवन की दिनचर्या को अपनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा करते हुए कहा है कि इस प्रतिष्ठित संस्थान में अर्जित ज्ञान का उपयोग मानवता की सेवा में करें। परिवार, समाज के प्रति संवेदनशील रहे। माता-पिता, गुरुजन, समुदाय और समाज के लिए कृतज्ञता का भाव रखें। वंचितों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहें। राज्यपाल श्री पटेल राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के पी.एच.डी. उपाधि और स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं को मंच से सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भौतिक सुखों को प्राप्त करने से सुख नहीं मिलता है। आत्मिक सुख, जरूरतमंदों की मदद और सेवा कार्यों से मिलता है। उन्होंने सेवा कार्यों में प्रदर्शन की अपेक्षा परिणामों पर बल दिए जाने वाले सामाजिक वातावरण के निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर विचार करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह का दिन उपलब्धियों से जुड़े गर्व को महसूस करने का दिन है, जो संस्थान और विद्यार्थी दोनों के लिए उत्सव का प्रसंग होता है। हम सबके जीवन में कुछ ऐसे क्षण होते हैं जिन्हें हम जीवन भर संजो कर रखते हैं। ऐसा ही दीक्षांत का दिन होता है, जो विद्यार्थियों के मन-मस्तिष्क में हमेशा अंकित रहेगा। परिसर में अध्ययन के दौरान

छात्र-छात्राओं ने यादगार पल और जीवन भर के लिए मित्रता की है। अनमोल सबक और प्रचुर ज्ञान प्राप्त किया है। यह सब आने वाले समय में विभिन्न परिस्थितियों में उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि दीक्षांत का दिन जीवन का वह महत्वपूर्ण मोड़ है, जहां विद्यार्थियों को कैरियर और जीवन के अगले चरण के बारे में निर्णय लेना है। प्राप्त उपाधि आपको असीमित अवसरों और संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कराएगी। उनके सामने देश-विदेश में उच्चतर अध्ययन, रोजगार और उद्यम स्थापना के विकल्प उपलब्ध होंगे, लेकिन भावी जीवन में रोजगार तलाशने वाले की बजाय रोजगार देने वाले की तरह सोच कर आगे बढ़ने का प्रयास करे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि दीक्षांत का सम्मान उनके अथक परिश्रम से मिला है। इस सफलता की साधना में उनके माता-पिता सदैव उनके साथ खड़े रहे, इसलिए यह उपलब्धि केवल उनकी नहीं है, यह उनके माता-पिता की भी उपलब्धि है।

तकनीकी एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत दुनिया का बुद्धिवान समाज था। तक्षशिला, नालंदा सारी दुनिया की शिक्षा के केन्द्र थे। भारत को विश्व गुरू कहा जाता था। हमारी मान्यताएं और परंपराएं प्रकृति के साथ सह-जीवन के ज्ञान-विज्ञान पर आधारित थी। मातृ भाषा में ज्ञान-विज्ञान के सभी विषयों की शिक्षा समाज के द्वारा प्रदान की जाती थी। शोध में पता चला है कि भारत में लगभग 7 लाख गुरुकुल विभिन्न क्षेत्रों में संचालित थे। अंग्रेजों ने भारत को नियंत्रण में लेने के लिए उसकी शक्तियों के संबंध में अध्ययन कराया था। उन्हें बताया गया कि भारत की ताकत उसकी संस्कृति और शिक्षा में है। औपनिवेशिक प्रशासन ने षड़यंत्रपूर्वक भारतीय ज्ञान-विज्ञान की मान्यताओं और परंपराओं की प्रमाणिकता पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया। भारतीयों को मातृ भाषा में शिक्षा से वंचित कर विदेशी भाषा में शिक्षा की व्यवस्था कर दी। इस तरह भारतीय समाज को अशिक्षित घोषित करने का कार्य किया था। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि डिग्री प्राप्त करने की उपलब्धि में उनके परिवार, समुदाय, समाज, राज्य और राष्ट्र का महत्वपूर्ण योगदान है। राजीव गांधी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजीव त्रिपाठी ने दीक्षांत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को दीक्षांत शपथ दिलाई। कुलसचिव प्रो. मोहन सेन ने आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन, विश्वविद्यालय की कार्य एवं विद्त परिषद के सदस्य, शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं उनके पालक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा उषा प्रिंटर्स, तिलक मार्ग, अमला लाइन, अलीराजपुर से मुद्रित एवं 13/2, ब्लॉक सी, केशव नगर, अलीराजपुर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - श्रीमती दिव्या गुप्ता *, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, मो. 9425910888, 8889766697, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। RNI. Reg. MPHIN/2019/78560